रांची का तापमान
कांके: अधिक. 34.5° न्यून. 23.0°
रांची: अधिक. 35.0° न्यून. 24.3°
रांची, शनिवार
14 जून 2025
वर्ष-26, अंक-132, पृष्ठ-12

आषाढ़ कृष्ण पक्ष 03, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

अपील खारिज, हाईकोर्ट ने जेपीएससी पर लगाया एक लाख रुपया जुर्माना

वीन मेल डेस्क

असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए एसटी अभ्यर्थी की नियुक्ति का मामला

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी) अभ्यर्थी की नियुक्ति के मामले में हाईकोर्ट की एकल पीठ के आदेश के खिलाफ दाखिल जेपीएससी की अपील (एलपीए) पर फैसला सुनाया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की अपील खारिज कर दी और उस पर एक लाख का जुर्माना लगाया।

विगत दिनों मामले में सभी पक्षों को की सुनवाई पूर्ण होने के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। प्रतिवादी मनोज कुमार कच्छप की ओर से अधिवक्ता सब्यसाची तथा जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पैरवी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाईकोर्ट के जजमेंट के बाद जेपीएससी के अधिवक्ता ने बताया कि जल्द ही जेपीएससी इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा। क्योंकि जेपीएससी की ओर से आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में सभी वर्गों को परीक्षा शुल्क जमा करना अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को केवल परीक्षा फीस की राशि में छूट दी जाती है, ऐसा नहीं है कि उन्हें फीस जमा ही नहीं करना पड़े। प्रतिवादी की ओर से जमा कराई गई परीक्षा फीस जेपीएससी के अकाउंट में तकनीकी कारणों से क्रेडिट नहीं हो सका था। इस पर हाईकोर्ट की एकल पीठ में उसके पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा था कि चूंकि वह हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में इंटरव्यू दे चुका है और वह उस परीक्षा में अधिकतम नंबर वाला भी रहा है, कई परीक्षाओं में एसटी के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा फीस भी नहीं लिया जाता है। ऐसे में उसे नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल किया जाए। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने मनोज कुमार कच्छप की रिट याचिका को स्वीकृत करते हुए जेपीएससी को निर्देश दिया था कि वह चार सप्ताह में प्रार्थी को नियुक्त करे। एकल पीठ के आदेश के खिलाफ जेपीएससी ने अपील दाखिल कर हाईकोर्ट की खंडपीठ में चुनौती दी थी। ज्ञात हो कि जुलाई 2018 में जेपीएससी ने नागपुरी भाषा के लिए एसटी उम्मीदवारों के लिए बैकलॉग वैकेंसी के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर के चार पदों के लिए विज्ञापन संख्या 5/2018 निकला था। इसके बाद दस्तावेजों की जांच में प्रार्थी को 85 मार्क्स में से 72.10 मार्क्स दिया गया था। लेकिन, इंटरव्यू लिस्ट जारी होने पर मनोज कुमार कच्छप का नाम उसमें नहीं आया था। इसके बाद उनकी ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। कोर्ट ने मनोज कुमार कच्छप को इंटरव्यू में शामिल कराने का निर्देश जेपीएससी को दिया था। साथ ही कहा था कि इनका रिजल्ट इस याचिका के अंतिम आदेश से प्रभावित होगा। इसके बाद प्रार्थी को इंटरव्यू में शामिल कराया गया था, जेपीएससी ने 23 दिसंबर, 2021 को रिजल्ट जारी किया

शेष पेज 11 पर

पूर्व सीएम कोड़ा पर हाईकोर्ट ने लगाया 8000 रुपए का जुर्माना

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाला मामले में आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की याचिका पर सुनवाई हुई। मधु कोड़ा ने निचली अदालत की ओर से आरोप गठित करने के खिलाफ एक याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट ने चौथी बार फिर से मधु कोड़ा के अधिवक्ता की ओर से समय मांगे जाने पर 8 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। मामले की अगली सुनवाई आठ सप्ताह बाद होगी। सीबीआई की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने पक्ष रखा। इससे पहले, तीसरी बार समय मांगे जाने पर मधु कोड़ा पर 4000 रुपए का जुर्माना लगा था। वहीं, कोर्ट ने 17 जनवरी, 2025 को समय मांगे जाने पर 2000 रुपए और 13 दिसंबर, 2024 को 1000 रुपए का जुर्माना लगाया था। जुर्माना की राशि झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी (झालसा) में जमा करने का निर्देश हुआ था। वर्ष 2006 में राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना के लिए झारखंड को केंद्र से 467.76 करोड़ रुपए मिले थे। इस परियोजना के तहत झारखंड के छह जिलों के 27,359 गांवों का विद्युतीकरण किया जाना था।

शेष पेज 11 पर

एक नजर

झारखंड में कोविड के सक्रिय मामले 24 हुए

रांची। झारखंड में कोरोना संक्रमण के मामलों में पिछले 24 घंटों के दौरान वृद्धि हुई है। कोरोना डैशबोर्ड के अनुसार, शुक्रवार को झारखंड में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 24 हो गई है। पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना संक्रमण के पांच नए मामले मिले हैं। पिछले 24 घंटों में एक कोरोना संक्रमित मरीज ठीक हो कर घर चला गया है। हालांकि, देश में कोरोना के मामलों में कुछ कमी आती दिखाई दे रही है। देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 7,131 हो गई है।

सोना फिर पहुंचा एक लाख रुपए के पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की वजह से सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही। सोने की प्रति 10 ग्राम का भाव फिर एक लाख रुपए के पार पहुंच गई है। चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरान पर इजराइल के सैन्य हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत 2,200 रुपए उछलकर 1,01,540 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गई।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

प्रधानमंत्री ने विमान हादसा स्थल का लिया जायजा, घायलों से मिले

दिल दहला देने वाली मौत से हम सभी स्तब्ध : पीएम मोदी

- पीएम ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर शीर्ष अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अहमदाबाद (हि.स.)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एयर इंडिया के विमान हादसा स्थल पर पहुंच कर वहां चलाए जा रहे राहत कार्यों का जायजा लिया और अस्पताल जाकर घायलों से मिले। उन्होंने विमान हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार से भी बातचीत की। ज्ञात हो कि गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान उड़ान के दो मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

दुर्घटनास्थल पर शुक्रवार को भी बड़े स्तर पर राहत और बचाव कार्य जारी रहा। बड़ी संख्या में राहतकर्मियों की टीमें लगाई गई हैं। हादसे में मृतकों की पुख्ता पहचान के लिए बड़ी संख्या में परिजनों के डीएनए सैंपल लिए गए। वहीं, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने क्षतिग्रस्त हॉस्टल की छत से ब्लैक बॉक्स को खोज निकाला है। इससे हादसे के बारे में खास जानकारी हासिल हो सकेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार की सुबह विमान हादसा स्थल पर पहुंचकर विमान हादसे के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मेडिकल हॉस्टल और मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और राहत व बचाव टीमों से मुलाकात की। उन्होंने तबाही के मंजर को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि जाने वाले पीछे खालीपन छोड़ गए हैं। इस खालीपन को आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी अहमदाबाद सिविल अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलने गए और करीब 10 पीड़ितों व उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने विमान हादसे में बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। विमान हादसे के शिकार हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। प्रधानमंत्री के साथ राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृहराज्य मंत्री हर्ष संघवी भी रहे। प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में उच्चस्तरीय बैठक कर हादसे के बाद की परिस्थितियों और राहत कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उधर, हादसा स्थल पर व्यापक रूप से राहत कार्य जारी रहा। इसके साथ ही हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों की पुख्ता पहचान के लिए बड़े

शेष पेज 11 पर

ब्लैक बॉक्स मिला

हादसे के एक दिन बाद शुक्रवार को एएआईबी ने ब्लैक बॉक्स को खोज लिया है। यह हॉस्टल की छत पर मिला। इसके जरिए पता चल सकेगा कि क्रैश होने के पहले आखिरी पलों में क्या हुआ था। विमान हादसे की जांच में 8 एजेंसियां नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी, गुजरात पुलिस, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए), यूनाइटेड किंगडम की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टीगेशन ब्रांच (यूके- एएआईबी) यूनाइटेड स्टेट्स की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी), फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) शामिल हैं।

एयर इंडिया के सभी बोइंग ड्रीमलाइनर विमानों की सुरक्षा जांच की जाएगी

नई दिल्ली (हि.स)

अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बाद अब एयर इंडिया के बोइंग बेड़े के सभी विमानों की जांच होगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को बोइंग 787-8/9 बेड़े के सभी विमानों को 'ग्राउंडेड' करके 15 जून से जांच में सुरक्षा निरीक्षण बढ़ाने का आदेश दिया है। इस विमान हादसे में लगभग 265 लोग मारे गए थे। डीजीसीए के आधिकारिक बयान में कहा गया है, निवारक उपाय के रूप में डीजीसीए एयर इंडिया को निर्देश देता है कि वह संबंधित क्षेत्रीय डीजीसीए कार्यालयों के साथ समन्वय में तत्काल प्रभाव से जेनएक्स इंजन से लैस 8787-8/9 विमानों पर निम्नलिखित अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करे। विमानन नियामक ने अपने आदेश में 15 जून (00:00) बजे से भारत से उड़ान के लिए प्रस्थान से पहले विमानों की एक बार जांच करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अपने आदेश में डीजीसीए ने 15 जून को 00:00 बजे से उड़ान के प्रस्थान से पहले जांच अनिवार्य कर दी है।

शेष पेज 11 पर

हजारीबाग पुलिस को मिली बड़ी सफलता

टीएसपीसी के एरिया कमांडर प्रशांत समेत पांच उग्रवादी हुए गिरफ्तार

- अमेरिकी कारबाइन सहित कई हथियार और अन्य सामान बरामद

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुरुवार की रात तरहेसा जंगल के घाटगोसाई इलाके से तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के एरिया कमांडर प्रशांत जी उर्फ अवधेश सिंह समेत पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक अमेरिकी एआर-15 एम-4 कारबाइन समेत भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार बरामद किए गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार (12 जून) की रात हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को सूचना मिली थी कि टीएसपीसी के 7-8 उग्रवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही एसपी हजारीबाग के तकनीकी शाखा के सहयोग से एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। सशस्त्र बलों के साथ मिलकर इलाके में सघन सर्च अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों में प्रशांत जी उर्फ अवधेश कुमार सिंह के अलावा आदित्य गंझू, देवेन गंझू, धरम गंझू और रूपलाल गंझू शामिल हैं। इनके पास से एक अमेरिकी कारबाइन, एक मैगजीन, एक देसी पिस्टल (7.62 मिमी), तीन देसी कट्टा, 28 जिंदा कारतूस, 09 मोबाइल, टीएसपीसी के 10 पर्चे, एक मैगजीन पाउच और एक चितकबरे रंग का पिठ्ठू बैग बरामद किया गया है।

शेष पेज 11 पर

कदमा थाने के एसआई रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित

- एफआईआर के बदले एक लाख रुपए रिश्वत की मांग की थी

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)। जमशेदपुर के कदमा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) सुनील कुमार दास को एक लाख रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। यह निर्णय जमशेदपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक ने नगर पुलिस अधीक्षक की जांच रिपोर्ट के आधार पर लिया। पीड़िता दुर्गा कुमारी ने आरोप लगाया कि वह एक मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने थाना पहुंची थीं, जहां पदाधिकारी सुनील कुमार दास ने एफआईआर के बदले एक लाख रुपए रिश्वत की मांग की। पुलिस पदाधिकारी ने उन्हें बार-बार थाना बुलाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया।

शेष पेज 11 पर

गुमला के रायडीह में धान व्यवसायी को मारी गोली, 4 लाख नकदी लूटे

- तीन बाइक पर आए थे अपराधी, मोबाइल भी लूट ले गए

नवीन मेल संवाददाता

रायडीह (गुमला)। गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र का कांसीर साप्ताहिक बाजार शुक्रवार को फायरिंग से दहल उठा। धान व्यापार के लिए पहुंचे एक स्थानीय व्यवसायी राजकुमार साहू को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी और 4 लाख रुपए नकद व एक मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। यह वारदात दिन में करीब 11:00 बजे उस वक्त घटी, जब तिर्रा हंसलता गांव के निवासी 30 वर्षीय व्यापारी राजकुमार साहू बाजार में अपनी बाइक खड़ी कर रहे थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीन बाइक पर सवार कुल नौ अपराधी बाजार पहुंचे और राजकुमार पर अचानक हमला कर दिया।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

गुम होती शहनाई की मीठी धुन और धरती कंपाते डीजे का आतंक

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत के गांवों से लेकर शहर तक कभी गरीब के आंगन से लेकर महलों–डयोढ़ी और बड़ी-बड़ी महफ़िलों में हर मंगल कार्य या धार्मिक आयोजनों में लोगों को मंत्रमुग्ध करने वाली शहनाई की मीठी धुनें अब दम तोड़ रहीं हैं और सबसे बड़े डीजे की होड़ में शादी-विवाह से लेकर किसी भी पार्टी में देर रात तक धरती कंपाते शोर से अब हर गांव–शहर परेशान है । आप सारा दिन ऑफिस या व्यापार से काम करके घर लौटते हैं शरीर और दिमाग इतने थक गए हैं कि आपको रात के खाने के बाद अच्छी नींद की आवश्यकता है या घर पर कोई बीमार है किसी की परीक्षा चल रही है । पर तभी आपका पड़ोसी तेज आवाज में डीजे बजा देता है या आधी रात नाचते-झूमते बारातियों की भीड़ जा रही हो । शोर इतनी तेज की घर की खिड़कियां तक कांप रही हैं। ऐसे में सोना तो दूर घर में बैठना मुश्किल हो जाता है । बच्चे,वरिष्ठ नागरिक या दिल के मरीजों के अलावा पालतू पशु छिपने की जगह ढूंढने लगते हैं ये दृश्य आम हैं । हाईकोर्ट के आदेश के बाद रांची जिला प्रशासन ने एक आदेश निकाला है कि सभी डीजे संचालकों को अनिवार्य रूप से नजदीकी थानों में निबंधन कराना है। हाईकोर्ट का पूर्व का कड़ा आदेश है कि बिना पूर्वानुमति के रात दस बजे के बाद लाउडस्पीकर तक नहीं बजाना है पर हर मैरेज हॉल से लेकर धार्मिक सामाजिक आयोजनों में इसका खुला उल्लंघन होता है क्योंकि लोग शिकायत करने से डरते हैं । आप जब शादी पार्टी में जाते होंगे तो कई राज्यों में डांस फ्लोर पर एक नोटिस देखा होगा। उसमें लिखा रहता है कि 10 बजे के बाद डीजे बजाना अपराध है, साथ ही जुर्माने की रकम भी लिखी रहती है। दरअसल इससे संबंधित कानून है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) कानून-2000 के मुताबिक रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर और डीजे बजाने पर पाबंदी है। इसे लेकर कोई बाध्यता नहीं है। राज्य सरकार को यह अधिकार दिया गया है कि वह कुछ शर्तों के साथ रात 12 बजे तक लाउडस्पीकर और डीजे बजाने की इजाजत दे सकती है। लेकिन रात के 12 बजे के बाद किसी को भी लाउडस्पीकर या डीजे बजाने की इजाजत नहीं है। ऐसा करना गैर कानूनी है यानी अपराध की श्रेणी में आता है। इस बारे में राष्ट्रीय हरित अधिकरण यह कह चुका है कि एक तय सीमा से तेज लाउडस्पीकर और डीजे बजाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।इसके लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अ ल ग - अ ल ग इलाकों के लिए शोर के अलग-अलग लेवल तय किए हैं। लाउड स्पीकर आपके मौलिक अधिकार का हनन कर रहे हैं। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि संविधान के अनुच्छेद 21 में जीवन जीने के अधिकार के तहत ध्वनि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का अधिकार भी आता है। किसी को धार्मिक आयोजन या सांस्कृतिक आयोजन के नाम पर भी यह छूट नहीं मिलती है। कोई किसी को भी जबरन भजन, गाना या धार्मिक उपदेश सुनने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है।आपने कभी-न-कभी यह सुना या पढ़ा होगा कि आपके अधिकारों की सीमा वहीं तक है जहां से दूसरों के अधिकारों का हनन न हो। अगर देर रात तक लाउडस्पीकर या डीजे बजाने से किसी की नींद खराब होती है या मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, तो यह उसके मौलिक अधिकारों का हनन है।इसके खिलाफ पीड़ित व्यक्ति को अधिकार है कि वह अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा खटखटा सकता है।अनुच्छेद 226 के तहत सीधे हाई कोर्ट जा सकता है।रात में लाउड स्पीकर और डीजे बजाने पर रोक लगाने की मांग भी कर सकता है।जुर्माना लगाया जा सकता है। शादी-बारात में बज रहे लाउड स्पीकर या डीजे या किसी भी समारोह में बज रहे लाउड स्पीकर की आवाज पब्लिक न्यूसेंस की श्रेणी में आते हैं। इसके अलावा मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा समेत अन्य सार्वजनिक स्थान पर तेज लाउड स्पीकर बजाना भी पब्लिक न्यूसेंस ही माना जाता है। अगर आम लोगों को इन लाउड स्पीकर से परेशानी होती है, तो वो कानून के तहत कार्रवाई के लिए अपील कर सकते हैं। इसके लिए जेल और जुर्माना के भी प्रावधान है।तेज आवाज भी एक तरह का प्रदूषण है। जैसे वायु प्रदूषण से आपके फेफड़े खराब होते हैं, ठीक वैसे ही ध्वनि प्रदूषण से आपके कान खराब हो रहे हैं। इसके अलावा भी शरीर को कई नुकसान हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ज्यादा शोर में रह रहे लोगों की सेहत पर इसका बुरा असर होता है। इसका सबसे अधिक खतरा बच्चों को है। आने वाले समय में 91 अरब से ज्यादा किशोर और युवाओं में 'हीयरिंग लॉस' का खतरा है। तेज शोर से नींद प्रभावित हो सकती है।दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता है।साइकोफिजियोलॉजिकल असर पड़ता है।माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है।डिप्रेशन और डिमेंशिया का कारण बन सकता है।नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अध्ययन के अनुसार तेज शोर में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। असल में बहुत अधिक शोर से ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर तेजी से शूट अप करते हैं। अगर आपको कोई ह्रदय रोग है तो लाउड स्पीकर या डीजे वाले स्थान पर जाने से बचना चाहिए।

सैन्य बल को हमारा नमन

सुरेश चंद्र झा

एक सोच होती है धर्मांधता की। अंधे-विचारों के बीभत्स रूप लिए एक शब्द बना है, काफिर। ऐसी धर्मांधता का वह बीभत्स रूप पहलगाम की सुंदर वादियों ने देखा। धर्म पूछ कर उनकी शब्दावली में कहलाने वाले काफिरों की नृशंस हत्या करने का जघन्य कार्य हुआ। हमारी बेटियों के सुहाग उनकी आंखों के सम्मुख उजाड़े गए। देशवासियों का खून खौल उठा। हमारी पराक्रमी भारतीय सेना ने आतंकवाद की इस घटना पर प्रतिशोध का वह उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी मिसाल नहीं।

आक्रमण देश पर नहीं किया गया, आक्रमण उस स्त्रोत पर किया गया, जिसका नाम है आतंकवाद। जड़ पर प्रहार करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस मुहिम को तुरंत अमल में लाकर हमारी सेना ने पाकिस्तान के सारे आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। हमारी थल सेना और वायुसेना ने अद्भुत शौर्य का परिचय देते हुए सटीक मिसाइल आक्रमण से आतंकी ठिकानों को टारगेट किया और यह पूरी दुनिया को बता दिया कि हम अपने देश की नारियों की मांग के सिंदूर का महत्व समझते हैं और उसकी रक्षा में कुछ भी कर सकने में सक्षम हैं। भारत की सैन्य शक्ति का लोहा पूरी दुनिया ने माना।

युद्ध आतंकवाद के विरुद्ध था और हमारी सेना के वीरों और वीरांगनाओं ने विश्व में अपने शौर्य का परचम लहरा दिया। साथ ही, युद्धबंद कर देश ने यह दिखाया कि हम क्या हैं और बेवजह हम युद्ध नहीं करते, पर आतंकवाद को बर्दाश्त भी नहीं कर सकते। हमारा नमन अपने सैन्य बल को और दूरदर्शितापूर्ण निर्णयों के लिए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री और उनकी पूरी टीम को। जय हिंद।

केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री ने दिया निर्देश

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे बनेगा बैडमिंटन कोर्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रातू रोड में बनकर तैयार एलिवेटेड कॉरिडोर का केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने निरीक्षण किया। इस दौरान संजय सेठ ने अधिकारियों को एक खास निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर के नीचे खाली पड़ी जगह का सही इस्तेमाल किया जाएगा। वहां बैडमिंटन कोर्ट या खेल के अन्य मैदान बनाए जा सकते हैं ताकि स्थानीय लोगों को खेलने-कूदने का बेहतर माहौल मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को इसके लिए जल्द योजना बनाने को कहा है।

जानकारी हो कि इस कॉरिडोर का उद्घाटन 19 जून को किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। हालांकि अभी तक श्री गडकरी की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया है। उद्घाटन समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उद्घाटन के बाद एलिवेटेड कॉरिडोर पर आम लोगों के वाहन भी दौड़ने लगेंगे।

वाहन पड़ाव स्थल से बाहर पार्किंग की वसूली की तो रद्द होगा लाइसेंस

- सीमा के बाहर खड़े वाहन से शुल्क की वसूली अनधिकृत होगी

रांची नगर निगम क्षेत्र में बंदोबस्त 31 वाहन पड़ाव स्थलों पर दो दिन के अंदर सूचना पट्ट लगाने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम क्षेत्र में बंदोबस्त 31 वाहन पड़ाव स्थलों पर दो दिन के अंदर सूचना पट्ट लगाने का निर्देश बंदोबस्त हासिल करने वाले ठेकेदार एवं एजेंसी को दी गई है। पड़ाव स्थल पर लगाए जाने वाले सूचना पट्ट पर वाहन पड़ाव स्थल का नाम, दो और चार पहिया वाहन के लिए तय शुल्क, पड़ाव क्षेत्र की सीमा के साथ संवेदक के नाम एवं मोबाइल फोन नबंर अंकित करना जरूरी है। ऐसा नहीं करने वाले संवेदकों पर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में शुक्रवार को निगम की ओर से आदेश जारी किया गया है, जिसमें निगम की ओर से तय क्षेत्र में ही वाहन पड़ाव शुल्क लेना मान्य होगा।

सीमा के बाहर या फिर आसपास की सड़क, चौक-चौराहा के समीप खड़ा किए गए वाहन के चालक से शुल्क की वसूली अनाधिकृत होगा। शुल्क लेने वालों के पास पहचान पत्र जरूरी निगम की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बंदोबस्त सभी वाहन पड़ाव पर शुल्क की वसूली करने वाले कर्मी के पास पूरा ब्यौरा के साथ पहचान पत्र जरूरी है। ऐसे कर्मचारी अगर पड़ाव के मद में प्राप्त शुल्क के एवज में पार्किंग परचा वाहन चालकों को देंगे, जिसमें उस दिन की तारीख, शुल्क व समय अंकित रहेगा। कहा गया कि अतिरिक्त राशि लेने वाले कर्मी से संबंधित पड़ाव स्थल की अनुज्ञप्ति रद्द कर दी जाएगी एवं जरूरी होने पर विधि सम्मत कार्रवाई भी होगी। परेशानी होने पर टॉल फ्री नंबर पर दें सूचना निगम की ओर से शहरवासियों से विभिन्न इलाकों में स्थित पड़ाव स्थल पर व्यवस्था को लेकर किसी तरह की परेशानी, मनमाना शुल्क लेने या फिर दुर्व्यवहार होता है तो टॉल फ्री नंबर 18005701235 या मोबाइल फोन नंबर 9431104429 पर तत्काल सूचना देने का आग्रह किया गया है। बताया गया है कि नियम विरूद्ध किसी तरह की गतिविधि की शिकायत निगम कार्यालय में भी दर्ज होगी और उस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज बॉक्स

सिटी व ग्रामीण एसपी ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से की मुलाकात

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को सिटी एसपी अजीत कुमार और ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने राज भवन में शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाक़ात के क्रम में राज्यपाल ने रांची जिले में विधि-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करते हुए दोनों पदाधिकारियों को कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाए रखने के लिए निर्देशित किया।

आजसू का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला राज्य की कानून- व्यवस्था से कराया अवगत

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को राज भवन में आजसू पार्टी का एक शिष्टमंडल संजय मेहता के नेतृत्व में मिला। वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि वर्ष 2025 में अब तक राज्य में लगभग 400 लोगों की हत्या हो चुकी है, जो विधि-व्यवस्था की अत्यंत चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने हाल के दिनों में घटित विभिन्न हत्या की घटनाओं की ओर राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराते हुए राज्य में व्याप्त असुरक्षा के वातावरण पर गहरी चिंता व्यक्त की।

महासभा का शिष्टमंडल राज्यपाल से मिला

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा का एक शिष्टमंडल राज भवन में भेंट कर समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया।

बिहार के मंत्री सीएम हेमंत सोरेन से मिले

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बिहार सरकार में भवन निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ. अशोक चौधरी ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

झारखंड कैडर के 9 आईपीएस अधिकारियों की वरिष्ठता सूची जारी

रांची। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड कैडर के नौ आईपीएस अधिकारियों की वरिष्ठता सूची जारी कर दी है। यह दूसरी बार है, जब यह सूची जारी की गयी है। गृह मंत्रालय के अवर सचिव संजीव कुमार ने झारखंड के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस बारे में सूचित किया है। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद के परामर्श से आईपीएस (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम-10 के तहत यह सूची तैयार की गई है। सभी संबंधित आईपीएस अधिकारियों को एक महीने का समय दिया गया है, ताकि कोई आपत्ति या संशोधन हो तो वो दर्ज करा सकें। वरिष्ठता सूची में शामिल अधिकारी में 2017 बैच के कुमार गौरव, राकेश रंजन, रेशमा रेमेशन, विनीत कुमार व हरिश बिन जमा का नाम शामिल है। वहीं 2018 बैच के के विजय शंकर, हरविंदर सिंह, मुकेश लुनायत और मनोज स्वर्गीयरी का नाम है।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की बेल पर अगली सुनवाई में ईडी करेगी बहस

रांची। टेंडर घोटाला के जरिए करोड़ों की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में आलमगीर आलम की ओर से बहस पूरी कर ली गई। अब अगली सुनवाई अगले शुक्रवार को होगी, जिसमें ईडी की ओर से बहस की जाएगी। बता दें कि आलमगीर आलम को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट बेल देने से इनकार कर चुका है। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत के लिए गुहार लगाई है।

राजधानी के 25 थाना क्षेत्र में छापेमारी, फरार चल रहे 121 वारंटी को किया गया गिरफ्तार

रांची। राजधानी के 25 थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर फरार चल रहे 121 वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने रांची जिले के ग्रामीण क्षेत्र के 25 थाना क्षेत्र में 12 से 13 जून तक अभियान चलाया। शुक्रवार को जानकरी देते हुए एसएसपी ने बताया कि इस अभियान को लेकर कुल 60 टीमें बनाई गई थी, जिसमें 216 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे। इन टीमों के द्वारा 181 ठिकानों पर छापेमारी कर 121 वारंटी को पकड़ कर जेल भेजा गया। यह कार्रवाई रांची में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

आजसू पार्टी के संगठन विस्तार का अभियान तेज

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के निर्देश पर संगठन विस्तार के लिए कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों में जिला संयोजक मंडली की नियुक्ति की गई है। केंद्रीय अध्यक्ष की सहमति के बाद पार्टी के प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। श्री सहिस ने बताया कि पार्टी की पहले से गठित जिला समिति पूर्ववत अपना नियमित कार्य करती रहेगी, जबकि नवनियुक्त जिला संयोजक मंडली जिले में संगठन के पुनर्गठन के अभियान का नेतृत्व करेगी तथा ग्राम एवं प्रखंड समितियों के गठन तथा विस्तार के कार्यक्रमों के आयोजन को गति देने का काम करेगी। पार्टी ने राज्य के सभी ग्रामों में इकाई गठित करने की कवायद शुरू की है तथा युवाओं एवं महिलाओं को पार्टी से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

राजधानी की ट्रैफिक व विधि-व्यवस्था को लेकर आईजी ने की समीक्षा बैठक

एसएसपी, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी सहित ट्रैफिक एसपी को दिए जरूरी दिशा निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आईजी मनोज कौशिक ने डीआईजी सह एसएसपी, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी और ट्रैफिक एसपी सहित सभी पुलिस उपाधीक्षकों के साथ रांची जिला के यातायात और विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर बैठक की। इसमे रांची जिला अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण यातायात संधारण और विधि-व्यवस्था से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

इसमें राजधानी रांची में ट्रैफिक हेल्पलाइन/व्हाट्सएप नंबर जारी किया जाएगा, जिसमें आम जनता की ट्रैफिक से संबंधित समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा। सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने हेतु नगर निगम, संबंधित थाना और यातायात थाना के परस्पर समन्वय से अभियान चलाया जाएगा।

ट्रैफिक जाम की समस्या का निवारण के लिए संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी एवं यातायात थाना पदाधिकारी की संयुक्त जिम्मेवारी तय की जाएगी। रोड इंजीनियरिंग से संबंधित समस्या को भी जिला प्रशासन के सहयोग से सुचारु रुप से चालू किया जाएगा।

बच्चों के स्कूल में आगमन और प्रस्थान के समय में भी ट्रैफिक संबंधित समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनावश्यक कट, जिससे यातायात नियमों के पालन करने में बाधाएं उत्पन्न कर रही है, को चिन्हित करते हुए बंद किया जाएगा। जनता से अपील की गई है कि अपने लंबित चालान शुल्क को यथाशीघ्र जमा करवाकर चालान का निष्पादन करें। ट्रैफिक वॉलेंटियर बनकर यातयात संधारण में सहभागिता के लिए आम जनता के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी किया जाएगा। वहीं गूगल इंडिया के साथ जल्द ही मीटिंग कर गूगल मैप में रूट-लाइन (ब्लॉक रोड/डिस्टर्ब रूट) हेतु जानकारी अपडेट की जाएगी आदि शामिल है।

पत्रकारों के रिम्स में प्रवेश पर लगे प्रतिबंद्ध का भाजपा का विरोध, कहा

खामियां उजागर होने नहीं देना चाहती है राज्य सरकार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता बिजय चौरसिया ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के द्वारा यू ट्यूबरों और पत्रकारों पर दिए आदेश पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि एक तरफ राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों में मंत्री ने दलालों, बिचौलियों के हस्तक्षेप और प्रवेश पर खुली छूट दे रखी है। दूसरी ओर सच्चाई उजागर करते राज्य के यू ट्यूबरो और पत्रकारों पर प्रतिबंध लगाने का तुगलकी फरमान जारी किए हैं। कहा कि सरकार अपनी हीं नाकामियों से डरी हुई है और चीजों को सुधारने के बजाय उसे छिपाने के घृणित प्रयास में लगी है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपने बड़बोले स्वास्थ्य मंत्री को आगे करते हुए सेंसरशिप की जनविरोधी कदम उठाया है। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का वह काला फरमान, जिसमें यूट्यूबर्स और तथाकथित "अनधिकृत" पत्रकारों के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रवेश और समाचार संकलन पर प्रतिबंध लगाया गया है, प्रेस की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और जनता के सूचना के अधिकार पर क्रूर प्रहार है। कहा कि यह सेंसरशिप का नंगा नाच न केवल हेमंत सरकार की नाकामियों और भ्रष्टाचार को छिपाने की साजिश है, बल्कि दलालों-बिचौलियों को संरक्षण देने की उसकी कुत्सित मंशा को भी उजागर करता है।

राज्य के डिग्री कॉलेजों में इंटर के विद्यार्थियों का नहीं होगा नामांकन

- कॉलेज अब सिर्फ स्नातक स्तर की शिक्षा देंगे
- छात्रों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था का निर्देश
- 10वीं पास छात्रों के लिए भी लागू होगा नया नियम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य के सभी अंगीभूत महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई को पूरी तरह समाप्त करने का निर्णय लिया है। सरकार ने स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि अब इन कॉलेजों में इंटर में नामांकन नहीं होगा। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट व झारखंड हाईकोर्ट द्वारा पारित निर्णयों और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप लिया गया है। राज्य सरकार ने कहा है कि कॉलेज स्तर की शिक्षा अब केवल स्नातक से शुरू मानी जाएगी। ऐसे में कॉलेजों में इंटर की कक्षाएं नीति के प्रतिकूल हैं। राज्यपाल सचिवालय ने भी सभी विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया है कि इंटर में नामांकन लेना नीति के प्रतिकूल है। इसलिए इस व्यवस्था को तत्काल समाप्त किया जाए।

सरकार ने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वर्तमान में 12वीं में अध्ययनरत छात्रों का नामांकन

निकटवर्ती सरकारी या उत्क्रमित +2 स्कूलों या मान्यता प्राप्त इंटर कॉलेजों में कराया जाए। यदि छात्र की सुविधा के अनुसार 5 किमी के दायरे में कोई विकल्प नहीं है, तभी विशेष अनुमति के तहत कॉलेज में इंटर कक्षा संचालित की जा सकती है, बशर्ते उसके पास वैध मान्यता हो। जिला स्तर पर सभी अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र के अंगीभूत महाविद्यालयों से समन्वय स्थापित करें और सुनिश्चित करें कि सभी प्रभावित छात्रों का नामांकन वैकल्पिक संस्थानों में समय पर पूरा हो। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से 10वीं पास छात्र भी अंगीभूत कॉलेजों में इंटर में नामांकन नहीं ले सकेंगे. उन्हें सिर्फ +2 उच्च विद्यालयों या वैध इंटर कॉलेजों में ही प्रवेश मिलेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले सत्र में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने अपने 14 अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट में नामांकन पर रोक लगा दी थी। इस मामले को झारखंड हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने 17 जनवरी 2025 को रांची यूनिवर्सिटी के पक्ष में फैसला सुनाया।

तंबाकू के दुष्प्रभाव से लोगों को किया जाएगा जागरुक, बोले डॉ असीम

मादक पदार्थ मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित करता है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम सह प्रशिक्षण का समापन सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में हुआ। इसके साथ ही शुक्रवार से 26 जून तक जिला के शहरी क्षेत्र एवं सभी प्रखंड में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस जागरूकता अभियान के तहत सभी प्रखंडों के विभिन्न टोलों- मोहल्लों एवं चौक चौराहों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभाव एवं इसका सेवन नहीं करने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त ट्रेनर के द्वारा पंचायत ब्लॉक स्तर पर बैठक कर लोगों को नशा का सेवन नहीं करने को लेकर जागरूक किया जाएगा। साथ ही समुदाय के लोगों को नशे के खतरों और नशा मुक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी जा रही है। नशा से ग्रसित लोगों को नशा छोड़ने के लेकर प्रेरित किया जाएगा। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर युवाओं को नशे के खतरों से अवगत कराया जा रहा है ताकि वे इसकी चपेट में नहीं आ सके। वहीं रांची जिला में पोस्टर, बैनर,पंपलेट के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सार्वजनिक स्थान में नशा करने वाले लोगों को दंडित किया जाएगा साथ ही उन पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर डीआरसीएचओ डॉ असीम मांझी ने बताया कि नशा एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन हमारे मस्तिष्क के काम करने के तरीके को बहुत प्रभावित करता है। यह हमारी मानसिक क्षमता और मनोदशा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है।

उद्योग निदेशक संग चैंबर के प्रतिनिधियों ने की बैठक

व्यापार शुरू करने में आने वाली बाधाओं को दूर करने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। होटल, बैंक्वेट, बार, लाउंज, रेस्तरां के व्यापार को शुरू करने में विभिन्न कानूनी प्रक्रियाओं के अनुपालन और लाईसेंसी जटिलताओं को लेकर चैंबर ने उद्योग निदेशक सुशांत गौरव के साथ बैठक की। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी के नेतृत्व में विभिन्न होटल, बैंक्वेट, बार, लाउंज के संचालक शामिल हुए। ज्ञात हो कि डी-रेगुलेशन और व्यापार करने में आसानी के लिए हाल ही में कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रपति भवन के विशेष सचिव केके पाठक के झारखंड प्रवास के दौरान औद्योगिक संघों के साथ हुई बैठक के आलोक में यह बात सामने आई थी कि होटल, बैंक्वेट, रेस्तरां के चालू करने और उन्हें संचालित करने के लिए कई तरह की कानूनी प्रक्रियाओं का अनुपालन करना पडता है। श्री पाठक के निर्देश पर इस बैठक का आयोजन किया गया था ताकि लाइसेंसी जटिलताओं की जानकारी लेकर केंद्र को अवगत कराया जा सके। विभिन्न विभागों से एनओसी, दस्तावेजों की अधिकता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि विभागीय अनुमोदन की प्रक्रिया और उसमें होनेवाले विलंब से निवेशक हतोत्साहित होते हैं जिससे राज्य में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। चैंबर अध्यक्ष ने इन प्रक्रियाओं को सरल बनाने की पहल का आग्रह किया। यह कहा कि इससे न केवल उद्यमियों का समय और संसाधनों की बचत होगी बल्कि राज्य में अधिक निवेश और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा। सकारात्मक रूप से संपन्न हुई वार्ता में उद्योग निदेशक सुशांत गौरव ने इस मामले में जरूरी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। यह आश्वस्त किया कि हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के इन सुझावों को केंद्र सरकार से समन्वय बनाकर, कार्रवाई की जाएगी।

छात्र मौत मामला : हाईकोर्ट में उपस्थित हुए डीजीपी और बीआईटी के वीसी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के गुरुवार के आदेश के आलोक में शुक्रवार को राज्य के डीजीपी हाईकोर्ट के समक्ष उपास्थित हुए। उनके साथ बीआईटी के वाइस चांसलर, डीन और रजिस्ट्रार भी कोर्ट में हाजिर हुए। जिसके बाद कोर्ट ने उक्त सभी को अगली सुनवाई में पेशी से छूट दी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने डीजीपी को निर्देश दिया कि शिक्षण संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा के लिए एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर)तैयार कीजिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा ना हो। इसके साथ ही अदालत ने बीआईटी मेसरा प्रबंधन पर कड़ी नाराजगी जताई है। दरअसल बीआईटी मेसरा पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र राजा पासवान की संदिग्ध मौत मामले में झारखंड हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है।

जानकारी | 540 पदाधिकारियों व कर्मियों को दिया गया जियो फेंसिंग करने का प्रशिक्षण

मतदान केंद्र के क्षेत्रों की करेंगें जियो फेंसिंग

- 11 से 13 तक चलने वाले 3 दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया

नवीन मेल संवाददाता

मतदान केंद्र क्षेत्र की सीमा सुनिश्चित हो

के. रवि कुमार ने कहा कि जियो फेंसिंग के माध्यम से प्रत्येक मतदान केंद्र क्षेत्र की सीमा सुनिश्चित की जा सकेगी जिससे बीएलओ द्वारा आसानी से अपने क्षेत्र के मतदाताओं तक पहुंच बनाई जा सकेगी। प्रशिक्षण के तीसरे एवं अंतिम दिन भी उपस्थित प्रतिभागियों को पीपीटी, प्रैक्टिकल एवं फील्ड विजिट कराया गया व उनके द्वारा किए गए कार्यों को मूल्यांकित भी किया गया।

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि राज्य के सभी 29,562 मतदान केंद्र के क्षेत्रों का जियो फेंसिंग कराने के लिए विभिन्न जिलों से आए 540 पदाधिकारियों एवं कर्मियों को 11 से 13 जून तक चलने वाले तीन दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। ये पदाधिकारी एवं कर्मी अपने जिलों में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए उनके मतदान केंद्र के क्षेत्रों का जियो फेंसिंग करने का कार्य करेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शुक्रवार को निर्वाचन सदन में आयोजित मतदान केंद्र के क्षेत्रों का जियो फेंसिंग से संबंधित प्रशिक्षण सत्र को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी, विभिन्न जिलों से आए उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं संबंधित जिलों के कर्मी उपस्थित रहे।

कनेक्टिंग फ्लाईओवर दो वर्षों में होगा पूरा

500 मीटर बचे काम से सड़कों पर लगता है जाम

मनोज मिश्रा

रांची। 500 मीटर बचे काम से सड़कों में जाम लग रहे हैं। कार्तिक उरांव फ्लाईओवर से दूसरे फ्लाईओवर के बीच ज्वाइंट फ्लाईओवर का निर्माण शुरू हो गया है। दोनों फ्लाईओवर को कनेक्ट करने वाली इस फ्लाईओवर का बजट 200 करोड़ रूपए का है और इसका निर्माण दो वर्षों में पूरा होगा। 500 मीटर के ज्वाइंट फ्लाईओवर में दस पीलर होंगे इसमें पाइलिंग का काम चल रहा है। पाइलिंग के काम ने सड़क में जाम लगे रहते हैं।

जाम लगने की सूचना पर यातायात एसपी कैलाश करमाली पहुंचे और यातायात को सुचारू किया। लोगों का कहना था कि ज्वाइंट फ्लाईओवर के शुरू हुए कार्य से जाम लगता है। इससे निजात पाने के लिए एसपी तक को बुला लिया गया। यातायात एसपी श्री करमाली ने जाम का निरीक्षण किया व कई निर्देश दिए। इस संबंध में यातायात एसपी ने कुछ सवाल पूछा गया।

सवाल: ज्वाइंट फ्लाईओवर पर ट्रैफिक की अलग व्यवस्था हो रही है ?

जवाब: जैसा है वैसा ही है।

अज्ञात रैयतों को नोटिस देकर चालू किए काम

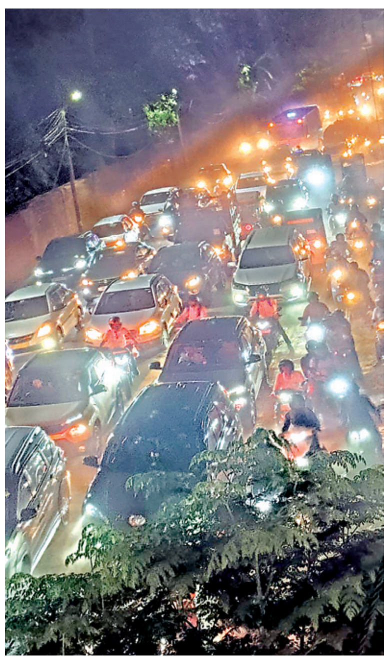

ज्वाइंट फ्लाईओवर की जरूरत नहीं : संजय मिनोचा

स्थानीय व्यवसायी संजय मिनोचा ने बताया कि ज्वाइंट फ्लाईओवर प्रोजेक्ट को जूडको और एलएनटी ने नकार दिया। किसी को समझ नहीं आ रहा कि ज्वाइंट फ्लाईओवर की जरूरत ही क्या है। इस ज्वाइंट फ्लाईओवर के निर्माण में साइड में भी पिलर दिए जाएंगे जिससे रैयतों की जमीन

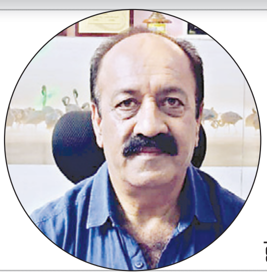

12 फीट तक ज्वाइंट फ्लाईओवर में जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने किस हड़बड़ी में कार्तिक उरांव फ्लाईओवर का उद्घाटन कर दिया जबकि काम पूरे नहीं हुए हैं। वहीं रैयतों को अज्ञात रैयत कहकर अखबारों में नोटिस जारी को जल्दबाजी में सरकार के द्वारा उठाया गया कदम बताया।

समाज कल्याण की योजनाओं की हुई समीक्षा

आंगनबाडी केंद्रों में बिजली कनेक्शन लगाने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाज कल्याण से सम्बंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। इसमें सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका के साथ आईसीडीएस से संबंधित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की गई। वहीं पोषण ट्रैकर एप्प पर योजनाओं से संबंधित निष्पादित कार्यों का ससमय इन्ट्री नहीं होने पर सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका को एक सप्ताह के अन्दर स्थिति में सुधार लाते हुए कार्य करने का निर्देश दिया गया। विभागीय कार्यों में निर्धारित अवधि में सुधार नहीं होने पर संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिया गया।

शो कॉज के बाद प्राप्त जवाब की हुई समीक्षा

पूर्व में 6 सीडीपीओ को शो कॉज़ करने के बाद उनसे प्राप्त जवाब की भी समीक्षा उपायुक्त द्वारा की गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सिर्फ एक सीडीपीओ द्वारा जवाब दिया गया है। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए उपायुक्त द्वारा 48 घंटे के भीतर जवाब नहीं दिए जाने पर अनुशासनहीनता के आधार पर प्रपत्र-क गठित करने का निर्देश डीएसडब्ल्यूओ को दिया गया। उपायुक्त द्वारा जिन आंगनवाड़ी केंद्र में बिजली नहीं लगा है, उन आंगनबाडी केंद्र में बिजली कनेक्शन लगाने का निर्देश बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को दिया गया।

उपायुक्त ने इंटर साइंस, कॉमर्स और ऑट्र्स टॉपर को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

जैक इंटरमीडिएट के साइंस, कॉमर्स और ऑट्र्स के जिला टॉपर को उनकी उपलब्धि पर जिला प्रशासन ने शुक्रवार को सम्मानित किया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने तीनों संकायों की जिला टॉपर रही छात्राओं को शॉल ओढ़ाकर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

मौके पर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी होनहार बेटियों से बारी-बारी से बात की। सभी से उन्होंने पूछा कि आगे क्या बनना चाहती हो। उपायुक्त ने जिला टॉपर्स से कहा कि आप सभी कड़ी मेहनत करें और जो भविष्य में जो बनने का इरादा है, उसे प्राप्त करें। उन्होंने जिला टॉपर्स के माता-पिता की विकट परिस्थितियों में भी अपने बच्चों को शिक्षित करने की मंशा की प्रशंसा की।

विश्व पर्यावरण दिवस-2025 पखवाड़ा का समापन

अर्पिता महिला मंडल ने किया पौधरोपण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने अर्पिता महिला मंडल के सहयोग से गांधी नगर स्थित कार्यकारी छात्रावास प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस-2025 पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष आयोजन की थीम था "एक पेड़ मां के नाम। इस अवसर पर सीसीएल परिवार के 250 से अधिक सदस्य कार्यक्रम में शामिल हुए। भवनात्मक जुड़ाव से प्रेरित इस अभियान के तहत 75 पौधे लगाए गए। वहीं 100 से अधिक पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को अपने घरों में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया गया। यह आयोजन 1 जून से चल रहे 'पर्यावरण जागरूकता पखवाड़ा' का समापन कार्यक्रम था। इस दिन कर्मचारियों के लिए क्विज प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्ष प्रीति सिंह ने किया। मौके पर उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सभी को प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कर अगली पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने फलों के बीजों के पुनः उपयोग कर प्राकृतिक बीज प्रसार को प्रोत्साहित करने की अपील की, और एकल-प्रयोग प्लास्टिक के उन्मूलन को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। अर्पिता महिला मंडल की उपाध्यक्ष रीता तिवारी, रूपा रानी और इंदु मिश्रा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने पर्यावरण संतुलन, महिला सहभागिता और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। "एक पेड़ मां के नाम" सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि धरती मां के प्रति श्रद्धा और पर्यावरण के लिए साझा जिम्मेदारी की एक सशक्त अभिव्यक्ति है। यह आयोजन सीसीएल द्वारा पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में किए जा रहे निरंतर प्रयासों की जीवंत मिसाल है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक : सर्राफ

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन की प्रांतीय प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने अहमदाबाद में एयर इंडिया की हुई विमान दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस पीड़ादायक और मन को विचलित करने वाली घटना ने देशवासियों को स्तब्ध कर दिया है। इस भीषण दुर्घटना में हुई सभी मृतकों के दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। वहीं इस हृदयविदारक हादसे में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है। इस कठिन घड़ी में हम शोकाकुल सभी परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें इस कठिन दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। वहीं सभी घायलों को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हो। हम आशा व्यक्त करते हैं कि सरकार व संबंधित एजेंसियां इस दुर्घटना की गहन जांच कर आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

मादक पदार्थों की रोकथाम के अभियान को लेकर हुई बैठक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

- **नशा मुक्ति को लेकर हस्ताक्षर अभियान का हुआ आयोजन**

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मादक पदार्थों के रोकथाम के लिए राज्यव्यापी अभियान के तहत् सभी हितकारकों के साथ भी बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने विभाग से प्राप्त तिथिवार कैलेण्डर के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित करते हुए प्रतिवेदन पोर्टल पर अपलोड करने का निदेश दिया गया। बैठक में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों/कर्मियों को नशामुक्ति से संबंधित शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि सभी जिम्मेवार नागरिक होने का फर्ज निभाएं और मादक पदार्थों से होनेवाली हानि के बारे में लोगों को बताते हुए नशामुक्ति के लिए जागरुक करें। जिला में मादक पदार्थों के रोकथाम हेतु 10से 26 जून 2025 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में समाहरणालय में भी आज हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया।

डांस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले आज

रांची। एक्वा वर्ल्ड के द्वारा पिछले 6 शनिवार से डांस प्रतियोगिता के एलिमिनेशन राउंड का आयोजन किया जा रहा था। एक्वा वर्ल्ड के कार्यकारी निदेशक लोकेश कुमार ने बताया कि अब इसी डांस रांची डांस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले शनिवार को शाम 5:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। पूरी डांस श्रृंखला का संयोजन दीपांजलि ग्रुप के विपुल नायक और देव ज्योति नाहा ने किया है। एक्वा वर्ल्ड में आयोजित किए जा रहे समर हॉलीडे श्रृंखला के तहत अंतिम कार्यक्रम 15 जून को शाम 5:30 बजे से 'फादर्स डे स्पेशल' होगा।

लाखों घर उजाड़ रहे, नशे के कारोबार पर आप भी लगा सकते हैं लगाम

एनसीबी के हेल्पलाइन नंबर 1933 पर या मानस पोर्टल पर करें शिकायत

काजल मेहता रांची। शहर में बढ़ रहे नशे के खिलाफ लगातार नारकोटिक्स और झारखंड पुलिस के द्वारा कई अभियान चलाए जा रहे हैं। जिसमें विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में नुक्कड़ नाटक करना सामाजिक जगहों पर आम लोगों के बीच जागरुकता अभियान चलाना शामिल है। लोग नारकोटिक्स में शिकायत भी कर सकते है। हालांकि शिकायतकर्ता कि पहचान गुप्त रखी जाएगी। नारकोटिक्स अधीक्षक शारिक उमर ने बताया कि किसी भी क्षेत्र में यदि ड्रग्स सप्लाई कि जानकारी किसी भी व्यक्ति को हो तो वे नारकोटिक्स को हेल्पलाइन नंबर 1933 पर दे सकते हैं या फिर मानस पोर्टल पर अपनी शिकायत लिख सकते हैं। इसके अलावा हरमू स्थित नारकोटिक्स के कार्यालय में जाकर लिखित शिकायत भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा देश भर में नारकोटिक्स का ऑफिस हैं जहां से नारकोटिक्स के खिलाफ कार्रवाई कि जाती है।

- **सेटेलाइट से निगरानी रख नशीले पदार्थों के फसल को किया जाता है नष्ट**

विद्यालयों व विश्वविद्यालयों में आयोजित किए जाते हैं नशे के खिलाफ कई कार्यक्रम

नारकोटिक्स अधीक्षक ने बताया आगामी 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस है। जिसके तैहत 2 हफ्ते का कार्यक्रम किया जा रहा है। जिसकी तैयारी और लोगों में जागरूकता फ़ैलाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसमे साइकलोथोन, बाइक रैली जैसे कई कार्यक्रम शामिल हैं। वहीं, मई महीने में सम्बंधित विभाग के अधिकारीयों को सीआईपी और रिनपास के अधिकारीयों के द्वारा ट्रेनिंग दिया गया। उन्होंने कहा इसके अलावा प्रति महीने विद्यालयों, विश्वविद्यलयों में 10 से 12 कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जिसका मकसद विद्यार्थियों को नशे से दूर रखना होता है। वहीं सामाजिक स्थलों पर भी कार्यक्रम किये जाते है। इसी के साथ सेटेलाईट से भी तस्वीरें देखकर मादक पदार्थों के फसल को नष्ट किया जाता है।

बीते वर्ष 5 बड़े मामलों का किया गया था खुलासा

बड़े स्मगलर्स का खुलासा करना नारकोटिक्स कि प्राथमिकता रही रहती है। हालांकि छोटे मोटे पैडलर्स कि जानकारी मिलने पर नारकोटिक्स विभाग के द्वारा पुलिस को दी जाती है। जिसपर नारकोटिक्स टास्क फ़ोर्स के द्वारा कार्रवाई कि जाती है। उन्होंने कहा साल 2023- 24 में नारकोटिक्स और राज्यस्तरीय एएनटीएफ और झारखंड पुलिस के योगदान से 5 बड़े मामलों का खुलासा हुआ है। जिसमें एक हजार किलो डोडा और 16 किलो अफीम कि बरामदगी शामिल है।

बच्चों की करें मॉनिटरिंग : नारकोटिक्स अधीक्षक

नारकोटिक्स अधीक्षक शारिक उमर ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चो को यदि ड्रग्स इत्यादि नशे से दूर रखना चाहते हैं तो वे अपने बच्चों के दोस्तों के ग्रुप को जाने उनकी गतिविधियों पर नजर रखे और साथ ही घर में उनके सामने किसी भी नशीले पदार्थ का सेवन ना करे।

आवसीय रंगमंच कार्यशाला का आयोजन

ग्रामीण प्रतिभाओं को रंगमंच की बारीकियों से अवगत कराया गया

रांची। सीएनआईएसबीएसएस एवं रंगदर्पण के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय आवसीय रंगमंच कार्यशाला का आयोजन एचपीडीसी में किया गया। इस कार्यशाला में सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों से आए लगभग 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को रंगमंच की बारीकियों से अवगत कराना एवं उनके अभिव्यक्ति कौशल को निखारना था। प्रतिभागियों को थिएटर की विभिन्न विधाओं की जानकारी दी गई, जिनमें अभिनय, स्वर प्रयोग, शारीरिक अभिव्यक्ति, तथा मंचीय अनुशासन शामिल थे। विशेष रूप से इम्प्रोवाइज़ेशन तकनीक का प्रयोग करते हुए प्रतिभागियों की बातों और अनुभवों को एक नाट्य प्रस्तुति का रूप दिया गया, जिसे कार्यशाला के समापन पर प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति में ग्रामीण जीवन, सामाजिक मुद्दों तथा युवाओं की भावनाओं की जीवंत झलक देखने को मिली।

कार्यशाला का सफल संचालन रंगदर्पण के अनुभवी रंगकर्मी अशोक गोप एवं हिमांशु कुमार द्वारा किया गया। दोनों प्रशिक्षकों ने थिएटर के माध्यम से सामाजिक बदलाव की दिशा में ऐसे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया और ग्रामीण युवाओं की कला के प्रति रुचि की सराहना की। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के रचनात्मक और जागरूकता-आधारित कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता जताई।

मांडर कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है : शिल्पी नेहा तिर्की

- बंधु तिर्की ने अपने संघर्षों को बताते हुए बच्चों को प्रेरित किया

नवीन मेल संवाददाता

मांडर। मांडर कॉलेज परिसर में शुक्रवार को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मांडर कॉलेज परिसर में 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण विभिन्न स्कूलों के करीब 300 मेधावी छात्रों को ये सम्मान मिला। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की के हाथों विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की उपस्थित हुए। मौके पर बोलते हुए शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि छात्र जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है। अभी समय है मन लगाकर पढ़ने का। जीवन में बहुत सारी बाधाएं आएंगे लेकिन उनका मुकाबला डटकर करना है। पढ़ाई पर फोकस करना है। श्रीमती तिर्की ने कहा कि साल 2005 में पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर अंक लाकर उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए प्रतिभा सम्मान की शुरुआत की थी। आज साल दर साल सम्मान पाने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हो रहा है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो कड़ी मेहनत लगन और लक्ष्य को पाने की जिद से सफलता हासिल की जा सकती है। इसका ताजा उदाहरण दिहाड़ी मजदूर की बेटी से लेकर खोमचा वाले परिवार के बेटा बेटी के नाम शामिल है। बंधु तिर्की ने अपने संघर्षों को बतलाते हुए बच्चों को प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि मांडर को शिक्षा का हब बनाना है। इसके लिए बहुत सारी योजनाएं लाई जाएगी। बंधु तिर्की ने कहा कि ग्रामीण छात्रों के लिए ग्रामीण प्रतिभा परीक्षा का आयोजन करने की योजना है । ये स्कूल स्तर पर आयोजित होगा। जिसमें दो तरह की परीक्षा प्रखंड स्तर पर आयोजित होगी। ऐसे छात्रों की शिक्षा का खर्च वहन किया जाएगा। ग्रामीण प्रतिभा परीक्षा के सफल छात्रों को हवाई जहाज से एजुकेशन टूर भी कराया जाएगा। धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज के प्राचार्य कुमार ए एन शाहदेव ने किया। मैट्रिक की परीक्षा में मांडर प्रखंड में प्रथम स्थान प्रभात कुमार केसरी, द्वितीय स्थान जया कुमारी, तृतीय स्थान मोहित उरांव को, वहीं इंटर की परीक्षा में विज्ञान संकाय में मांडर प्रखंड में प्रथम सलोनी कुमारी , द्वितीय रेहान अंसारी और तृतीय रोहित उरांव को सम्मानित किया गया। जबकि वाणिज्य संकाय में मांडर प्रखंड में प्रथम ईशा किंडो , द्वितीय फरहा अंजुम और पृथ्वी कुमार साहू , तृतीय अभिजीत मुंडा मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सम्मानित किया। सम्मान समारोह में मांडर कॉलेज प्राचार्य ए एन शाहदेव , बीडीओ चंचला कुमारी, मंगा उरांव, मोजिबुल्ला, नसीम अंसारी, होसे उरांव, उत्तम शाही सहित स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

रक्तदान शिविर आज

सिल्ली/मुरी। सिंगपुर नर्सिंग होम आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान शिविर में विशेष रूप से केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी उपस्थित रहेंगे। रक्तदान कार्यक्रम को लेकर सिंगपुर नर्सिंग होम के निदेशक डॉक्टर रमणेश प्रसाद ने कहा कि यह पहल समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों की मदद करने के उद्देश्य से की जा रही है एवं सभी जागरूक नागरिकों से रक्तदान कर किसी के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की है।

किसानों के बीच मूंगफली बीज का वितरण

ठाकुरगांव। शुक्रवार को बुढ़मू प्रखंड के बरौदी व लवागड़ा गांव में 30 किसानों के बीच निःशुल्क मूंगफली बीज का वितरण किया गया। वितरण डॉ ओपी शर्मा,उपमुखिया शिवकुमार मुंडा ने किया। मूंगफली बीज आईसीएआर अटारी के सहयोग से वितरण कियागया। मौके पर डॉ ओपी शर्मा ने किसानों को वैज्ञानिक विधि से मूंगफली करने का प्रशिक्षण भी दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि बुढ़मू व चान्हो प्रखंड में 13 हेक्टेयर में वैज्ञानिक तरीके से मूंगफली की खेती कराई जायेगी। मौके पर छुन्नूलाल महतो,अखिलेश महतो,बलराम महतो,बसंत मुंडा समेत अन्य किसान मौजूद थे।

कुंजियामबा में लोन रिकवरी एजेंट से लूट

अड़की। अड़की के कुंजियामबा पुरनानगर सड़क पर अज्ञात अपराधियों ने लोन रिकवरी एजेंट शोएब अंसारी से हथियार का भय दिखाकर 35 हजार रुपए, मोबाइल, टैब और मोटरसाइकिल की चाबी लूट ली। पीड़ित कांके निवासी शोएब अंसारी ने बताया कि वह आरबीएल फाइनेंस कंपनी के एजेंट हैं। ऋण का पैसा कलेक्शन करने कुंजियामबा गए थे। करीब 11 बजे के आसपास वापस पुरनानगर की ओर जाते समय 8 अज्ञात अपराधियों ने पिस्टल और धारदार हथियार दिखाकर लूट की घटना को अंजाम दिया। घटना घटित होने के बाद पीड़ित भाग कर पूरनानगर पहुंचा जिसके बाद घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों की मदद से घटना की सूचना अड़की थाना प्रभारी को दिया।घटना की सूचना मिलते ही अड़की पुलिस दल-बल के साथ घटना स्थल पर पहुंची और छापेमारी के लिए नाकेबंदी कर अपराधियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है।

डीएसआर क्रिकेट एकेडमी का हुआ उद्घाटन

रांची। जयपाल सिंह स्टेडियम में डीएसआर क्रिकेट एकेडमी का आदित्य विक्रम जायसवाल ने उद्घाटन किया। साथ ही रांची जिला क्रिकेट संघ के कार्यकारणी सदस्य मुज्जफर अली एवं रांची जिला क्रिकेट संघ के सहायक सचिव सुनील पाल उद्घाटन समारोह में मौजूद थे। एकेडमी के संरक्षक सागर वर्मा एवं संचालक शिवराम ,शिवानंद, विकास कुमार झा ,कमल वर्मा,मोहित कुमार, पंकज कुमार यादव,भगत अक्षय आदि मौजूद थे।

शिवसेना ने विमान दुर्घटना में मृत लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की

बेड़ो। शिवसेना के राज्य प्रमुख दीपक सिंह एवं उप प्रमुख संदीप मुखर्जी ने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया एवं शोक संवेदना जताई। वहीं दूसरी ओर शिवसेना के द्वारा रांची महानगर के अल्बर्ट एक्का चौक पर अहमदाबाद मे हुए विमान हादसे मे मारे गए दिव्य आत्मा की शांति के लिए सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान शिवसेना के रोनित कुमार ने कहा कि अहमदाबाद विमान हादसा पर किसी भी शब्द के द्वारा बयान नहीं दिया जा सकता है। जिन लोगों ने अपने परिवार को खोया है भगवान उन्हें संभलने की शक्ति दे। मौके पर शिवसेना के राज्य उपप्रमुख संदीप मुख़र्जी, पवन सोनी, मंगल सिंह, रौनक सिंह, अभिजीत सिंह, चन्दन पाण्डेय, आयुष झां, दीपक मिश्रा, मंजीत सिंह, अंकुश भारद्वाज, नितेश यादव, अक्की, निखिल साहू, विशाल पंडित, कौशिक साहू, अनिकेत राज, रोशन साहू, आर्यन, आयुष एवं अन्य शिवसैनिक उपस्थित थे।

बोड़ेया में लोटन सेवा के साथ मंडा पूजा शुरू

पिठौरिया। कांके बोड़ेया मंडा पूजा समिति अरसण्डे के तत्वाधान में बोड़ेया में गुरुवार को वार्षिक मंडा पूजा धार्मिक अनुष्ठान लोटन सेवा के साथ शुरू हो गया। इसमें पुरूष भोक्ता और महिला सोगताइन बड़ी संख्या में शामिल हुए। वहीं धार्मिक अनुष्ठान पुजारी अनिल गोसाई व पाठ भोक्ता सोनु नायक की अगुवाई में किया गया। शुक्रवार के दिन फुलखुंदी एवं छऊ नृत्य का आयोजन किया गया। फूलखुंदी आयोजन में शिवभक्त दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर अपनी भक्ति और शक्ति का परिचय दिया। इस आयोजन में मंडा पूजा समिति के अध्यक्ष दिनेश साहु, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश साहु, सचिव नितेश गाड़ी, कोषाध्यक्ष सतीश साहु ,उमाशंकर, अमित टोप्पो, रविन्दर, निर्मल सहित अन्य सदस्यगण शामिल हुए.वहीं शनिवार को शिव मंदिर मंडा टांड में झूलन मेला एवं बोड़ेया चैक में सांस्कृतिक व भक्ति जागरण का आयोजन किया जाएगा।

एचईसी कर्मियों के साथ अन्याय कर रही प्रबंधन : लीलाधर

रांची। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के महामंत्री और इंटक के राष्ट्रीय संगठन सचिव लीलाधर सिंह ने कहा कि एक तो कर्मियों को वेतन के साथ वीपीएफ भुगतान नहीं हुआ है। उपर से प्रबंधन की गलत नीतियों से कर्मियों को काफी नुकसान पहुंचाया जा रहा। यह एचईसी कर्मियों के साथ सरासर अन्याय है। लीलाधर शुक्रवार को एचइसी परिसर में बोल रहे थे। उन्होंने एचईसी प्रबंधन की ओर से जारी कार्मिक विभाग के परिपत्र के अनुसार स्वैच्छिक भविष्य निधि की वापसी के आदेश के बावजूद वित्त और कार्मिक विभाग की ओर से इसकी अवहेलना करने नाराजगी जताई।

वॉलीबाल मीडिया कप आज से

रांची। 14 से 15 जून तक वॉलीबाल मीडिया कप 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसका आयोजन रांची विश्वविद्यालय वॉलीबाल ग्राउंड में सुबह छह से 10 बजे तक किया जाएगा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 15 जून को 7 बजे से खेला जाएगा।

बेसहारा बच्चों को मिलेगा उनका अधिकार : रवि

पंचम रॉस्टर में बुंडू व तमाड़ प्रखंड को शामिल किया गया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बुंडू ब्लॉक में साथी अभियान के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के निराश्रित बच्चों के चिन्हितीकरण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंचम कड़ी में बुंडू व सोनाहतू प्रखंड को शामिल कर बुंडू ब्लॉक में एकदिवसीय कार्यशाला-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने कहा कि निराश्रित, गरीब व असहाय बच्चे, जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है, उन्हें चिन्हित कर समाज में उनका अलगआधार- पहचान बनाना ही साथी अभियान का उद्देश्य है। नालसा द्वारा संचालित साथी अभियान झालसा के निर्देश पर सभी प्रखंडों में चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य निराश्रित बच्चों को उनके अधिकार दिलाना है। इस तरह का कार्यक्रम आगे भी झालसा के निर्देश पर किया जाएगा। प्रखंड के सभी पीएलवी को निर्देश दिया गया है कि वे गांवो, कस्बो व मुहल्लों से निराश्रित व बेसाहारा बच्चों को चिन्हित कर उन्हे सरकार द्वारा चलाए जा रहे लाभकारी योजनाओं से जोड़े, इससे बच्चों का आधार-पहचान बनेगा। एलएडीसी डिप्टी राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि साथी अभियान के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के बेघर, निराश्रित अनाथ बच्चे जो समाज के मुख्यधारा से अलग हो गए, उन्हें चिन्हित कर उनके अधिकारों जैसे शिक्षा संबंधी, स्वास्थ्य संबंधी, रहने का अधिकार दिलाने का काम डालसा के द्वारा किया जा रहा है। वैसे बच्चे जिनका आधार नहीं बना है, उन बच्चों को आधार कार्ड बनाया जा रहा है, आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। अनाथ बच्चों को डालसा के द्वारा चिन्हित किया जा रहा है, उन्हें मदद पहुंचाने का काम डालसा के द्वारा किया जा रहा है। निराश्रित बच्चों को समाज के मुख्यधारा में लाने के लिए उन्हें सरकार द्वारा दिए जानेवाली लाभकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा। कार्यक्रम में डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर, एलएडीसी डिप्टीराजेश कुमार सिन्हा, बुंडू प्रखंड के बीडीओ सावित्री कुमारी, बुंडू प्रखंड के सीओ हंस हेम्ब्रम, पंचायतों से आये मुखिया, संध्या कुमारी, बिमला देवी, प्रदूमन प्रमाणिक, दिनेश मुंडा, सोएब अंसारी, तमाड़ प्रखंड के पीएलवी अनिमा मल्लिक, पूजा कुमारी, प्रवीण कुमार मुंडा, महावीर मुंडा, राजा वर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

मेगा छापेमारी में पांच अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

पिठौरिया। राजधानी रांची के 25 थाना क्षेत्र में छापेमारी कर फरार चल रहे 121 वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने रांची जिले के ग्रामीण क्षेत्र के 25 थाना क्षेत्र में 12 जून से लेकर 13 जून तक अभियान चलाया। पिठौरिया थाना से जिन पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत गया है। अभियुक्तों में वसीम अंसारी पिता अब्दुल रहमान उर्फ रहमान अंसारी, आलम अंसारी उर्फ मोहम्मद इमरान आलम पिता अब्दुल अजीज अंसारी दोनों सा. ओयना, जुबेर अंसारी पिता मुस्लिम अंसारी सा.कोकदोरो,दीपक साहू पिता जगन साहू सा. काटमकुली व अशोक सिंह पिता स्वर्गीय हरिलाल सिंह सा. कुम्हारिया सभी थाना पिठौरिया जिला रांची को अलग अलग मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पिठौरिया थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि आगे भी अभियान जारी रहेगी। इस अभियान को लेकर कुल 60 टीम बनाया गया, जिसमें 216 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे. इन टीमों के द्वारा 181 ठिकानों पर छापेमारी कर 121 वारंटी को पकड़ कर जेल भेजा गया। यह कार्रवाई रांची में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण पाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आठ माह से खराब ट्रांसफार्मर को बदला गया

- शिल्पी नेहा तिर्की के प्रयास से लगा नया ट्रांसफार्मर

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। विद्युत आपूर्ति में सुधार और विद्युत के संदर्भ में समस्याओं का समाधान माननीय कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री की प्राथमिकता में है। उन्होंने मामलों को गंभीरता से लेते हुए आठ महीने से खराब पावर ट्रांसफार्मर को तुरंत बदलने का आश्वासन दिया था।

आज गांव फिर से रोशन हो रहा है । इससे ग्रामीणों में खुशी की लहर है। उक्त बातें विधायक प्रतिनिधि एवं युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक ने कही। विधायक प्रतिनिधि एवं युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक ने 25 केवीए के नए पावर ट्रांसफार्मर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उल्लेखनीय है कि लापुंग प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम गाड़ा लोधमा के मन्हा टोंगरी मिशन स्कूल के पास पिछले 8 महीनों से खराब पड़े पावर ट्रांसफार्मर को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की जी के पहल पर बदलकर 25 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया ।

कान्हा शांति वनम में शामिल हुए झारखंड के प्रतिनिधि

रांची। तेलंगाना प्रांत के भाग्यनगर के कान्हा शांति वनम में आयोजित किया गया है। यह तीन दिवसीय 13से 15 जून तक चलेगा। भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय प्रांत प्रमुख बैठक में भारतीय शिक्षण मंडल के झारखंड प्रांत के अध्यक्ष डॉ रणजीत कुमार मिश्रा, प्रांत मंत्री डॉ सुबास साहु, महिला गतिविधि प्रमुख डॉ सपना त्रिपाठी एवं कोष प्रमुख डॉ राहुल कुमार ने शामिल होकर झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व किया ।

13 वारंटियों को गिरफ्तार करने में पुलिस को मिली सफलता

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो, लापुंग, नरकोपी एवं इटकी सहित अन्य थाना क्षेत्र में अपराधियों पर लगाम कसने के उद्देश्य से वरीय आरक्षी अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा के दिशा निर्देश पर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में जिले के पूरे ग्रामीण क्षेत्र में समकालीन छापामारी अभियान चलाया गया। बेड़ो पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार राम के नेतृत्व में बेडो.लापुंग नरकोपी एवं इटकी थाना क्षेत्र में पुलिस ने सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान फरार वारंटियों जिनमें स्थायी रेड वारंट भी शामिल हैं के तहत कुल 13 वारंटियों को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। वहीं 41 वारंट का निष्पादन किया गया। इस संदर्भ में बेड़ो पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार राम ने प्रेस वार्ता कर बताया कि बेड़ो थाना क्षेत्र में पांच वारंटियों क्रमशः केशा निवासी कोनेन राय, सगीर राय, चचकोपी निवासी तहमीद मल्लिक, नरकोपी पुलिस ने कुल दो वारंटियों विनय बगीचा बेडो. निवासी दिलीप उरांव तथा तुको अम्बाटोली निवासी सनी उरांव को गिरफ्तार किया। वहीं लापुंग थाना क्षेत्र में एक स्थायी वारंटी पबीरा निवासी जेम्स मुंडा को गिरफ्तार किया गया। जबकि नरकोपी थाना क्षेत्र में टंगराटोली निवासी सरफराज अंसारी पिता हुसैन अंसारी जिसके ऊपर पोक्सो का केस दर्ज है और दुसरा इसी गांव के सनीज अंसारी पिता हुसैन अंसारी को गिरफ्तार किया गया जिसके उपर सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज है।

सर्व सहमति सर्वसमाज की बैठक में जमीन का गतिरोध हुआ खत्म

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खलारी भी बनेगा, मुहर्रम का मेला भी लगेगा

- सीओ प्रणव अंबष्ठ ने स्पष्ट कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर विरोध जारी रहा, तो सीएचसी का प्रस्ताव मैक्लुस्कीगंज स्थानांतरित कर दिया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

बैठक में ये लोग थे मौजूद

विधायक प्रतिनिधि मोनु रजक, रंजन सिंह बिट्टू, विक्की सिंह, भोला यादव, नागदेव सिंह, रामसुरत यादव, बीरू सिंह, देवेन्द्र गुप्ता, रतिया गंझू, विकास सिंह, इकबाल खान, जुबैर अंसारी, जाहिद अंसारी, अशोक राम, जहीर अंसारी, कलीम रिजवी, अनिल पासवान, जसीम अंसारी, अशोक कुमार वर्मा, कुलदीप लोहार, रविशंकर सिंह, सरोज चौधरी, ममता देवी, शीला देवी, काजल देवी, कौशल्या देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष मौजूद थे।

खलारी। प्रस्तावित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के लिए चिन्हित भूमि को लेकर खलारी में चल रहा गतिरोध शुक्रवार को सर्वसमाज की बैठक में सुलझा लिया गया। खलारी प्रखंड कार्यालय सभागार में आयोजित इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी और विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आपसी सहमति बनी कि सीएचसी का निर्माण पूर्व निर्धारित स्थल पर ही होगा और मुहर्रम का मेला भी पूर्ववत जारी रहेगा। इससे पहले बुधवार को जब विभागीय अभियंताओं द्वारा भूमि की मापी और मिट्टी की जांच की गई थी, तब सेंट्रल मुहर्रम कमेटी ने चिन्हित भूमि पर आपत्ति दर्ज की थी, जिससे अस्पताल निर्माण को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन गई थी।

इस मसले को सुलझाने के लिए वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी राजनसिंह राजा ने पहल की और मुस्लिम समुदाय समेत अन्य पक्षों के साथ लगातार संवाद कर समाधान का मार्ग प्रशस्त किया। अंततः शुक्रवार को सीओ प्रणव अंबस्ट और सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के मो. अब्बास की संयुक्त अध्यक्षता में खलारी प्रखंड सभागार में सर्वसमाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खलारी डीएसपी आरएन चौधरी, बीडीओ संतोष कुमार, थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो, पीएचसी प्रभारी डा इरशाद, जिप सदस्य सरस्वती देवी, राजनसिंह राजा, तथा विभिन्न पंचायतों के मुखिया व बुद्धिजीवी शामिल हुए। सीओ प्रणव अंबस्ट ने स्पष्ट कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर विरोध जारी रहा, तो सीएचसी का प्रस्ताव मैक्लुस्कीगंज स्थानांतरित कर दिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए वैकल्पिक भूमि का निरीक्षण भी कर लिया है।

अवैध शराब से लदी गाड़ी जब्त, चालक गिरफ्तार

बरही। अवैध शराब से लदा सफेद रंग की महिंद्रा मराजो संख्या डब्लूबी 30 एएन 7614 को पुलिस ने जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है. वाहन हजारीबाग से गया (बिहार) की ओर जा रही थी. इसी क्रम में सूचना मिलते ही पुलिस ने वाहन को देवचन्दा मोड़ के पास जांच के लिए रोका. इस दौरान मराजो वाहन की पिछली सीट और डिक्की में प्लास्टिक की थैलियों में छिपाकर रखी गई अवैध विदेशी शराब की भारी खेप पाई गई. जिसे जब्त कर चालक सहित वाहन को थाना लाया गया. वाहन में ब्लेंडर्स प्राइड 750 एमएल 24 बोतल, रॉयल चैलेंज 90 बोतल और रॉयल चैलेंज 375 एमएल के 190 बोतल पाए गए. जिसे विधिवत जब्त किया गया. वाहन मालिक व अन्य तस्कर सहित चालक के खिलाफ अवैध शराब तस्करी का मामला दर्ज कर चालक कृष्णा कुमार (उम्र करीब 42 वर्ष) पिता स्व. प्रभु महतो, ग्राम रामदयालु नगर गोबरशही, थाना सदर, जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

बरकट्ठा प्रखंड कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष बने प्रदीप कुमार प्रसाद

बरकट्ठा। कांग्रेस पार्टी के प्रति निष्ठा और सक्रियता को देखते हुए जिला कांग्रेस कमिटी, हजारीबाग के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश तथा हजारीबाग के जिला पर्यवेक्षक जलेश्वर महतो को संज्ञान में देते हुए ग्राम पेसरा निवासी प्रदीप कुमार प्रसाद को प्रखंड कांग्रेस कमिटी बरकट्ठा का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया है । जिला अध्यक्ष ने आशा व्यक्त कि है की मनोनयन पत्र प्रति के साथ ही आप पूरी इमानदारी और लगन के साथ कांग्रेस पार्टी के सिद्धान्तों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे । उक्त जानकारी मीडिया विभाग के जिला अध्यक्ष निसार खान ने दी ।

अवैध हथियार के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस को अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करने में अहम सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र अंतर्गत चिश्तिया मोहल्ला में छापेमारी कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद ने किया। पुलिस टीम ने चिश्तिया मोहल्ला से मुख्य अभियुक्त बिट्टू उर्फ मोहम्मद अशरफ खान को दबोचा, जो जैन मंदिर गली का निवासी है। उसके पास से जिंदा गोली बरामद की गई। पूछताछ के दौरान अशरफ ने बताया कि वह हथियारों की सप्लाई रामगढ़ निवासी मोहम्मद आरिफ खान उर्फ शेरु को करता था जो श्रीवास्तव ग्रुप से जुड़ा हुआ है। अशरफ की निशानदेही पर झाड़ियों से एक झोले में छिपाकर रखे गए देशी पिस्टल और इसके विभिन्न पुर्जे बरामद किए गए। इसके साथ ही पुलिस ने शेरु के रामगढ़ स्थित गोलपार आवास पर भी छापेमारी की, जहां से 1 लाख 40 हजार रुपये नकद और एक डायरी बरामद हुई। डायरी में श्रीवास्तव ग्रुप के लेन-देन और बैंक खाता संबंधी जानकारी दर्ज पाई गई। पुलिस ने दोनों के पास से कुल 3 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 2 जिंदा गोली, 2 ट्रिगर, 4 पिस्टल मैगजीन, 2 पिस्टल बॉडी, हथियार बनाने के उपकरण और बैंक की रसीदें भी बरामद की हैं। हजारीबाग पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध हथियार तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है।

टायर फटने से एक ही परिवार के पांच लोग घायल, तीन रेफर

बरही। एनएच-33 स्थित कदवा के पास एक बोलेरो का टायर फटने से एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बोलेरो सवार करियातपुर के गडलाही से एक नवजात का इलाज कराने हजारीबाग जा रहे थे. कदवा पहुंचते ही अचानक टायर ब्लास्ट कर गया जिससे वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए. इस दुर्घटना में मुनेजा खातून (40 वर्ष) पति मुस्तकीम अंसारी ढाब चंदवारा निवासी, अजमत अली (30 वर्ष) पिता अब्दुल अजीज एवं सबाना खातून (50 वर्ष) पति अब्दुल अजीज दोनों गड़लाही घायल हो गए हैं। पुलिस की मदद से घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक ईलाज के बाद इन तीनों घायलों को हजारीबाग रेफर कर दिया गया. इस दुर्घटना में नवजात और मां पूरी तरह सुरक्षित है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टायर फटने का मुख्य कारण कमजोर टायर व अत्यधिक गर्मी बताई जा रही है।

12वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में श्रीदस के छात्र ने जीता कांस्य पदक

बरही। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 12वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप प्रतियोगिता ने श्रीद्स का विद्यार्थी राजा ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय व क्षेत्र सहित राज्य को गौरवान्वित किया है। उक्त जानकारी प्राचार्य रोहित सिंह ने देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में उनके विद्यालय से तीन छात्र विभिन्न खेल के लिए शामिल हुए है. प्रतियोगिता में कुल 14 खेल शामिल है। राजा की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार हर्षित और गौरवान्वित है। प्राचार्य ने इसे अन्य बच्चों के लिएं प्रेरणादायक उपलब्धि बताते हुए विजेता छात्र को भविष्य में और बेहतर करने की शुभकामनाएं दिया। उन्होंने कहा कि हमारे छात्र न केवल शिक्षा में बल्कि खेलों में भी उत्कृष्टता की मिसाल पेश कर रहे हैं। अन्य विद्यार्थियों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा की लगन और परिश्रम से हर कठिन लक्ष्य हासिल किया जा सकते हैं।

नशे के विरुद्ध महिला मंडल ने चलाया जागरूकता रैली अभियान

बरही। जिले में नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान जोरो पर है. इसी के तहत शुक्रवार को बरही प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में क्लस्टर क्लस्टर लेवल फेडरेशन के तहत जेएसएलपीएस के सखी मंडल की ओर से जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान रैली निकाले गए और नशापान के खिलाफ संकल्प लिया गया। इसी क्रम में खोड़ाहर, बरसोत, बेंदगी और विजय में जागरूकता अभियान चलाया गया। सखी मंडल की दीदीओं ने रैली निकाली और लोगों से नशा से दूर रहने का अपील किया।

खिरगांव में फूटा पानी-बिजली संकट का गुस्सा, सड़क पर उतरे सैकड़ों लोग

गर्मी से त्रस्त जनता ने खिरगांव कब्रिस्तान चौक पर किया चक्काजाम

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग । शहर में लगातार बढ़ रही बिजली और पानी की समस्या को लेकर आम जनता का गुस्सा शुक्रवार को सड़कों पर फूट पड़ा। खिरगांव क्षेत्र के कब्रिस्तान चौक पर सुबह 7 बजे से लेकर 11 बजे तक स्थानीय नागरिकों ने शांति समिति सदस्य मो. यासीन अंसारी के नेतृत्व में जबरदस्त प्रदर्शन किया और मुख्य सड़क को जाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कई दिनों से क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बाधित है और पानी की भी कोई व्यवस्था नहीं है। इससे भीषण गर्मी में आम जनजीवन बेहाल हो चुका है। लोगों ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक स्थायी समाधान नहीं मिलता, आंदोलन जारी रहेगा।

जनप्रतिनिधियों ने भी जताई नाराजगी

इस मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों ने भी प्रशासन की लापरवाही पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, विधायक प्रदीप प्रसाद, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी और कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने बिजली कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से जवाब-तलब किया और व्यवस्था में सुधार की चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे भी जनता के साथ सड़कों पर उतरेंगे। वही प्रदर्शनकारियों ने कहां की 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और नियमित पेयजल की व्यवस्था बहाल की जाए। बीते मंगलवार को बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार उपाध्याय ने प्रेस वार्ता में कहा था कि 12 जून की रात से ग्रामीण क्षेत्र में 16–17 घंटे और शहरी क्षेत्र में 20–22 घंटे बिजली दी जाएगी। वहीं, सदर सीओ मयंक भूषण ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को 12 घंटे में समस्या समाधान का भरोसा दिया और सड़क निर्माण की प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करने की बात कही।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री सहित विमान यात्रियों के असामयिक निधन पर विधायक ने जताया शोक

बरही । अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सहित विमान यात्रियों के असामयिक निधन से बरही विधायक मनोज कुमार यादव मर्माहत व स्तब्ध हैं। मृतकों के प्रति गहरा शोक प्रकट करते हुए उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगल रूपाणी को एक सरल, सहज और परोपकारी व्यक्तित्व का धनी व्यक्ति बताया। अपनी श्रद्धांजलि प्रकट करते हुए विधाता से मृतकों की आत्मा शांति के लिए प्रार्थना किया। अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी सहानुभूति जताई है। विधायक श्री यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने स्वयं घटना स्थल का निरीक्षण कर हादसे पर शोक प्रकट किया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह एक अत्यंत गंभीर और दुखद घटना है। यह घटना देश के लिए एक बड़ी क्षति है, जिसे लंबे समय तक याद किया जाएगा।

घटना के 20 दिन बाद पीड़िता ने दिया आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

बरही । करसो की एक महिला ने करीब 20 दिन बाद अपने साथ घटित आपबीती की लिखित शिकायत 13 जून को बरही थाना में किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी के निर्देश पर थाना में कांड संख्या 209/25 दर्ज किया जा चुका है. दर्ज प्राथमिकी के अनुसार बीते 23 मई को पीड़िता अपने खेत में थी। इसी दौरान हजारीबाग न्यायालय पार्टीशन सूट संख्या 102/23 के मुदालय (विधवा मां और दो बेटे) को पीड़िता की जमीन पर बुनियाद खोदने लगे। जिसे मना करने पर पीड़िता को जबरन गलत नियत से खेत में सुनसान की ओर ले जाने का प्रयास किया गया। इस दौरान मारपीट और दौरान बदसलूकी भी किया गया साथ ही गले में पहनी हुई चांदी का सिकड़ी भी छीन लिया गया। पीड़िता के चिल्लाने के बाद कुछ लोग पहुंचे और बचाने का काम किया। हो हल्ला सुनकर आरोपी सभी फरार हो गए। घटना के करीब 20 दिन बाद पीड़िता ने बरही थाना को लिखित सूचना दिया। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी ने विधवा मां सहित दोनो बेटे पर मामला दर्ज कर अनुसंधान के लिए आईओ प्रतिनियुक्त कर दिया है।

भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में अपराधियों ने की फायरिंग

- **लिफ्टर ऑफिस को बनाया निशाना, जांच में जुटी पुलिस**

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। भदानीनगर ओपी क्षेत्र के भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में शुक्रवार की सुबह 8:10 बजे के आसपास अपराधियों ने दिनदहाड़े गोलीबारी कर दहशत फैलाने का प्रयास किया । बाइक पर सवार दो नकाबपोश अपराधियों ने लिफ्टर ऑफिस पर पांच गोलियां चलाई और भाग निकले। घटना में कोई हताहत नही हुआ। इसकी जानकारी मिलने पर भदानीनगर ओपी प्रभारी ब्रह्मव्रत कुमार दल-बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर जांच में जुट गए । पुलिस ने घटना स्थल से पांच खोखा बरामद किया है । बताया जाता है कि सुबह 8.10 बजे ग्लैमर बाइक पर सवार दो नकाबपोश अपराधी रामगढ़-पतरातू फोरलेन के किनारे स्थित रेलवे साइडिंग के मेन गेट तक पहुंचे। एक अपराधी बाइक से उतरकर पिस्टल लेकर लिफ्टर ऑफिस के पास आया और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। उस समय कार्यालय में लोडिंग अनलोडिंग का कार्य देखने वाले भोला यादव, चंदन बनर्जी, बालेश्वर करमाली, संजय बेदिया सहित आसपास में कई कर्मचारी व मजदूर मौजूद थे। गोली चलते ही ऑफिस में बैठे लोग भाग कर अपनी जान बचाई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। फायरिंग के बाद दोनों अपराधी बाइक में सवार होकर 48 यूनिट होते हुए पटेलनगर की ओर भाग निकले। भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में दिनदहाड़े हुई फायरिंग की यह घटना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। अपराधियों का इस कदर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देना चिंताजनक है। पुलिस को इस मामले में शीघ्र खुलासा करना होगा, वहीं प्रशासन को भी इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस मामले की छानबीन जुटी है।

बाल श्रम निषेध दिवस पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम चामुदोहर स्थित मध्य विद्यालय में संस्था मानव विकास के द्वारा एकदिवसीय "बाल श्रम निषेध दिवस" को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस निमित्त आसपास के दर्जनों बच्चे व अभिभावक उपस्थित हुए।इस दौरान कार्यक्रम समन्वयक रॉबिन कुमार ने बताया कि हर साल 12 जून को "बाल श्रम निषेध दिवस" मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों से काम करवाने की प्रथा के खिलाफ जागरूकता फैलाना है। साथ ही साथ उन्हें शिक्षा, खेल व बचपन का अधिकार दिलाना है। बताया कि आजकल गांव में आर्थिक स्थिति सही न होने के वजह से बच्चे कम उम्र में ही बाहर कमाने चले जाते है । वहां के परिवेश में सही से ढल नहीं पाते जिसके वजह से बच्चों का स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है । इस तरह से रोजगार पर भी प्रभाव पड़ता है। इसमें अभिभावक का जवाबदेही है कि बच्चों को कम उम्र में बाहर जाने न दे ताकि वे घर में रह कर अपने पढ़ाई कर सके और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने लालू प्रसाद यादव को जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

बरकट्ठा। बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, एवं पूर्व मुख्यमंत्री बिहार, लालू प्रसाद यादव से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री यादव ने लालू प्रसाद के दीर्घायु, स्वस्थ और सक्रिय जीवन की कामना करते हुए कहा कि वे सदैव गरीब, दलित, पिछड़ों एवं वंचितों की आवाज बनकर समाज को दिशा दिखाते रहे है। उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इसके उपरांत श्री यादव ने पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव से उनके पटना आवास पर औपचारिक मुलाकात की।

पुलिस केंद्र में पुलिस सभा का हुआ आयोजन

पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने रखी अपनी समस्या

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। 13 जून को एसपी रामगढ़ अजय कुमार द्वारा पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों के कल्याण कार्य के लिए पुलिस केन्द्र रामगढ़ में पुलिस सभा का आयोजन किया गया। सभा का संचालन परिचारी प्रवर पुलिस केन्द्र रामगढ़ द्वारा पुलिस अधीक्षक रामगढ़ की अध्यक्षता में किया गया। पुलिस सभा में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पतरातू / रामगढ़, पुलिस उपाधीक्षक (मु०), रामगढ़, परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक, सभी पुलिस निरीक्षक, पुलिस अवर निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक, हवलदार, आरक्षी एवं चतुर्थवर्गीय कर्मी तथा पुलिस एसोसिएशन शाखा रामगढ़/पुलिस मेन्स एसोसिएशन शाखा रामगढ़ के पदाधिकारीगण उपस्थित हुए।

पुलिस सभा में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों-कर्मियों एवं एसोसिएशन द्वारा अपने-पुलिस कर्मियों से संबंधित समस्याओं को एक-एक कर एसपी रामगढ़ के समक्ष रखा गया। जिसमें 1. राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वास्थ बीमा योजना में आ रहे कठिनाईयों के निराकरण 2. बाहर से आने वाले पदाधिकारियों के आवासन की सुविधा 3. सभी थाना/ओपी में पुलिसकर्मी एवं आमजनता के लिए पेयजल की सुविधा एवं प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था 4. पुलिस केन्द्र में रह रहे जवानों के बैरक में खराब हुये पंखे की मरम्मती 5. पुलिस केन्द्र रामगढ़ में लगे सौर ऊर्जा सिस्टम को चालू करवाने, 6. टी०ए० की ससमय निकासी 7. सभी थानों में मेस से संबंधित आवश्यक उपकरण -सामान यथा रोटी मेकर, गैस चुल्हा, टेवल कुर्सी, पंखा उपलब्ध कराने 8. चतुर्थ वर्गीय कर्मी पिन्टु राम के सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो जाने जिसके इलाज सैमफोर्ड अस्पताल रांची में चल रहा है उसके ईलाज में आर्थिक सहायत करने जैसी समस्याओं को बताया गया।

उक्त समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए एसपी अजय कुमार द्वारा पुलिस सभा के दौरान हीं समस्याओं के निदान हेतु परिचारी प्रवर पुलिस केन्द्र रामगढ़ एवं सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया कि थाना में आने वाले आमजनता एवं पुलिस कर्मियों को लिए पेयजल की व्यवस्था करें। परिचारी प्रवर को निर्देश दिया गया कि पुलिस केन्द्र में खराब पड़े पंखो की अविलम्ब मरम्मति करवाये तथा सौर ऊर्जा सिस्टम को चालू करवाने की दिशा में अग्रतर कार्रवाई करें। लेखापाल पुलिस कार्यालय रामगढ़ को पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों के टी.ए. की निकासी ससमय करने का निर्देश दिया गया।

अंत में एसपी द्वारा उपस्थित सभी पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को मुस्तैदी से डियूटी करने, पब्लिक के साथ अच्छा व्यवहार करने, अपने स्वास्थ का ध्यान रखने तथा किसी भी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर मिलकर अवगत कराने हेतु कहा गया ताकि ससमय समस्याओं का निराकरण किया जा सकें।

चतुर्थवर्गीय कर्मी पिन्टु राम के सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने तथा वर्तमान में सैमफोर्ड अस्पताल रांची में ईलाजरत रहने की बात को एसपी द्वारा गंभीरता से लेते हुए स्वयं सैमफोर्ड अस्पातल रांची जाकर चतुर्थवर्गीय कर्मी पिन्टु राम से मुलाकत किया गया तथा चिकित्सक से मिलकर उनके स्वस्थ की जानकारी ली गई एवं उनके परिजनों से मुलाकत किया गया।

न्यूज बॉक्स

अहमदाबाद विमान हादसे के दिवंगतों को विधायक प्रदीप प्रसाद ने अर्पित की श्रद्धांजलि

हजारीबाग। अहमदाबाद में गुरुवार को हुए भीषण विमान हादसे में 250 से अधिक लोगों की असामयिक मृत्यु से देशभर में शोक की लहर दौड़ गई है। इस हृदय विदारक घटना से पूरा देश स्तब्ध और दुःखी है। इसी क्रम में हजारीबाग सदर से भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने शुक्रवार की सुबह अपने विधायक सेवा कार्यालय परिसर, हजारीबाग में एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा नेता,कार्यकर्ताओं, सामाजिक प्रतिनिधियों, कार्यालय कर्मियों सहित अनेक नागरिकों ने भाग लिया। सभा की शुरुआत दो मिनट के मौन से की गई, जिसके माध्यम से दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी गई और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की गई। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की यह घटना अत्यंत दर्दनाक, दिल दहला देने वाली और अपूरणीय क्षति है। 250 नागरिकों का एक ही पल में यूं असमय चले जाना न केवल उनके परिजनों के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए भारी दुःख का क्षण है। हमारा संवेदनशील समाज इस त्रासदी को लंबे समय तक नहीं भुला सकेगा। उन्होंने आगे बताया कि इस हृदय विदारक हादसे को लेकर केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है, जिसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने स्वयं भी आगामी दो दिनों तक अपने सभी सार्वजनिक एवं राजनीतिक कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया है। विधायक श्री प्रसाद ने ईश्वर से प्रार्थना की सभी दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और उनके शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति दें।

हजारीबाग कलाकार महोत्सव 2025' का होगा आयोजन, पोस्टर हुआ लॉन्च

हजारीबाग। 15 जून 2025 को स्थानीय नगर भवन में हजारीबाग वासियों को कला-संस्कृति का भव्य समागम देखने को मिलेगा । हजारीबाग के सभी प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाओं के द्वारा संयुक्त रूप से इस रंगारंग महोत्सव की शुरुआत की जा रही है। कला, संस्कृति और लोक परंपराओं को समर्पित 'हजारीबाग कलाकार महोत्सव 2025' का आयोजन हजारीबाग आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट के बैनर तले दोपहर 2:00 बजे से किया। जा रहा है । जिसमें हजारीबाग जिला के साथ साथ अन्य जिले के कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। इस अवसर के झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार बतौर मुख्य अतिथि कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए मौजूद रहेंगे। आयोजन के संबंध में आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस महोत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले भव्य रंगा रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारतीय लोक नृत्य, पारंपरिक झारखंडी लोक नृत्य,समूह गान,रंगारंग फैशन शो,नाटक एवं नाट्य प्रस्तुति ,लोक चित्रकला और पेंटिंग्स प्रदर्शन का आयोजन होना है। हजारीबाग के सभी सांस्कृतिक संस्थाओं के निर्देशकों ने बताया कि विलुप्त लोक एवं जनजातीय कला उत्थान हेतु हजारीबाग कलाकार महोत्सव को मुकाम देने की तैयारी में जुट हुए है। यह महोत्सव रविवार 15 जून को आयोजित होगा।

भाजपा ने विमान दुर्घटना के कारण मंडल स्तरीय कार्यशाला किया स्थगित

रामगढ़ । भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ कैंट मंडल द्वारा तय मंडल स्तरीय कार्यशाला को शुक्रवार को स्थगित कर गुजरात विमान हादसे में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए शोक सभा का आयोजन किया गया ।इस मौके पर उपस्थित पार्टी सदस्यों ने विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से दुर्घटना में मारे गए लोगों के आत्मा की शांति की कामना की । कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता अभिनेश कुमार , व जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, प्रदेश के किसान मोर्चा के सह संयोजक अबू हसन,उपाध्यक्ष रंजन सिंह फौजी ,सांसद प्रतिनिधि सरदार अनमोल सिंह ,मीडिया प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद, शीतल सिंह, सहदेव ठाकुर, संतोष कुमार शाह, सुशांत पांडे, बृजेश पाठक, मंडल महामंत्री ऋषिकेश ,सिंह मिथिलेश मंडल, अजीत गुप्ता ,सुरेंद्र शर्मा , मणिशंकर ठाकुर ,जगदीश शर्मा, धीरज साहू, प्रफुल्ल नारायण त्रिपाठी ,शिवकुमार गुप्ता ,दिनेश प्रसाद ,सरदार कुलजीत सिंह होरा, अमित ठाकुर, राजेश प्रसाद, गुप्ता संतोष साहू , प्रमोद ओझा, अरविंद साह आदि शामिल हुए ।

भीषण गर्मी से बरकट्ठा में जनजीवन अस्त व्यस्त

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी ने जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच चुका है, जिससे आमजन को घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ऊपर से बिजली की आंख-मिचौनी ने लोगों की परेशानियों को और भी बढ़ा दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार,दिन भर में मात्र 5 से 6 घंटे ही बिजली आपूर्ति हो रही है। रात में भी बार-बार बिजली गुल हो रही है।इससे लोग गर्मी और मच्छरों के बीच रात बिताने को मजबूर हैं। कई जगहों पर पंखे और कूलर भी शोपीस बनकर रह गए हैं। बिजली की अनियमित आपूर्ति का सबसे अधिक असर बच्चों, वृद्धों और बीमार व्यक्तियों पर पड़ रहा है। प्रखंड के सलैया, बरवां समेत विभिन्न क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर है। जहां पेयजल संकट भी गहराने लगा है। लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की है कि गर्मी को देखते हुए बिजली आपूर्ति को दुरुस्त किया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

नशा मुक्ति अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रामगढ़। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग झारखंड सरकार के निर्देशानुसार 10 जून 2025 से 26 जून 2025 तक की अवधि को पूरे राज्य में नशा मुक्ति अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में अभियान के तहत शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर जिले के विभिन्न प्रखंडों में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों द्वारा नशा मुक्ति संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को विभिन्न माध्यमों से नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया।

सिमडेगा में खरीफ बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित

डीसी ने किया किसानों से सशक्त बनने का आह्वान

- अग्रणी किसानों को धान व मूंगफली के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराना
- भारत सरकार द्वारा सिमडेगा जिले में मूंगफली उत्पादन के लिए चयन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, सिमडेगा द्वारा खरीफ बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिला कृषि कार्यालय परिसर, सिमडेगा में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त कंचन सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष सोनी पैकरा एवं जिला परिषद सदस्य शांति बाला केरकेट्टा उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई।जिला कृषि पदाधिकारी मुनेंद्र दास ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खरीफ बीज वितरण के तहत जिले के अग्रणी किसानों के बीच धान एवं मूंगफली के बीज वितरित किए जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा सिमडेगा जिले में 400 हेक्टेयर भूमि मूंगफली उत्पादन के लिए चयनित की गई है। इसके अंतर्गत ठेठईटांगर एवं सिमडेगा प्रखंड के सेवई लैम्पस के एफपीओ किसानों को बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौसम की शुरुआत से पहले किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली धान बीज भी दी जा रही है। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कही कि सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ उठाकर किसान अपने जीवन को सशक्त बनाएं और उत्पादन को बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि किसान केवल धान और मूंगफली तक सीमित न रहें, बल्कि तिलहन, दलहन एवं मडुवा जैसी फसलों का भी उत्पादन करें। उन्होंने बताया कि तिलहन एवं दलहन की बाजार में अच्छी कीमत मिलती है जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है। मडुवा के स्वास्थ्य लाभों को बताते हुए उन्होंने कहा कि यह शुगर, डायबिटीज एवं ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों में अत्यंत लाभकारी है। इसके अलावा उन्होंने 'तीसी' के उत्पादन पर भी बल दिया और बताया कि एक चम्मच तीसी का सेवन हृदय रोग से बचाव करता है।उपायुक्त ने कार्यक्रम में उपस्थित महिला किसानों से मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि प्राप्ति की जानकारी ली। लगभग 90% महिलाओं ने हाथ उठाकर बताया कि उन्हें योजना का लाभ मिल रहा है। उपायुक्त ने महिलाओं से प्रत्यक्ष संवाद कर योजना की राशि के उपयोग की जानकारी प्राप्त की। महिलाओं ने बताया कि वे इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों की खरीद एवं घरेलू खर्चों में कर रही हैं। उपायुक्त ने सुझाव दिया कि इस राशि से बची धनराशि को छोटे स्तर पर सब्जी उत्पादन, सिलाई मशीन की खरीद, मुर्गी पालन एवं छोटे-छोटे व्यवसाय जैसे दुकान या खाद्य सामग्री स्टॉल लगाकर स्व-रोजगार की दिशा में कदम बढ़ाएं।

किसानों को मिली स्वास्थ्य सहायता योजना की जानकारी

उपायुक्त ने किसानों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगर परिवार में कोई सदस्य बीमार होकर अस्पताल में भर्ती होता है तो सरकार द्वारा 1000 से 10000 रुपये तक की सहायता राशि दी जाती है। कैंसर एवं अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु अधिकतम 25000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि इस योजना की जानकारी अपने आस-पड़ोस के लोगों तक अवश्य पहुंचाएं।उपायुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में अन्य विभागों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाकर आम जनों को अधिक से अधिक जानकारी दी जाए। साथ ही, उन्होंने कृषि विभाग की सभी योजनाओं का प्रखंड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। अंत में उपायुक्त ने महिला किसानों द्वारा उत्पादित सामग्रियों के लिए उचित बाजार उपलब्ध कराने एवं सही मूल्य दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी श्री दास ने बताया कि इस खरीफ बीज वितरण कार्यक्रम में 228 किसानों के बीच 608 किलोग्राम मूंगफली बीज एवं 20 किसानों के बीच 440 किलोग्राम धान बीज का वितरण किया गया।

स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा बैठक, डीसी ने दिए कई निर्देश

सिमडेगा। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पोषण ट्रैकर पर सेविकाओं एवं सहायिकाओं द्वारा प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करने, आंगनबाड़ी केन्द्र नियमित रूप से खोलने एवं उनके इंफ्रास्ट्रक्चर डेटा को शत-प्रतिशत अपडेट करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा में उपायुक्त ने बताया कि निर्धारित 10,937 लक्ष्यों के विरुद्ध अब तक 6,301 लाभुकों को ही लाभान्वित किया गया है। उन्होंने लक्ष्य की पूर्ति के लिए तेज गति से कार्य करने तथा शत-प्रतिशत लाभुकों तक योजना का लाभ पहुंचाने को कहा।एमटीसी में उपलब्ध बेड के अनुसार सभी कुपोषित बच्चों की भर्ती सुनिश्चित करने, उनके समुचित उपचार करने और सभी गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लिए लाभुकों के चयन, सावित्रीबाई फुले किशोरी सशक्तिकरण योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा कर, योग्य लाभुकों को योजनाओं से आच्छादित करने के निर्देश दिए। साथ ही जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों की जांच कर शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराने की बात कही। बैठक में जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में जून माह के अंत तक विद्युतीकरण करने, पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था बहाल करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए। पोषण अभियान के तहत पोषण ट्रैकर ऐप में दर्ज सैम एवं मैम (मध्यम कुपोषित) बच्चों की समीक्षा की गई। वर्तमान में पोषण ट्रैकर में 648 सैम बच्चों को चिन्हित किया गया है, जिनकी भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। सेविकाओं को पोषण ट्रैकर में बच्चों से संबंधित सटीक एवं अद्यतन डाटा दर्ज करने को भी कहा गया। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जिले के सभी सैम बच्चों को कुपोषण उपचार केंद्र में भर्ती कर उनका समुचित इलाज कराया जाए। इसके साथ ही मनरेगा एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्माणाधीन नए आंगनबाड़ी भवनों की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई तथा समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

बस स्टैंड ,बसों के ठहराव व यात्री सुविधा के अनुरूप बने : डीसी

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में कोलेबिरा बस स्टैंड से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि करोड़ रुपये की लागत से बन रहे बस स्टैंड का निर्माण इस प्रकार हो कि जनता को वास्तविक लाभ मिले और बसों का सुचारु ठहराव सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि जनता के पैसे का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई बस सड़क पर रुकी तो संबंधित पदाधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बस स्टैंड इस तरह से बनाया जाए कि बसें केवल वहीं रुकें और यात्री सुविधाजनक रूप से इसका उपयोग कर सकें। सभी निर्माण कार्यों को तीन माह के भीतर पूर्ण कर बस स्टैंड का संचालन शुरू करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, डाक बंगला की बेहतर देखरेख एवं परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का आदेश भी दिया। बैठक के दौरान बांसजोर एवं केरसई बस स्टैंड की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि इन दोनों बस स्टैंडों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और यहां बसों का ठहराव शीघ्र प्रारंभ किया जा सकता है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने और जनता की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में अन्य आवश्यक विषयों पर भी चर्चा की गई।बैठक में जिला अभियंता जिला परिषद् जयप्रकाश चौधरी, कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद सरोजिनी केरकेट्टा सहित अन्य उपस्थित थे।

ग्रामीण विकास विभाग संचालित योजनाओं की प्रगति की डीसी ने की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की संख्यात्मक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, रूर्बन मिशन, बिरसा हरित ग्राम योजना, सीएफपी, एसएजीआई एवं एजीवाई सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में चयनित गांवों की जानकारी ली। उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु ने बताया कि जिले में कुल सात गांवों का चयन इस योजना के तहत किया गया है, जिनके लिए आवश्यक विकास योजना तैयार कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।रूर्बन मिशन की समीक्षा में उपायुक्त ने मिट्टी कला, बैंबू क्राफ्ट, कोल्ड स्टोरेज संचालन सहित अन्य गतिविधियों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं में जेएसएलपीएस की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से मिट्टी कला के तहत बनाए जा रहे कुल्हड़ के लिए उचित बाजार उपलब्ध कराने हेतु मार्केट लिंकेज स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के पूर्णतः प्रतिबंध पर विशेष ध्यान देने को कहा।उपायुक्त ने बिरसा हरित ग्राम योजना एवं दीदी बगिया योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक महिलाओं को दीदी बगिया योजना से जोड़ा जाए और जेएसएलपीएस के माध्यम से इन योजनाओं का विस्तार किया जाए। उन्होंने मानव दिवस सृजन की प्रगति को लक्ष्य से कम बताया और इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही महिला मजदूरों की सहभागिता बढ़ाने पर भी बल दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु, एलआरडीसी श्रीमती अरुणा कुमारी, परियोजना पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, रूर्बन मिशन के तकनीकी विशेषज्ञ उमा शंकर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्य पूर्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

केला घाघ डैम का निरीक्षण, पर्यटन विकास की संभावनाओं पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह, पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी और उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु ने जिला मुख्यालय स्थित मनोरम पर्यटन स्थल केला घाघ डैम का भ्रमण किया। इस दौरे का उद्देश्य जिले में पर्यटन को नई दिशा देना है। उपायुक्त ने डैम की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की और इसे पर्यटन के रूप में विकसित करने की संभावनाओं का आकलन किया। उन्होंने कहा कि सिमडेगा के इस स्थल में आर्थिकी विकास की भी अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए पर्यटन के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। साथ ही, सुरक्षित एवं भयमुक्त पर्यटन वातावरण सृजित करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने पारंपरिक पर्यटन से हटकर इसे नए रूप में विकसित करने की जरूरत पर बल दिया। भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने मत्स्य विभाग द्वारा केज कल्चर के माध्यम से की जा रही मत्स्य पालन गतिविधियों का भी निरीक्षण किया और इस कार्य की सराहना की। अधिकारियों ने पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए संयुक्त प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, जिससे सिमडेगा जिले का आर्थिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित किया जा सके।

समसेरा चर्च घटना पर अल्पसंख्यक आयोग का दौरा, दोषियों की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा

उपाध्यक्ष प्रणेश सॉलमोन बोले

- अपराधियों को नहीं बचने देंगे

नवीन मेल संवाददाता

घटनास्थल का लिया जायजा

बोलबा। सिमडेगा जिले के बोलबा थाना क्षेत्र अंतर्गत समसेरा चर्च में हुई लूटपाट और पल्ली पुरोहितों के साथ मारपीट की घटना को लेकर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष प्रणेश सॉलमोन और शमशेर आलम शुक्रवार को घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली।मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए प्रणेश सॉलमोन ने कहा कि यह घटना ओडिशा के चर्चों में हुई घटनाओं से मेल खाती है, जहां पहले फादर पर हमला और लूट की घटनाएं हुई थीं। अब झारखंड में भी इस तरह की घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व ओडिशा से झारखंड में प्रवेश कर ऐसी घटनाओं को अंजाम देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारी सरकार और जिला प्रशासन ऐसे अपराधियों को किसी हाल में सफल नहीं होने देंगे।उन्होंने कहा कि इस घटना पर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा जो कार्रवाई की गई है, उससे वे संतुष्ट हैं और विश्वास है कि जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।सभा में कई स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी बात रखी और प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने की मांग की।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की वार्षिक आम बैठक की तैयारी जोरों पर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन एजीएम वे की तैयारी में जोर शोर से जुट गया है।इसी तैयारी के आलोक में शुक्रवार से अतिथियों को दावत देने का काम शुरू हुआ। डीसी सिमडेगा से एसडीसीए के लोग मिले और आगामी रविवार को होने वाले एजीएम में शिरकत की गुज़ारिश की।इस मौके पर डीसी ने सिमडेगा में बनने वाले क्रिकेट स्टेडियम की भी चर्चा की।उपायुक्त ने आश्वस्त किया इस संबंध में जिला प्रशासन हर मुमकिन कोशिश करेगी। ताकि यहां के बच्चे हॉकी की तरह क्रिकेट में भी नाम करें। एस डी सी ए के लिए जिला में कार्यालय उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। जिले के एसपी एम अर्शी को एडीसीए ने निमंत्रित किया।इस मौके पर मिलने गए प्रतिनिधिमंडल से एसपी श्री अर्शी ने जिले में क्रिकेट के विकास पर चर्चा करते हुए कहा कि यहां स्टेडियम निर्माण और क्रिकेट अकादमी की स्थापना से निश्चित ही यहां के खिलाड़ी लाभान्वित होंगे।उन्होंने इसके लिए पुलिस प्रशासनिक स्तर पर हर संभव मदद का आश्वाशन भी दिया। उप विकास आयुक्त से भी एसोसिएशन के लोग मिले।आज एडीसीए के प्रतिनिधिमंडल में विजय पूरी, एस .शाहिद,आशीष शास्त्री,दिलीप तिर्की,तौकीर उस्मानी,दीपक अग्रवाल,सच्चिदानंद मिश्र व अमन मिश्र शामिल थे।

रेलवे स्टेशन के पास जला हुआ युवक मिला

बानो। प्रखंड के कनारोवा रेलवे स्टेशन के पास सोमवार को एक अज्ञात युवक बुरी तरह से जले हुए अवस्था में पाया गया। युवक को देखकर स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत कनारोवा पंचायत की मुखिया मिनसी लीना तिर्की को सूचना दी। मुखिया ने तत्काल मामले की जानकारी बानो थाना व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. मनोरंजन कुमार को दी। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।घायल युवक अपनी पहचान स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रहा था। हालांकि, ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार उसने अपना नाम अमृत लकड़ा एवं लतरातू, लापुंग थाना क्षेत्र का निवासी बताया था।

बानो में साप्ताहिक समीक्षा बैठक, योजनाओं में गति लाने के दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड कार्यालय सभगार मे प्रखंड कर्मियो की सप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी ने किया।सप्ताहिक समीक्षा बैठक में लक्ष्य अनुरूप मानव दिवस सृजन, बागवानी योजना में शत् प्रतिशत गड्ढा खोदाई करना।जलदूत एप्प में प्रति राजस्व ग्राम दो कूप का जलस्तर को नापने का निर्देश दिया गया।बैठक मे प्रखंड के सभी पंचायत मे चल रहे मनरेगा योजना व पीएम अवास व अबुआ अवास योजना का समीक्षा किया गया।प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास सर्वे,मनरेगा में कूप निर्माण कार्य में प्रगति,बागवानी योजना में इन्टरक्रोपींग,साफ सफाई, टेका लगाने का निर्देश दिया गया।बैठक मे प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पंचायत सचिव व रोजगार सेवको मनरेगा योजना संचालित योजना मे तेजी लाने मानव दिवस सृजन मे बढोतरी करने का निर्देश दिया।लंबित योजना को पुर्ण करके अभिभलेख बंद करने का निर्देश दिया।पीएम व अवास योजना मे वैसे लाभुक जो ढलाई नही किये है। पंद्रह दिन के अंदर ढलाइ करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर बीपीओ चारू मांझी, जीतवाहन मांझी, बीपीआरओ रंजित महतो, लालदेव कुमार, अरविंद कुमार दुबे, राहुल कुमार, संजय डांग, त्रिवेणी प्रसाद, लालदेव सिंह, तनुज महतो, श्रीपति महतो, देवीलाल ओहदार,रमेश कुल्लु,दिव्य प्रकाश,इसहाक बाडा, रूबी कुमारी आदि उपस्थित थे।

सिमडेगा के एथलेटिक्स व खिलाड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने जामताड़ा हुए रवाना

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला के आठ एथलेटिक्स खिलाड़ी व कोच 14-15 जून 2025 को जामताड़ा में आयोजित 2nd झारखंड राज्य स्तरीय सब-जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने रवाना हुए। ये सभी खिलाड़ी सिमडेगा जिला एथलेटिक्स संघ के बैनर तले खेलेंगे।कोषाध्यक्ष वेदप्रकाश एवं खेलो इंडिया के कोच दिनेश विश्वकर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर रांची के लिए रवाना किया, जहाँ से वे ट्रेन से जामताड़ा पहुँचे।मौके पर बालक में आकाश मांझी, मंजीत बड़ा, हर्ष कुमार गोप, प्रिंस कुल्लू, अरुण प्रधान वही बालिका में मुनिका कुमारी, खुशबू कुमारी, आरती कुमारी वही कोच दिनेश कुमार महतो शामिल है।इन खिलाड़ियों का चयन 01 व 05 जून को आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर हुआ। जिला खेल पदाधिकारी प्रवीण कुमार व संघ की अध्यक्ष एडलिन केरकेट्टा सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दीं। सचिव मनोज कोनबेगी ने कहा कि सिमडेगा एथलेटिक्स में भी आगे बढ़ेगा, जैसे हॉकी और कुश्ती में बढ़ा है।

श्रम कल्याण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ कार्यक्रम

जलडेगा। के परबा पंचायत में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर लीड्स संस्था द्वारा लोगों को पंचायती राज व्यवस्था की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जलडेगा सीओ शंभू राम उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने पंचायत राज प्रणाली की संरचना, कार्यप्रणाली और महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी और लोगों को स्थानीय स्वशासन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित। लोगों को बताया गया कि पंचायतें कैसे काम करती हैं, कैसे निर्वाचित होती हैं, और कैसे वे स्थानीय स्तर पर विकास के लिए योजनाएं बनाती हैं और उन्हें लागू करती है। वही लीड्स संस्था के परियोजना समन्वयक आलोक कुमार ने श्रम विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर असंगठित मजदूरों का निबंधन तथा प्रवासी मजदूर कार्ड बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को पंचायत सचिव विश्वनाथ भगत, मुखिया बिमला देवी और रोजगार सेवक अजय लाल मेहर ने भी संबोधित किया।

डोंगापानी के पुल निर्माण में अनियमितता घटिया सामग्री को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। प्रखंड के कुटुंगिया पंचायत अंतर्गत डोंगापानी और अनई में एनआरईपी और अनटाइड फंड से द्वारा लाखों की लागत से बन रहा पुलिया और गार्डवाल निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता नज़र आ रहा है। सम्बंधित विभाग के अधिकारियों की अनदेखी एवं खुली छूट के कारण संवेदक द्वारा मानकों को दरकिनार कर घटिया सामग्री का उपयोग कर पुल और गार्डवाल को बनाया जा रहा है। वहीं घटिया गुणवत्ता निर्माण को देखकर अब डोंगापानी के ग्रामीणों द्वारा निर्माण कार्य पर सवाल उठाया जा रहा है। ग्रामीणों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि जिस तरह संवेदक मानक का उल्लंघन कर रहे हैं इससे साफ जाहिर होता है कि पुल निर्माण के बाद ज्यादा दिनों तक चलने वाला नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल और गार्डवाल के निर्माण में रेलवे द्वारा तोड़े गए पत्थर एवं जंगलों से चुन कर लाये गए जंगली ढोका पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है। जिससे इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठना लाजमी है वहीं निर्माण को देखकर लगता है कि विभाग ने मानकों को दरकिनार कर घटिया पुल निर्माण करने कि खुली छूट दे रखी है। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों बाद उनकी मांग पूरी हुई है। लेकिन इसमें भी भ्रष्टाचार का दीमक लगने शुरू हो चुका है। पुलिया और गार्डवाल का गुणवत्तापूर्ण निर्माण होने से क्षेत्र का विकास होता लेकिन पुल निर्माण में अनियमितता विकास के तस्वीर को धुंधली कर रही है। रेलवे द्वारा तोड़े गए पत्थर, घटिया जंगली ढोका पत्थर एवं घटिया बालू किसी भी सूरत में मजबूत निर्माण को पूरा नहीं करेंगे हालांकि सरकारी पैसों का बन्दरबांट जरूर होगा।

न्यूज बॉक्स

अंधविश्वास की भेंट चढ़ी युवती सर्पदंश से गई जान

कुरडेग। थाना क्षेत्र के खालीजोर खास बस्ती में एक युवती की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रीना कुमारी पिता स्व सोनू बेहरा उम्र 20 वर्ष ,गुरूवार रात में जमीन पर सोई थी,इसी दौरान रात लगभग 10 बजे करैत सांप युवती के हाथ पर काटा। सांप काटने पर युवती जाग गई और परिजनों को बताई।परिजनों ने सांप को मार दिया। वहीं परिजन घायल युवती को रात भर झाड़ फूंक कराते रहे।सुबह होने पर युवती की हालत ज्यादा खराब होने पर ईलाज के लिए छतीसगढ़ के फरसाबहार अस्पताल ले गये ।जहाँ ईलाज के दौरान युवती की मौत हो गई। परिजन एवं गांववालों के झाड़ फूंक और अंधविश्वास के चक्कर में एक मासुम युवती की जान चली गई। गौरतलब कुरडेग सीएचसी खालीजोर से मात्र चार किमी है। परिजन रात भर झाड़ फूंक कराते रहे लेकिन ईलाज के लिए कुरडेग अस्पताल नहीं लाये।

सेन्ट्रल अंजुमन इस्लामिया ने अल्पसंख्यक आयोग से हॉस्टल व मैरिज हॉल निर्माण की मांग

सिमडेगा। सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया, सिमडेगा ने झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग को शुक्रवार को ज्ञापन सौप मदरसा इस्लामिया तबाक़ी कुरान में 100 बेड वाले हॉस्टल और एक मैरिज हॉल के निर्माण की मांग की है।पत्र में बताया गया है कि यह मदरसा एक रजिस्टर्ड संस्था है, जहां लगभग 200 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन छात्रों को रहने की गंभीर समस्या हो रही है, जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। साथ ही इलाके में कोई मैरिज हॉल नहीं है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को वैवाहिक या सामाजिक कार्यक्रमों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया ने अल्पसंख्यक आयोग से अनुरोध किया है कि खैरन टोलो, सिमडेगा स्थित सरकारी जमीन पर छात्रावास और मैरिज हॉल का निर्माण कराया जाए, ताकि शिक्षा एवं सामाजिक समस्याओं का समाधान हो सके।

फरार लाल वारंटी पीएलएफआई उग्रवादी ने किया आत्मसमर्पण

सिमडेगा। बानो थाना के तीन मामलों में 20 वर्ष से फरार चल रहा पीएलएफआई का उग्रवादी पुलिस के दबाव में आज महाबूआंग थाना में आत्मसमर्पण किया। एसपी सिमडेगा मो अर्शी ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि महाबूआंग थाना क्षेत्र के बिरनीबेड़ा निवासी अभिराम कांडुलना उर्फ अब्राहम कंडुलना पूर्व में पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य के रूप में जिले में कई घटनाओं में शामिल रहा था। इसके खिलाफ बानो थाना कांड संख्या 13/2005, 09/2006 और कांड संख्या 04/2011 के तहत हत्या सहित अन्य मामले दर्ज हैं। पुलिस को इसकी तलाश कई दिनों दे थी। पिछले 20 वर्ष से यह फरार चल रहा था। पुलिस इसके खिलाफ लाल वारंट जारी कर रखा था। पुलिस लगातार इसके गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के दबाव पर इसने महाबूआंग थाना में आत्मसमर्पण कर दिया।

नशा मुक्ति अभियान, लोकगीत-नाटक से किया गया जनजागरूकता का आह्वान

सिमडेगा। आदि कला मंच कोलेबिरा सिमडेगा के कलाकारों द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत स्थानीय कलदलों के द्वारा स्थानीय भाषा में लोकगीत, नृत्य, नुक्कड़ नाटक, एवं पम्पलेट वितरण कर ग्रामीणों को जागरुक करने का कार्य किया जा रहा है जिसमें जनप्रतिनिधियों के सहयोग से भारी भीड़ के बीच नशा पान से होने वाले दुष्प्रभाव को लोगों के बीच नशा से जागरूक करते नशा मुक्त सिमडेगा, बनाने का आह्वान किया जा रहा है. आज आदिकला मंच के कलाकारों ने कोलेबिरा बाजार में गीत संगीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। नशा के नए ट्रेंड जैसे अफीम की खेती, गंजा, चरस, कोका,कोकीन,हेरोइन,ब्राउन शुगर इत्यादि दारू के अलावा युवाओं में लोकप्रिय होता जा रहा है जो एक बार लत लग जाय तो जिंदगी को घोर अंधेरों में डाल देता है। नशा पान से बचाने के सरकारी संस्थाओं की भी जानकारी दी गई।

अहमदाबाद विमान हादसा हृदय विदारकः मानिक चंद जैन

रामगढ़। श्री दिगंबर जैन समाज रामगढ़ के पूर्व अध्यक्ष मानिक चंद जैन ने शुक्रवार को विज्ञप्ति जारी कर 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में विमान पर सवार 241 लोगों सहित 265 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। श्री जैन ने कहा कि इस दुर्घटना में जो लोग घायल हुए हैं हम उनके शीघ्र स्वस्थ्य होने की ईश्वर से कामना करते हैं। साथ ही दुर्घटना में जिनकी मौत हो गई है ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हैं। कहा कि यह दुर्घटना हृदय विदारक है जिससे मैं व्यथिथ हूं। मेरी संवेदना पीड़ित परिजनों के साथ है।

जिला मत्स्य कार्यालय द्वारा किए जा रहे हैं कार्यों की उपायुक्त की समीक्षा

रामगढ़। जिला मत्स्य कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम जिला मत्स्य पदाधिकारी अरूप कुमार चौधरी के द्वारा उपायुक्त को वित्तीय वर्ष 2024- 25 में स्वीकृत योजनाओं के तहत किए गए कार्यों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई जिसके उपरांत उनके द्वारा केज कल्चर विस्तार एवं केज रीमॉडलिं, फीड बेस्ड फिशरीज, समेकित मत्स्य पालन, तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार, मत्स्य प्रसार प्रशिक्षण एवं अनुसंधान योजना, मत्स्य विपणन योजना के तहत अब तक हुए कार्य के संबंध में भी जानकारी दी गई इस संबंध में उपायुक्त ने जिले में मत्स्य पालन हेतु बढ़ावा देने के उद्देश्य से अधिक से अधिक लोगों को लाभ देकर स्वावलंबी बनाने एवं आत्मनिर्भर करने हेतु कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिले में वृहद रूप से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायुक्त ने बैठक के दौरान जिला मत्स्य पदाधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को मत्स्य पालन हेतु योजना चिन्हित करने एवं रोजगार हेतु बढ़ावा के दिशा में किए जाने वाले कार्यों को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए।

पंचायत सचिव ने विषपान कर आत्महत्या करने का किया प्रयास,धनबाद रेफर

नवीन मेल संवाददाता

डुमरी। डुमरी प्रखंड के बलथरिया पंचायत में पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत डुमरी थाना क्षेत्र के कुलगो निवासी सुखलाल महतो ने शुक्रवार को विषपान कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। प्रखंड कार्यालय के पीछे गिरा पड़ा देख स्थानीय लोग आनन फानन में 108 एंबुलेंस से रेफरल अस्पताल पहुंचाया जहां पर प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज हेतु धनबाद रेफर कर दिया गया।बताया जाता है कि पंचायत सेवक विषपान करने के कुछ घंटे पहले विधायक के नाम सोशल मीडिया में आत्मदाह करने के कारणों से संबंधित एक पत्र भी जारी किया जिसमें लिखा है कि मुझे बैठक सभा में बीडीओ द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने से काफी आहत हूं और आत्मदाह करने जा रहा हूं।लिखा है कि मुझे बीडीओ डुमरी के साथ साथ पीएमएवाई बीसी अजय कुमार रोशनाटुंडा के रोजगार सेवक अनिल कुमार साव मुखिया पति परमेश्वर नायक मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहते हैं।वहीं बीडीओ अन्वेषा ओना का कहना है कि उक्त पंचायत सचिव का पदस्थापना तीन चार माह पूर्व ही हुआ था।घटना की जानकारी मुझे भी सोशल मीडिया से ही मिली है। घटना की जांच की जा रही है। कहा कि पंचायत सचिव की जीवन बचाना पहली प्राथमिकता है।इधर रेफरल अस्पताल के चिकित्सक डा कामेश्वर महतो का कहना है कि जहर खाने से स्थिति गंभीर है।

यहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया है।

पर्याप्त विद्युत आपूर्ति को लेकर विभिन्न दलों और जिला परिषद सदस्यों का आंदोलन की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

जमुआ(गिरिडीह)। जमुआ में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति को लेकर विभिन दलों और पंचायत प्रतिनधियों ने अलग अलग तरीके से आंदोलन की चेतावनी दी है . इधर विद्युत आपूर्ति से परेशान जनता ने भी विद्युत पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इसका जिम्मेवार बता रहे हैं। जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने बीते बुधवार को बजली की समस्या के अलावे प्रखण्ड और अंचल में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर प्रेस कांफ्रेंस कर आंदोलन की चेतावनी दी। विद्युत विभाग के अधिकारियों से 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति मुहैया कराने की मांग की थी। अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी है। शुक्रवार को भाकपा माले नेता सह जिला परिषद सदस्य विजय पांडेय ने विद्युत आपूर्ति की लचर व्यवस्था को लेकर 16 जून को विद्युत कार्यलय का घेराव का मन बनाया है। इसके लिए जमुआ की जनता को आगामी सोमवार को जमुआ में एकत्र होने की अपील की है। इधर जमुआ क्षेत्र की महिला जिला परिषद सदस्या प्रभा वर्मा ने विद्युत आपूर्ति को लेकर झारखण्ड धाम में बैठक की घोषणा की है। अपने जिला परिषद क्षेत्र के समस्त जनता को बैठक में भाग लेने की अपील की है। चाहे आंदोलन किसी दल या जनप्रतिनिधि का हो जनता को पर्याप्त बिजली चाहिए।

बिजली संकट गहराया, सीपीआई ने दी आंदोलन की चेतावनी

बिजली आपूर्ति का जल्द हो समाधान : पूर्व सांसद

नहीं तो 19 जून से होगा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एवं सीपीआई के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने शुक्रवार को पगमिल स्थित अपने आवास पर एक प्रेस वार्ता के माध्यम से हजारीबाग जिले में गहराते बिजली संकट को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हजारीबाग शहर और ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की स्थिति भयावह हो चुकी है। बिजली कब आती है, कब जाती है – इसकी कोई तय समय सीमा नहीं है। लो वोल्टेज की समस्या के कारण पंखे और कूलर जैसे उपकरण भी बेकार पड़े हैं। जिले में इन दिनों बिजली की बदहाल व्यवस्था ने लोगों को परेशान कर रखा है। अनियमित आपूर्ति और लो वोल्टेज की समस्या के कारण घरों में लगे पंखे और कूलर बेकार पड़े हैं, जिससे गर्मी में जनता बेहाल है। श्री मेहता ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग के अधिकारी जनता की समस्याओं को लेकर पूरी तरह उदासीन हैं। फोन नहीं उठाते, न कोई समाधान की दिशा में कार्रवाई हो रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिजली आपूर्ति का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आगामी 19 जून से विद्युत महाप्रबंधक एवं अधीक्षण अभियंता कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। इस धरने में सीपीआई सहित कई जन संगठनों की भागीदारी होगी। प्रेस वार्ता में सीपीआई के जिला सह सचिव निजाम अंसारी, वरिष्ठ नेता महेंद्र राम, अखिलेश मेहता और खतियानी परिवार के महासचिव मोहम्मद हकीम भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत 241 लोगों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्री मेहता ने केंद्र सरकार को असंवेदनशील बताते हुए उड्डयन मंत्री से नैतिकता के आधार पर इस्तीफे की मांग की।

बराकर नदी में तैरता मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह। जिले के पीरटांड़ थाना क्षेत्र के बराकर नदी स्थित परसबनी घाट के पास शुक्रवार की सुबह पानी में तैरता हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मुंह की ओर पानी में डूबा हुआ था। जिसके बाद ग्रामीणों ने स्थानीय मुखिया सुंदर किस्कू को शव मिलने की सूचना दी, सूचना मिलने के बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव को बराकर नदी से बाहर निकाला। शव एक पुरुष की है हालांकि, शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया है और शव की शिनाख्त करने और घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है।

उपायुक्त को जनता दरबार में लगभग एक दर्जन फरियादियों ने किया आवेदन

- समस्याओं को त्वरित समाधान हेतु अधिकारियों को दिए गए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर लगभग एक दर्जन फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर उपायुक्त के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए। प्रस्तुत समस्याओं में भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि पर्चा (एलपीसी) निर्गत करना, भूमि हड़पने,भू-मुआवजा, रसीद निर्गत करना,बैट्री साइकिल उपलब्ध करने,विद्यालय में नामांकन, जन वितरण प्रणाली में दुकान उपलब्ध कराने, मारपीट, गाली-गलौज जैसी शिकायतें शामिल रहीं।

केस दर्ज करने के नाम पर एक लाख रुपए मांगने वाला दरोगा सस्पेंड

जमशेदपुर। केस दर्ज करने के नाम पर एक लाख रुपया मांगने वाले दरोगा को सस्पेंड कर दिया गया। एसएसपी पीयूष पांडे ने सिटी एसपी की रिपोर्ट पर कदमा थाना के दरोगा सुनील कुमार दास को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। दरोगा पर कदमा निवासी दुर्गा कुमारी से दहेज प्रताड़ना के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के नाम पर एक लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप था।

महिला ने दहेज प्रताड़ना का आवेदन लेकर कदमा थाना का रुख किया था, लेकिन दरोगा सुनील कुमार दास ने बार-बार थाना बुलाकर उनसे एक लाख रुपये की मांग की। इसकी शिकायत टेल्को निवासी भाजपा नेता अंकित आनंद ने की थी। अंकित ने 5 जून को महिला और उनके भाई के साथ एसएसपी को लिखित शिकायत सौंपी थी और ट्वीट के माध्यम से मुख्यमंत्री, डीजीपी, कोल्हान डीआईजी और राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार को सूचित किया था।

मकानों में नंबर प्लेट लगाने के नाम पर 50 रुपए लिए जाने का झामुमो ने की आपत्ति

मामला गंभीर है, जल्द ही इसकी जांच कराई जाएगी : सांसद जोबा

नवीन मेल संवाददाता

चाईबासा। जिले में केन्द्र की भाजपा सरकार के पहल पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्त, बाल-विवाह, एवं दहेज उत्पीड़न नाम जैसे अभियान में जागरूकता हेतु स्लोगन/नारा अंकित कर मकान में नम्बर प्लेट लगाने के नाम पर गरीब जनता से प्रति मकान 50 रुपए लिए जाने का झारखंड मुक्ति मोर्चा, पश्चिमी सिंहभूम जिला समिति ने सांसद और उपायुक्त के समक्ष आपत्ति दर्ज किया है। वहीं सिंहभूम की सांसद श्रीमती जोबा माझी को भी परिसदन चाईबासा में इसकी जानकारी दी। जिसमें श्रीमती जोबा माझी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए झामुमो जिला समिति के पदाधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कही कि इसकी जल्द ही उपायुक्त से वार्ता कर इस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। सांसद और उपायुक्त के समक्ष आपत्ति दर्ज करने वालों में झामुमो जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम, जिला उपाध्यक्ष अकबर खान, जिला सचिव राहुल आदित्य, सह सचिव विश्वनाथ बाड़ा, बंधना उरांव और जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी शामिल थे। यह जानकारी झामुमो जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

सांसद की अनोखी पहल: 29 जून से शुरू कर हो रही है "सांसद तीर्थ दर्शन-2025" योजना

बुज़ुर्ग नागरिकों के तीर्थ यात्रा का सपना होगा साकार : मनीष जायसवाल

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान एक अनोखी पहल करते हुए "सांसद तीर्थ दर्शन-2025" नामक एक योजना की शुरुआत करने का ठाना है। सांसद तीर्थ दर्शन-2025 योजना का उद्घाटन सह प्रथम जत्थे का रवानगी आगामी 29 जून 2025 को प्रातः 11:00 बजे हजारीबाग के कटकमदाग प्रखंड स्थित नृसिंह स्थान मंदिर प्रांगण,खपरियावाँ से भव्य कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। जिसमें इस आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता प्रदेश स्तर के नेता एवं कई प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के तमाम जनता जनार्दन को इस भव्य कार्यक्रम का साक्षी बने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। इस महत्ती योजना के बाबत सांसद मनीष जायसवाल ने प्रेस- वार्ता कर बताया कि यह योजना लंबे समय के लिए शुरू किया जा रहा है ताकि क्षेत्र के जरूरतमंद वरिष्ठ जनों को सम्मान मिले और उन्हें तीर्थयात्रा कराया जा सके। इस योजना के तहत प्रति माह छह ट्रिप यात्रा कराया जाएगा जिसमें प्रत्येक ट्रिप में 65 श्रद्धालु जा सकेंगे।

इसके लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस वातानुकूलित बस होगा जिसमें 45 सीट और 20 स्लीपर सीट होंगे। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सभी पांचों विधानसभा के पांच- पांच पंचायत करके इस योजना को क्रियान्वित किया जाएगा। श्रद्धालुओं के चयन प्रक्रिया से लेकर उन्हें तीर्थ दर्शन कराने में सांसद सेवा कार्यालय की टीम तत्पर रहेगी।

प्रत्येक ट्रिप में संबंधित क्षेत्र के पांच भाजपा कार्यकर्ता साथ जाएंगे। प्रथम चरण में श्रद्धालुओं के उम्र सीमा को 60 साल तय किया गया है। यह यात्रा प्रसाद और भोजन खर्च, मंदिर आने जाने ट्रैवलिंग खर्च को छोड़कर पूरी तरह निःशुल्क होगा। प्रवास और भोजन के व्यवस्था के साथ तीर्थ स्थलों के सुलभ दर्शन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से वार्ता चल रही है।

बुजुर्गों का सम्मान, उनके तीर्थयात्रा से समाज होगा संस्कारितः सांसद

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बुजुर्गों के प्रति मेरे मन में गहरा सम्मान है। उनके आशीर्वाद और मार्गदर्शन से ही हमारा समाज संस्कारित और सशक्त बनता है। सांसद के रूप में एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सांसद तीर्थ दर्शन–2025 योजना की शुरुआत मेरे लिए केवल एक योजना नहीं, बल्कि वरिष्ठ जनों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक प्रयास है। यह आध्यात्मिक यात्रा काशी, अयोध्या, प्रयागराज और विंध्याचल जैसे पावन स्थलों तक ले जाएगी, जिससे हमारे बुजुर्गों को न केवल धार्मिक शांति मिलेगी, बल्कि उनके जीवन में आत्मिक संतोष भी आएगा। भाजपा की सेवा संकल्पना को धरातल पर उतारते हुए यह योजना पूरी तरह निःशुल्क और सम्मानजनक होगी। मेरा प्रयास रहेगा कि इस योजना से जुड़े हर श्रद्धालु को यात्रा के दौरान आदर, सुविधा और श्रद्धा तीनों का अनुभव हो। इस अवसर पर मैं क्षेत्रवासियों से आह्वान करता हूं कि इस पुनीत पहल में सहभागिता दें और बुजुर्गों को आशीर्वाद रूपी सहयात्री बनाएं।

ग्रामीण पशुपालकों को स्वरोजगार से जोड़ते हुए उनकी आय में वृद्धि करना : सुधीर

रामगढ़ । दुलमी प्रखंड के कुल्ही पंचायत सचिवालय परिसर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री पशुधन योजना के बकरा-बकरी विकास योजना के तहत एक पशु वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश एवं कुल्ही पंचायत की मुखिया चुड़गी देवी उपस्थित रहे । मौके पर कुल 23 लाभुक पशुपालकों के बीच बकरियाँ एवं आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया।

झारखण्ड सरकार
राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू-अर्जन कार्यालय, राँची)

भू–अर्जन वाद सं०–65/2024–25

प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11 (1) के अधीन)
"गोला–मूरी चार लेन पथ निर्माण परियोजना"

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है मौजा–कुसुमटिकरा, थाना संख्या–21, अंचल–सिल्ली, जिला–राँची में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना **गोला–मूरी चार लेन पथ निर्माण परियोजना** हेतु अपेक्षित है, प्रभावित परिवारों के पुर्नवासन एवं पुर्नव्यस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम/मौजा–कुसुमटिकरा, थाना संख्या–21, अंचल–सिल्ली, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश कुल रकबा–**9.478708** एकड़ भूमि मानक माप का भू–खण्ड, जिसका विस्तृत विवरणी निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :–

मौजा–कुसुमटिकरा

क्र० सं०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०) उ०	द०	पू०	प०
01	45	147	रैयती	0.022380	करमा माझी, पेशरान मगला माझी वौ जैराम माझी, पेशरान–जगना माझी वो मंगलु माझी, पेशरान–मगला माझी वो मथु माझी, पेशरान–जगना माझी वो मोती राम माझी, पेशरान–जगना माझी वो मोहन माझी, पेशरान–मगला माझी वो राम शाए माझी, पेषरान–जगना माझी वो वैजनाथ माझी वल्द शीकरा माझी वो बुधु माझी वल्द रंगलाल माझी	0	70	0	0
02	26	148	रैयती	0.348090	पुशतम माझी वल्द राधा माझी	1	2	0	0
03	26	150	रैयती	0.326773	पुशतम माझी वल्द राधा माझी	0	59	0	0
04	25	149	रैयती	0.553410	पीतम्बर शीघ वल्द मोहन शीघ	0	60	0	0
05	69	151	रैयती	0.656985	बकास्त पहनाई	1	49	0	0
06	09	192	रैयती	0.087061	कलु माझी, पेषरान–हीरा माझी, काशीनाथ माझी वल्द मादो माझी वो दलु माझी, पेशरान–हीरा माझी वो मोलु माझी पेशरान–हीरा माझी वो शलु माझी, पेशरान–हीरा माझी	0	22	0	0
07	09	250	रैयती	0.006798	कलु माझी, पेशरान–हीरा माझी, काशीनाथ माझी वल्द मादो माझी वो दलु माझी, पेशरान–हीरा माझी वो मोलु माझी पेशरान–हीरा माझी वो शलु माझी, पेशरान–हीरा माझी	0	24	0	0
08	09	193	रैयती	0.255584	कलु माझी, पेशरान–हीरा माझी, काशीनाथ माझी वल्द मादो माझी वो दलु माझी, पेशरान–हीरा माझी वो मोलु माझी पेशरान–हीरा माझी वो शलु माझी, पेशरान–हीरा माझी	0	54	0	0
09	09	255	रैयती	0.784962	कलु माझी, पेषरान–हीरा माझी, काषीनाथ माझी वल्द मादो माझी वो दलु माझी, पेषरान–हीरा माझी वो मोलु माझी पेषरान–हीरा माझी वो शलु माझी, पेषरान–हीरा माझी	1	39	0	0
10	09	259	रैयती	0.053616	कलु माझी, पेषरान–हीरा माझी, काषीनाथ माझी वल्द मादो माझी वो दलु माझी, पेषरान–हीरा माझी वो मोलु माझी पेषरान–हीरा माझी वो शलु माझी, पेषरान–हीरा माझी	0	13	0	0
11	09	262	रैयती	0.021837	कलु माझी, पेषरान–हीरा माझी, काषीनाथ माझी वल्द मादो माझी वो दलु माझी, पेषरान–हीरा माझी वो मोलु माझी पेषरान–हीरा माझी वो शलु माझी, पेषरान–हीरा माझी	0	73	0	0
12	09	335	रैयती	0.011110	कलु माझी, पेषरान–हीरा माझी, काषीनाथ माझी वल्द मादो माझी वो दलु माझी, पेषरान–हीरा माझी वो मोलु माझी पेषरान–हीरा माझी वो शलु माझी, पेषरान–हीरा माझी	0	32	0	0
13	52	194	रैयती	0.027863	अधनु माझी वल्द भीम माझी वो अर्जुन माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो पुषुआ माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो मोसमात हामु, जौजे–मोगले माझी वो राधो माझी, पेषरान–सोनाराम माझी	1	79	0	0
14	52	195	रैयती	0.821777	अधनु माझी वल्द भीम माझी वो अर्जुन माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो पुषुआ माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो मोसमात हामु, जौजे–मोगले माझी वो राधो माझी, पेषरान–सोनाराम माझी	1	59	0	0
15	52	1011	रैयती	0.055217	अधनु माझी वल्द भीम माझी वो अर्जुन माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो पुषुआ माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो मोसमात हामु, जौजे–मोगले माझी वो राधो माझी, पेषरान–सोनाराम माझी	0	35	0	0
16	52	1012	रैयती	0.055800	अधनु माझी वल्द भीम माझी वो अर्जुन माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो पुषुआ माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो मोसमात हामु, जौजे–मोगले माझी वो राधो माझी, पेषरान–सोनाराम माझी	0	29	0	0
17	52	1013	रैयती	0.258997	अधनु माझी वल्द भीम माझी वो अर्जुन माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो पुषुआ माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो मोसमात हामु, जौजे–मोगले माझी वो राधो माझी, पेषरान–सोनाराम माझी	0	62	0	0
18	52	1048	रैयती	0.010998	अधनु माझी वल्द भीम माझी वो अर्जुन माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो पुषुआ माझी, पेषरान–सोनाराम माझी वो मोसमात हामु, जौजे–मोगले माझी वो राधो माझी, पेषरान–सोनाराम माझी	0	34	0	0
19	22	196	रैयती	0.023675	छुटु माझी, पेषरान–उजरा माझी वौ जैदेव माझी, पेषरान–कुनजला माझी वो परधान माझी, पेषरान–उजरा माझी वो मोतीआ माझी, पेषरान–कुनजला माझी वो शहदेव माझी, पेषरान–कुनजला माझी	0	25	0	0
20	07	251	रैयती	0.001441	कलु माझी वल्द हीरा माझी	0	7	0	0
21	10	258	रैयती	0.045081	काषीनाथ माझी वल्द भादो माझी	0	8	0	0
22	03	331	रैयती	0.487885	कमल महतो वल्द लकल महतो	0	92	0	0
23	03	332	रैयती	0.203268	कमल महतो वल्द लकल महतो	0	29	0	0
24	68	344	गैरमजरूआ आम	0.154562	गैरमजरूआ आम	0	71	0	0
25	68	984	गैरमजरूआ आम	0.258013	गैरमजरूआ आम	1	39	0	0
26	68	1046	गैरमजरूआ आम	0.068905	गैरमजरूआ आम	0	4	0	0
27	33	966	रैयती	0.245317	छतरो माझी, पेषरान–वीरवल माझी वो वीषटु माझी, पेषरान–वीरवल माझी	0	32	0	0
28	34	967	रैयती	0.007441	छतरो माझी, पेषरान–वीरवल माझी वो वीषटु माझी, पेषरान–वीरवल माझी	0	32	0	0
29	49	968	रैयती	1.182700	मोहन माझी वल्द बालुलाल माझी	4	4	0	0
30	41	1014	रैयती	0.112835	भैरो माझी, पेषरान–लखन माझी वो शुकुल माझी, पेषरान–लखन माझी	0	11	0	0
31	41	1015	रैयती	0.244074	भैरो माझी, पेषरान–लखन माझी वो शुकुल माझी, पेषरान–लखन माझी	0	26	0	0
32	41	1016	रैयती	0.121733	भैरो माझी, पेषरान–लखन माझी वो शुकुल माझी, पेषरान–लखन माझी	0	13	0	0
33	41	1049	रैयती	0.176918	भैरो माझी, पेषरान–लखन माझी वो शुकुल माझी, पेषरान–लखन माझी	0	19	0	0
34	05	1017	रैयती	0.092746	करमा माझी वल्द मोहन माझी	0	9	0	0
35	05	1018	रैयती	0.410509	करमा माझी वल्द मोहन माझी	0	47	0	0
36	05	1050	रैयती	0.230742	करमा माझी वल्द मोहन माझी	0	22	0	0
37	03	1019	रैयती	0.091345	कमल महतो वल्द लकल महतो	0	52	0	0
38	03	1021	रैयती	0.114214	कमल महतो वल्द लकल महतो	0	25	0	0
39	03	1022	रैयती	0.016726	कमल महतो वल्द लकल महतो	0	12	0	0
40	03	1052	रैयती	0.352118	कमल महतो वल्द लकल महतो	0	41	0	0
41	67	1051	गैरमजरूआ खास	0.107831	गैरमजरूआ मालिक	0	15	0	0
42	02	1053	रैयती	0.336150	कमल महतो, पेषरान–लाकुर महतो	0	89	0	0
43	45	1054	रैयती	0.033221	करमा माझी, पेषरान–मगला माझी, वो जैराम माझी, पेषरान–जगना माझी, वो मंगलु माझी, पेषरान–मगला माझी वो मथु माझी, पेषरान–जगना माझी वो मोतीराम माझी, पेषरान–जगना माझी वो मोहन माझी, पेषरान–मगला माझी वो राम शाए माझी, पेषरान–जगना माझी वो वैजनाथ माझी वल्द शीकरा माझी वो बुधु माझी वल्द रंगलाल माझी	0	64	0	0
			कुल	9.478708					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुर्नवास और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नही करेगा या ऐसा कोई अंतरण नही करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नही उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

PR 354949 Land Reforms(25-26)#D

उपायुक्त, राँची

सुप्रभात

विचार प्रवाह

अगर मैं एक दरवाज़े से नहीं निकल पाया, तो मैं दूसरे दरवाज़े से निकल जाऊंगा या फिर एक दरवाज़ा बना लूंगा। चाहे वर्तमान कितना भी अंधकारमय क्यों न हो, कुछ शानदार ज़रूर होगा। - **रवींद्रनाथ टैगोर**

संपादकीय

सोनम क्यों बन रही हैं?

बीते माह चौबीस साल की उम्र में शादी हुई, एक महीने से थोड़ा ज्यादा समय पहले। सोशल मीडिया पर दूल्हे के परिवार की ओर से होने वाली शादी से लेकर रिसेप्शन तक की पोस्ट भरी पड़ी थीं। शादी के दौरान दुल्हन की सोशल मीडिया पर चुप्पी को समझा जा सकता है। अगर दुल्हन शादी से पहले दूल्हे के साथ सगाई करने से इन्कार कर चुकी हो, तो उसके ऐसे व्यवहार की वजह स्पष्ट ही है। होने वाले दूल्हे को उसके रवैए के बारे में कुछ शंकाएं थीं, लेकिन उन्हें खारिज कर दिया गया। आखिरकार, यह सभी सही मानदंडों, जाति, पारिवारिक स्थिति, धन के आधार पर तय किया गया विवाह था, लेकिन क्या सब कुछ ठीक था? इस शादी के बमुश्किल कुछ ही दिनों बाद ही दूल्हा मर गया और दुल्हन लापता हो गई, वह भी सुदूर मेघालय में, जो मध्य भारत से आए इंदौर के लोगों के लिए काफी अनजान जगह थी। दहशत फैल गई, जोड़े के भाई शिलांग के लिए रवाना हो गए, मीडिया ने इस खबर को उठाया, जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। जैसे-जैसे उन्माद बढ़ता गया, परिवार ने जनता और सरकार से अपील की, इंटरनेट पर सक्रिय कुछ लोगों ने मेघालय को दोषी ठहराया। कुछ अन्य ने जांच की ढिलाई पर अफसोस जताया। फिर एक दिन दूल्हे को एक गहरी खाई में मृत पाया गया। यह एक खूबसूरत शुरुआत का दुखद अंत था। दुल्हन सोनम रघुवंशी को लेकर चिंता तब और बढ़ गई, जब शव के पास उसकी खून से सनी टीशर्ट मिली।लेकिन मेघालय पुलिस को शक होने लगा था, इस कहानी में जो दिख रहा था, उससे कहीं ज्यादा कुछ था। और आखिरकार वे सही साबित हुए। लापता दुल्हन सोनम को किसी ने बंधक नहीं बनाया था, बल्कि वह खुद एक निर्दयी हत्यारी थी। एक महिला जिसने अपने पति की हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम दिया, कथित तौर पर इसलिए कि वह एक ऐसी शादी में फंस गई थी, जिसे वह नहीं चाहती थी, और एक ऐसे आदमी से प्यार करती थी, जिसे उसका परिवार कभी स्वीकार नहीं करता। यह कोई जुनून में किया गया अपराध नहीं था, बल्कि एक सुनियोजित और जान-बूझकर की गई जघन्य हत्या थी। हत्या को जायज नहीं ठहराया जा सकता। अगर आरोप सही हैं, तो सोनम को कानून का सामना करना चाहिए। लेकिन यदि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई अन्य राजा फिर से ऐसी भ्रष्टाचार का शिकार न हो, तो हमें सोनम कार्यों की निंदा करते हुए, उस सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचे की भी जांच करनी चाहिए, जिसने उसके निर्णयों को प्रभावित किया। लोगों के सवाल जायज ही हैं कि उसने राजा रघुवंशी को क्यों नहीं छोड़ दिया? वह क्यों इतना फंसा हुआ महसूस कर रही थी कि उसने तलाक के बजाय हत्या का रास्ता चुना? यह सोनम को माफ करने के बारे में नहीं है। यह उस व्यवस्था की सड़न को समझने के बारे में है, जो महिलाओं को शादी को नियति और तलाक को आपदा के रूप में देखने के लिए प्रशिक्षित करती है। भारत भर में अनगिनत घरों में लड़कियों को सहना, समायोजित होना और समझौता करना सिखाया जाता है। उन्हें बताया जाता है कि विवाह ही उनका एकमात्र सम्मानजनक भविष्य है, घर छोड़ना शर्मनाक है, तथा व्यक्तिगत खुशी को हमेशा पारिवारिक प्रतिष्ठा से पीछे रखना चाहिए। एक बेटी जो कहती है कि वह शादी नहीं करना चाहती, उसके साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है, मानो वह किसी अलिखित नैतिक परीक्षा में फेल हो गई हो।

दहशत फैल गई, जोड़े के भाई शिलांग के लिए रवाना हो गए, मीडिया ने इस खबर को उठाया, जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया।

झारखंड की विलुप्त होती परंपराओं में सहिया के साथ रहा है विलक्षण संबंध का अहसास

किसी भी संबंध का संदर्भ मानव इतिहास के पहचान से दर्ज किया जाता है। हमारे जीवन का यह एक ऐसा आधार है जिसके बल पर हम व्यक्तिगत आत्मीयता से साक्षात्कार प्राप्त करते हुए सामाजिकता, भावनात्मकता व वैज्ञानिकता आदि जीवन के तमाम पक्षों से परिचय का राह तलाशते नजर आया करते हैं। इस मायने में देखें तो अजूबा नहीं होने के बावजूद झारखंड के एक बड़े से भूभाग की अपनी अलग ही पहचान रही है और यह पहचान संबंधों के प्रति इसके मौलिक विस्तार व समर्पण को लेकर आज भी बनी हुई है।

मानवीय सहसंबंध के सोंधेपन की समझ रखने वाले लोगों के अनुसार चरित्र निर्माण के पीछे ऐतिहासिक, सामाजिक, भौगोलिक व धार्मिक घटनाओं की एक सुदृढ़ व स्पष्ट श्रृंखला होती है। इसी श्रृंखला के बल पर एक समाज अपने लिए रीति रिवाज, अनुष्ठान, चेतना, सहिष्णुता आदि के श्रृंगार का सृजन कर पाता है। ऐसा सबकुछ पूरे विश्व में देखा जा सकता है और इसे लेकर परिवार, दोस्त, प्रेम, स्नेह, समाज, व्यापार, वैज्ञानिक सिद्धांत, गणित व शब्द समूहों के बीच संबंधों के अनेकों उदाहरण देखने को मिलते हैं। दिलचस्प तौर पर इन सबसे इत्तर कोई अन्य संबंध यदि आपके समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा हो तो समझ लीजिए कि इन तमाम संबंधों को मोक्ष प्रदान करने वाली माटी का नेतृत्व झारखंड में ही कहीं नजर आनेवाला है। ऐसा इसलिए कि झारखंड की माटी का सीमांत सदियों से इस सम्मान का एक नायाब उदाहरण रहा है और इसके मर्म को जानने समझने के लिए आपको "सहिया" बनने की परंपरा का फिर से निर्णय लेना होगा।

निसंदेह सहिया की पूरी अवधारणा आज विलुप्ति के कगार पर खड़ा है अन्यथा कल तक यह इतिहास से नजरें चुराकर सहिया जोड़ने की एक अनुठी, मौलिक व अद्भुत परंपरा का यह एक सृजनकर्ता रहा है। इसके अंतर्गत सदियों से मुख्यधारा के तमाम संबंधों से अलग दो अनजाने से सूत्रों को अपने में बांधने की बातें होतीं और बहुत सहजता से उसे "सहिया" का नाम दे दिया जाता। आज यह परंपरा लगभग कुंठित होकर कहीं नेपथ्य में समा चुका है जबकि कल तक यह गांव टोलों के सीमांत व संपूर्ण आबादी के लिए आदर्श हुआ करता था। इस आदर्श के प्रति समर्पित पीढ़ी का अभी भी अवसान नहीं हुआ है जिसने माँ, बाप, भाई, बहन, जीजा, साली, दादा, दादी, मामा, मामी, नाना, नानी आदि पारिवारिक संबंधों के साथ साथ जाति, धर्म, संप्रदाय व आर्थिक स्थिति आदि से बने तमाम नातेदारियों के सार्वभौमिक रिश्तों के अतिरिक्त सहिया के नाम पर एक नया प्रयोग देखा है। इसे इस क्षेत्र विशेष की विशिष्टता के तौर पर भी देखा जा सकता है जब दो लोगों के द्वारा सहिया का संबंध स्थापित करते ही हम तमाम बाध्यताओं के उपर "सहिया माँ" और "सहिया बाप" जैसे अटूट संबंधों की एक विशिष्ट परंपरा के रिश्ते से बंध जाया करते थे। ऐसा तब है जबकि इसे लेकर कहीं कोई प्रामाणिक इतिहास मौजूद नहीं है फिर भी इस रिश्ते की महक कुछ ऐसी रही है कि इसकी खूशबू आज भी यथावत बना हुआ है। विवाह की परिधि से बाहर जाकर रिश्ते बनाने और उसे आजीवन सम्मान देने का इससे बेहतर अनुभव शायद ही कहीं देखने सुनने को मिले जब दो जोड़ीदारों के बीच महज थोड़े से नेग दस्तूर के साथ सहिया जोड़ने का जुगाड़ होते ही नातेदारी का एक नया सा आधार मिलता चला जाता हो। वैश्विक धरातल पर नातेदारी की बुनियाद का आधार जन्म और विवाह ही रहा है परन्तु सहिया के मामले में ऐसा कुछ भी नहीं रहा है।

पुत्र पुत्रियों की समान संख्या के एक आसान से शर्त की बुनियाद पर जोड़ी का निर्धारण हुआ और आम की पत्ती, लोटा भर पानी, गुलैंची के कुछ फूल, अक्षत, सिंदूर, चुड़ी, एक धोती व रंगीन साड़ी के बूते अनुष्ठान की औपचारिकता पूरी हो गई और देखते देखते एक नये से अटूट रिश्ते के प्रति अगाध श्रद्धा का अध्याय प्रारंभ हो गया। इस रिश्ते की खूबसूरती का अनुमान सिर्फ एक तथ्य से लगाया जा सकता है कि महज दो लोगों के बीच सहिया संबंध के स्थापित होते ही अब इन दोनों परिवारों के शेष सदस्यों के लिए सहिया बाप, सहिया माय, सहिया आजा, सहिया आजी, सहिया दीदी व सहिया भाटू जैसी एक नई रिश्तेदारी कायम होती चली गई। मजे की बात यह भी कि आर्थिक, धार्मिक, निजी, जन्मगत व वैवाहिक संबंधों आदि से निर्धारित नातेदारी की तुलना में इनका सम्मान कभी भी कमतर नहीं आंका जा सका। झारखंडी माटी की समझ रखने वाले लोगों को यह बखूबी पता है कि अब यह परंपरा भले समाप्ति के अंतिम छोर पर है परन्तु सहिया की विस्तृत परिधि के कारण इसकी प्रतिष्ठा अभी भी बनी हुई है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज की बात

केदारनाथ दास
बसिया, गुमला।

नारी हृदय के मनोभावों को उकेरता उपन्यास मोगरा एक प्रेमपुष्प

पूजा मणि रचित उपन्यास "मोगरा- एक प्रेम पुष्प" बिहार के प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगर मुंगेर एवं इसके किला को समर्पित है। पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व वाली मुंगेर नगरी आज तक कमतर ही आंकी जाती रही है। इसके ऐश्वर्य गाथा का पुनर्गान बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे लेखिका पूजा मणि ने बेहद सफलतापूर्वक निभाया है। उपन्यास का शीर्षक "मोगरा एक प्रेम पुष्प" पढ़ कर लगता है कि शायद कहानी में पुष्प की ही प्रधानता होगी परंतु पढ़ते हुए ज्ञात होता है कि मोगरा इस उपन्यास की नायिका है जिसके प्रेम की खुशबू पूरे उपन्यास में महसूस की जा सकती है। मोगरा इतिहास में प्रसिद्ध मुगल शासक मीर कासिम की बांदी है जिसे अंग्रेज,कैप्टन विलियम्स से प्रेम हो जाता है। मोगरा की नजरों से ही लेखिका ने मुंगेर के किले का,गंगा नदी के तट- सौंदर्य, आसपास के दर्शनीय स्थलों का रोचक वर्णन किया है ।कैप्टन विलियम्स के जरिए भारत और बिहार की संस्कृति, यहां के धर्म और आध्यात्मिक श्रेष्ठता को दर्शाने का भी कार्य किया है। बिहार में प्रचलित छठ महापर्व का जिक्र भी इस उपन्यास में आया है, जिसके बिना मुंगेर का वर्णन पूर्ण हो भी नहीं सकता ।एक अंग्रेज द्वारा बूढ़े बाबा की देखरेख में एक मुस्लिम लड़की के लिए छठ व्रत करना,यही दिखाने का प्रयास है कि छठ महापर्व सभी वर्जनाओं से परे है एवं सच्ची भक्ति इंसान में अपार शक्ति का संचार करती है। नारी मन सहज प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है। चाहे वह प्रेम किसी पुरुष से हो, बच्चे से हो अथवा राष्ट्र से। उपन्यास की नायिका मोगरा भी प्रेम के सभी रूपों से ओत-प्रोत है या यूं कहूं कि प्रेम - पुष्प के समान है तो अतिशयोक्ति न होगी। एक ओर जहां वह कैप्टन विलियम्स से प्रेम करती है, वहीं मीर कासिम की औलादों गुल और पनाग से उसका वात्सल्य प्रेम पराकाष्ठा पर है। जब बात राष्ट्र प्रेम की आती है तब वह अपने प्रेम का बलिदान करना ही सर्वथा योग्य समझती है और अपने प्रेमी कैप्टन विलियम्स का कत्ल करने में भी नहीं हिचकती है। लेखिका पूजा मणि द्वारा उपन्यास का शीर्षक "मोगरा एक प्रेम पुष्प" सार्थक प्रतीत होता है। कुछेक टंकण त्रुटियों को नजर अंदाज कर दें तो लेखिका द्वारा शब्दों का चयन पूरी कहानी में भाषा प्रवाह सहज बनाए रखता है। पात्रों का चयन भी कहानी के अनुकूल ही है, कहीं से भी पात्र या संवाद जबरदस्ती थोपे हुए प्रतीत नहीं होते। सरल शब्दावली में पात्रों का चरित्र चित्रण, ऐतिहासिक घटनाक्रम के साथ-साथ प्रेम कहानी पाठकों में उत्सुकता और रोचकता बनाए रखते हैं। इसके लिए लेखिका बधाई की पात्र है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

पुस्तक की बात

सदानंद सिंह यादव

रक्तदान : जीवन का अमूल्य उपहार

(विश्व रक्तदान दिवस विशेष)

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस मनाया जाता है, जो न केवल रक्तदाताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक अवसर है, बल्कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह दिन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि जब हमारे चारों ओर आधुनिक जीवन की आपाधापी है, तब भी मानवता का सबसे बड़ा धर्म दूसरों के जीवन की रक्षा करना कैसे बना रह सकता है। विश्व रक्तदान दिवस की शुरुआत 2004 में विश्व स्वास्थ्य संगठन, रेड क्रॉस सोसाइटी और अन्य संस्थाओं द्वारा की गई थी। यह दिवस महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्होंने रक्त वर्गीकरण प्रणाली (ए, बी, एबी, ओ) की खोज कर मानव चिकित्सा में क्रांति ला दी थी। इस दिवस को मनाने का मूल उद्देश्य है, रक्तदान के महत्व पर जागरूकता फैलाना, स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना, सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना, रक्तदाताओं को सम्मान देना। आज जब जीवन गति पकड़ चुका है और हर व्यक्ति अपने लक्ष्य की दौड़ में व्यस्त है, ऐसे में "रक्तदान" जैसे सेवा-कार्य की स्मृति भी कहीं पीछे छूटती जा रही है। लेकिन सच यह है कि हर क्षण कहीं न कहीं कोई दुर्घटना, ऑपरेशन, प्रसव या गंभीर बीमारी में ग्रसित व्यक्ति रक्त की आवश्यकता से जूझ रहा होता है। भारत जैसे विशाल देश में हर साल लगभग 1.2 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है, लेकिन स्वैच्छिक रक्तदान की दर अभी भी अपेक्षित मात्रा से कम है। इसलिए युवा वर्ग की भूमिका इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आज की युवा पीढ़ी जब सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग और वायरल विषयों के पीछे भागती है, तब उन्हें यह समझने की आवश्यकता है कि "रक्तदान भी एक ट्रेंड बन सकता है, जीवन बचाने वाला ट्रेंड।" रक्तदान से न केवल कोई अनजान व्यक्ति जीवन प्राप्त करता है, बल्कि दानी को आत्मिक संतुष्टि, स्वास्थ्य लाभ, समाज में सम्मान, और मानवता के पथ पर चलने की प्रेरणा मिलती है। शिक्षण संस्थानों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे इस दिवस पर रक्तदान शिविरों का आयोजन करें, जहां छात्र-छात्राएं न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की जानकारी पाएं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का बोध भी प्राप्त करें। यह मिथक कि रक्तदान से कमजोरी आती है, अब विज्ञान द्वारा कई बार खंडित हो चुका है। बल्कि नियमित रक्तदान से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जैसे रक्त में आयरन की मात्रा संतुलित रहती है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। नई रक्त कोशिकाएं बनने की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे शरीर सक्रिय रहता है। लिवर संबंधित समस्याओं में सुधार देखने को मिलता है। कैंसर, स्ट्रोक, थक्का जमने जैसी बीमारियों की संभावना भी कम होती है। जब एक व्यक्ति रक्तदान करता है, तो वह केवल रक्त नहीं देता, बल्कि जीवन की आशा देता है। इसके सामाजिक लाभ अनगिनत हैं जिससे सामुदायिक सौहार्द बढ़ता है, आपसी सहयोग और सेवा की भावना उत्पन्न होती है, आपातकालीन स्थितियों में रक्तदाताओं की सूची जीवनरक्षक सिद्ध होती है, रक्तदाताओं के नेटवर्क बनने से तत्काल मदद की संभावना बढ़ती है। भारतीय संस्कृति में "दान" की परंपरा अत्यंत प्राचीन है।

हमारे शास्त्रों में कहा गया है:

"सर्वे सन्तु निरामयाः" – सभी स्वस्थ रहें

"दानं श्रेयः, न तु संग्रहः" – संग्रह नहीं, दान श्रेष्ठ है। महाभारत में युधिष्ठिर ने कहा था –

"प्राणदानं परं दानं" – जीवनदान सबसे बड़ा दान है। इन पंक्तियों से यह स्पष्ट है कि रक्तदान जैसे कर्म हमारे धार्मिक ग्रंथों और जीवन दर्शन में भी उच्च स्थान रखते हैं। भारत में आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति कई भ्रांतियां हैं। महिलाएं रक्तदान से कतराती हैं, युवाओं को सही जानकारी नहीं मिल पाती, और जागरूकता का अभाव बना रहता है। इसके लिए जरूरी है कि: स्वास्थ्य विभाग जागरूकता अभियान चलाए। एनएसएस, एनसीसी, युवा संगठन रक्तदान शिविर आयोजित करें। स्कूलों में स्वास्थ्य और मानव सेवा पर विशेष व्याख्यान दिए जाएं। मीडिया और सोशल मीडिया का रचनात्मक उपयोग किया जाए। प्रेरणा बनें – रक्तदाता बनें, हर वर्ष लाखों लोग सड़क दुर्घटना, थैलेसीमिया, कैंसर, प्रसव के समय रक्त की कमी के कारण असमय काल कवलित हो जाते हैं। यदि हर योग्य व्यक्ति साल में दो बार भी रक्तदान करे, तो देश में रक्त की कभी कमी नहीं हो सकती।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात

डॉ दीपक प्रसाद
रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

भीतर सिद्ध न हो सके, बाहर हुए प्रसिद्ध।
घर कौ जोगी जोगना, आन गाँव का सिद्ध।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

पिता के 'आलोक' से हुआ जीवन ज्योतिर्मय

(फादर्स डे 15 जून पर विशेष)

हम सबकी जीवन यात्रा में माता पिता का आशीर्वाद और सहयोग सर्वाधिक होता है। बच्चों के लिए माता पिता धरती पर जीवंत भगवान का स्वरूप होते हैं। मेरी जीवनयात्रा में भी मेरे पिता स्वर्गीय दामोदर प्रसाद तुलस्यान का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है । प्रायः पिता का प्रेम,उनका ममत्व ,परिवार रूपी नेह नीड़ के लिए उनका मूक समर्पण, और जीवन प्रबंधन की उनकी छोटी बड़ी सीखें अनदेखी रह जाती हैं। बहुत कम लोग महसूस करते हैं कि प्रत्येक पिता के भीतर एक माँ होती है जो बिना प्रतिदान की इच्छा के परिवार को संघर्ष के तूफ़ानों के बीच उसी प्रकार संभालती है जिस प्रकार ओजोन की परत धरती के नाजुक हृदय को सूरज की पराबैंगनी किरणों से संभालती है । मेरा मानना है कि पिता से धन से अधिक मूल्यवान जो धन मिलता है वह चरित्र की पूँजी, आचरण की प्रेरणा और विचार की अनमोल विरासत होती है । सब कुछ इन्हीं से मिलता है। मुझे भी मेरे पिता ने आचरण का महनीय पाठ पढ़ाया जिसने जीवन के झंझावातों में सदैव मेरी सुरक्षा की है ,पथ पर पाथेय की तरह मुझे ऊर्जा दी है । पिता के चारित्रिक आलोक ने इस आलोक का जीवन ज्योतिर्मय कर दिया। पिता जी से पहला सबक मेरे लिए यह था कि दिनचर्या में सजगता और आत्मानुशासन होना चाहिए। वे कहते थे कि बिना अनुशासन के महान लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सकते। सुबह सुबह हम दोनों बगीचे की सैर करते थे। प्रकृति की आनंदमय पाठशाला में बाबूजी मुझे जीवन के सबक पढ़ाते थे। थोड़ा बड़ा हुआ तो बाबूजी ने मुझे छोटे छोटे पारिवारिक और सामाजिक उत्तरदायित्व सौंपने प्रारंभ कर दिए। मुझे समाज और जीवन से परिचित कराने का यह उनका अनूठा तरीका था ताकि मैं जीवन में संबंधों की महिमा और जिम्मेदारियों के भार का मूल्य जान सकूँ।

युवावस्था में अपनी पढ़ाई के लिए मुझे कलकत्ता(अब कोलकाता) में निवास करना पड़ा। यहाँ उनकी उपस्थिति मुझे सुंदर लिखावट वाले उनके पत्रों के रूप में मिलती थी। उनके पत्र मुझे सामर्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा से भर देते थे वैसे ही जैसे निबिड़ अंधकार को अरुणोदय आलोक से भर देता है। व्यवहार की तरलता, व्यक्तित्व की सरलता, कर्म की निष्ठा और विचार की श्रेष्ठता ये सब कुछ मुझे पिता जी से ही प्राप्त हुआ। वे प्रतिदिन रामायण की चौपाई का पाठ करते थे। गीताप्रेस से प्रकाशित 'तत्वविवेचनी गीता' की एक प्रति मुझे देकर उन्होंने मेरा परिचय इस अनूठे ग्रंथ रत्न से करवाया। इस तरह धार्मिकता और आध्यात्मिकता का संस्कार बीजरूप में मुझे अपने पिता से ही मिला। बासठ वर्ष की अल्पायु में मेरे पिता ने शरीर त्याग दिया। यह मेरे पूरे परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति थी लेकिन यहाँ भी भगवान की ओर से एक मार्गदर्शक की व्यवस्था थी । भगवान ने मेरे ससुर श्री सोहन लाल गाडोदिया के रूप में पितृछाया का आशीर्वाद मेरे ऊपर बनाये रखा। धीरे धीरे वे ही मेरे लिए पितृछाया बन गए । वे मुझे 'आलोक बाबू' कहकर बुलाते थे । ससुर जी के मार्गदर्शन ने मेरी प्रगति के रथ को विस्तार दिया । उन्होंने हमेशा इस बात का ध्यान रखा कि मैं अपनी माताजी को समय दूँ, उनके पास बैठूँ और उन्हें धन आदि के उपहार दूँ । वे कहते थे पति की छाया से वंचित होने पर स्त्री असहाय हो जाती है। बहुत सूक्ष्म दृष्टि ही ऐसा देख सकती है। माँ के पास बैठने का अर्थ उनके न रहने पर अब ज़्यादा अच्छे से समझ आता है। एक बात जब मेरी माताजी ने पितृ देवताओं की स्मृति में भागवत कथा करवाने का सुझाव दिया तो मेरे पितातुल्य ससुर ने मुझे इस कथा को अविलंब प्रारंभ करने का सुझाव दिया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

आलोक तुलस्यान

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

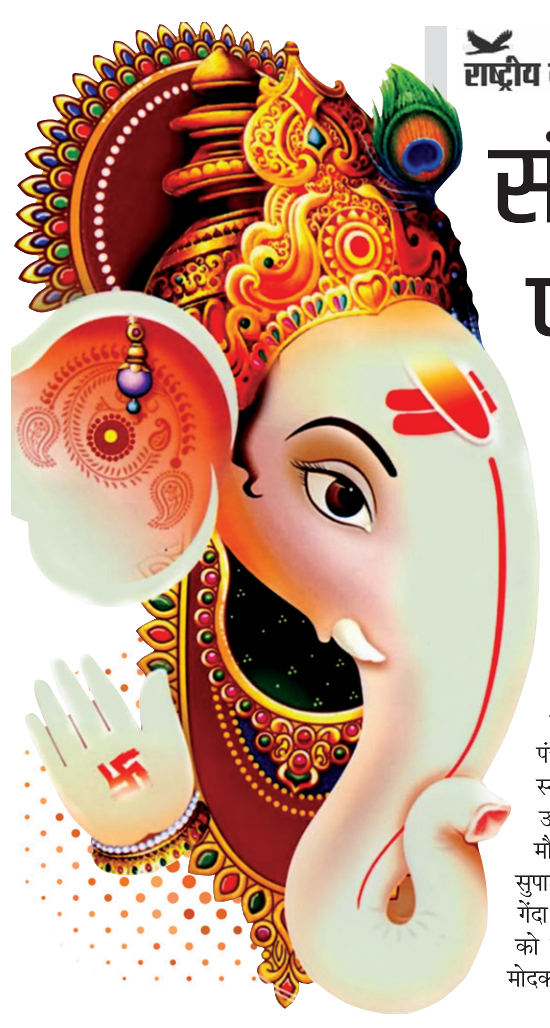

संकष्टी चतुर्थी पर आज करें विशेष पूजन, मिलेगा संकटों से मुक्ति

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रणम्य शिरसा देवं गौरी पुत्र विनायकं... भूत और गण आदि के देव और उमा के पुत्र भक्तों के शोक का न केवल नाश करते हैं बल्कि विघ्नबाधा को भी खत्म करते हैं। बाबा विश्वनाथ के दिए वरदान के अनुसार जो कोई भी सर्वप्रथम गजानन की पूजा करता है, उसे किसी तरह की समस्याओं या बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ता। 14 जून को 'संकष्टी चतुर्थी' है। गौरी पुत्र को प्रसन्न करने के लिए विशेष पूजन और पाठ का महात्म्य है।

पंडित विनय त्रिपाठी ने बताया, "सर्वप्रथम गणपति को पंचामृत (जल, घी, दही, दूध, शहद) जल या गंगाजल से स्नान करवाना चाहिए। इसके बाद देसी घी और सिंदूर का उनके शरीर पर लेप करना चाहिए। इसके बाद क्रमशः रोली, मौली, अक्षत, इत्र, जनेऊ, अबीर-बुक्का चढ़ाने के साथ पान, सुपाड़ी, लौंग, इलाइची आदि भी चढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही गेंदा या गुड़हल की माला के साथ 3, 11 या 21 दूब भी गजानन को चढ़ाना चाहिए।इसके बाद घी का दीपक प्रज्वलित कर मोदक, केला, हलवा आदि का भगवान को भोग लगाना चाहिए और संकट नाशक स्त्रोत के साथ-साथ अन्य श्लोक का पाठ करना चाहिए। नारद पुराण में वर्णित संकष्ट मंत्र का भी पाठ करना चाहिए। जो इस प्रकार है- प्रणम्य शिरसा देवं गौरीपुत्रं विनायकम्। भक्तावासं स्मरेन्नित्यमायुःकामार्थ सिद्धये। प्रथमं वक्रतुण्डं च एकदन्तं द्वितीयकम्।

प्रणम्य शिरसा देवं...'संकष्टी चतुर्थी' पर गजानन की ऐसे करें पूजा, प्रसन्न होंगे गौरीपुत्र

हिंदू धर्म में हर माह की चतुर्थी तिथि पर संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। यह दिन भगवान शंकर और माता पार्वती के पुत्र गणपति को समर्पित है। आषाढ़ मास की चतुर्थी का भी विशेष महत्व है। धर्म शास्त्रों के अनुसार संकष्टी चतुर्थी संकटों को हरने वाला है। दृग पंचांग के अनुसार, कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 14 जून को दोपहर 3 बजकर 46 मिनट पर शुरू होकर 15 जून को दोपहर 3 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। काशी के ज्योतिषाचार्य और धर्मशास्त्र के जानकार पंडित विनय त्रिपाठी बताते हैं कि संकष्टी चतुर्थी का व्रत कई समस्याओं का निवारण करता है। इस बार चतुर्थी तिथि 14 जून को है और इस दिन उत्तराषाढ़ा नक्षत्र और ब्रह्म योग का भी संयोग बन रहा है।

गंदगी फैलाने वालों की खैर नहीं, नगर निगम ने शुरू किया अभियान

फोटो भेजो और पाओ 500 रुपए का इनाम

वाराणसी (आईएएनएस)

वाराणसी में सड़क पर कूड़ा फेंकना लोगों को भारी पड़ने वाला है। स्वच्छता को लेकर वाराणसी नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। अब गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई में आम जनता भी भागीदार बनेगी। इस दिशा में वाराणसी नगर निगम ने कार्यकारिणी की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया। नगर निगम ने तय किया कि अगर कोई व्यक्ति मोहल्ले या सार्वजनिक स्थानों पर किसी व्यक्ति की ओर से कचरा फेंकने, थूकने, खुले में शौच करने या अन्य किसी भी तरह की गंदगी फैलाने वाले की फोटो ऐप पर अपलोड करता है तो उसकी पहचान गोपनीय रखते हुए उसे 500 रुपए इनाम दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य न सिर्फ शहर को स्वच्छ बनाना है, बल्कि लोगों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करना है। नगर निगम के पीआरओ संदीप श्रीवास्तव ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया कि स्वच्छता को लेकर वाराणसी नगर निगम लगातार काम कर रहा है। सभी 100 वार्डों में घर-घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था की गई है। कूड़े का उठान हो रहा है और उसका निस्तारण भी किया जा रहा है। शहर में जितने भी कूड़ाघर हैं, उनको धीरे-धीरे समाप्त करने की प्रक्रिया चल रही है। 25 कूड़ाघर थे, जिसमें से 19 को समाप्त किया जा चुका है। जो बाकी बचे हुए हैं, उनके लिए काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, "लगातार देखने को मिला है कि सफाई के तुरंत बाद लोग सड़कों पर कूड़ा फेंक जाते हैं। इसको देखकर नगर निगम ने कदम उठाया है कि कोई भी व्यक्ति सड़क पर कूड़ा फेंकता है और कोई दूसरा व्यक्ति उसकी फोटो खींचकर निगम के ऐप पर भेजता है तो उस व्यक्ति को इनाम के रूप में तत्काल 500 रुपए दिए जाएंगे। कार्यकारिणी की मीटिंग में फैसले को मंजूरी दी गई है और कार्यवाही पूरी होने के बाद इसको लागू कर दिया जाएगा।

अमृतसर में अवैध हथियार तस्करी का पर्दाफाश, चार लोग गिरफ्तार

अमृतसर (आईएएनएस)

सीमा पार हथियार तस्करी अभियान को एक बड़ा झटका देते हुए, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और नौ हथियारों की बरामदगी के साथ चार गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पंजाब डीजीपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "खुफिया जानकारी के आधार पर की गई कार्रवाई में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने इटली स्थित गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी से जुड़े एक अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, जो पाकिस्तान स्थित तस्करों के साथ मिलकर काम कर रहा था। पुलिस ने चार गुर्गों को गिरफ्तार किया है और 9 हथियार बरामद किए हैं। आपूर्ति मार्गों का पता लगाने, अतिरिक्त सहयोगियों की पहचान करने और विदेशी संचालकों के साथ गहरे संबंध स्थापित करने के लिए आगे की जांच चल रही है। आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट, पीएस घरिंडा के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है।

अमरनाथ यात्रा के लिए आधुनिक ट्रांजिट कैंप तैयार, एसी और सीसीटीवी की सुविधा

सांबा (आईएएनएस)

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में प्रशासन ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली श्री अमरनाथ यात्रा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए हैं। पर्यटन विभाग ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए अज्ञानी गांव में एक आधुनिक ट्रांजिट कैंप तैयार किया है। इस कैंप में एयर-कंडीशंड हॉल, सीसीटीवी कैमरे और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और आरामदायक अनुभव मिले। जम्मू टूरिज्म विभाग के निदेशक विकास गुप्ता ने शुक्रवार को कैंप का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि 200-250 यात्रियों की क्षमता वाला एक नया हॉल बनाया गया है, जिसमें एसी की व्यवस्था है। पहले यहां केवल शेल्टर था। लेकिन अब मजबूत कंक्रीट दीवार और चेन-लिंक फेंसिंग की गई है। उन्होंने बताया कि निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए जनरेटर और हाई-मास्ट लाइट्स लगाए गए हैं। स्वच्छ पानी के लिए बोरवेल और साफ-सफाई के लिए अलग-अलग पुरुष और महिला बायो-टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। लंगर के लिए भी पर्याप्त जगह बनाई गई है।

पीएम ने सर्वाइवर रमेश का जाना हालचाल

प्लेन क्रैश में जिंदा बचे एकमात्र यात्री से मिले प्रधानमंत्री मोदी

अहमदाबाद (हि.स.)

गुजरात के अहमदाबाद में हुई भीषण विमान दुर्घटना ने सिर्फ देश ही नहीं, सारी दुनिया को भी झकझोर दिया है। इस हादसे में 265 लोगों की मौत हो गई, लेकिन एक खुशनसीब यात्री हैं रमेश विश्वास कुमार। वह काल के मुंह से बाहर आ गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज इस चमत्कारिक रूप से बचे यात्री से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

विश्वास की आपबीती : अस्पताल के बेड पर लेटे रमेश विश्वास ने बताया, "रनवे पर विमान की रफ्तार बढ़ने के साथ ही मुझे कुछ अजीब सा महसूस हुआ। अचानक 5-10 सेकंड के लिए सब कुछ थम सा गया। फिर एकाएक हरी और सफेद लाइट्स जलीं। ऐसा लगा पायलट ने टेकऑफ के लिए पूरी ताकत लगा दी हो। और फिर विमान इमारत से टकरा गया।

मेरी सीट वाला हिस्सा शायद नीचे गिरा : विश्वास ने बताया कि जिस जगह पर वह बैठा था, वह हिस्सा शायद बिल्डिंग के नीचे के हिस्से से टकराया था। ऊपर आग लगी हुई थी और कई लोग उसमें फंस गए थे। शायद मैं सीट के साथ नीचे गिरा और किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहा। दरवाजा टूटा हुआ था, सामने थोड़ी खुली जगह दिखी तो मैं निकलने की कोशिश की।

दूसरी तरफ दीवार थी... : रमेश ने कहा कि उसने दो एयर होस्टेस, एक अंकल-आंटी और अन्य लोगों को जलते देखा। इस हादसे में मेरा बायां हाथ बुरी तरह झुलस गया, लेकिन जान बच गई। वह कहता है, "जैसे ही मैं बाहर आया, आग तेजी से फैल गई। अगर कुछ सेकंड और रुक जाता, तो शायद...।"

मेरा भाई भी मेरे साथ था : रमेश और अजय दो भाई हैं जो यूके के लेस्टर शहर में रहते थे। दोनों साथ यात्रा कर रहे थे। तीसरे भाई नयन भी वहीं रहते हैं।

उन्होंने टेलीफोन पर बातचीत में कहा, "हमने रमेश से बात की, वह अस्पताल में है और ठीक है। लेकिन अजय की कोई खबर नहीं है। हम लगातार जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। नयन ने कहा, "हम अगली फ्लाइट से भारत के लिए रवाना हो रहे हैं। उम्मीद है कि जैसे रमेश सुरक्षित है, वैसे ही अजय के बारे में भी कोई अच्छी खबर मिले।" जब रमेश से पूछा गया कि हादसा कैसे हुआ, तो उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता... मैं कैसे बचा, ये भी समझ नहीं आ रहा।

परिवार में गम का माहौल : रमेश की जान बचने से परिवार को थोड़ी राहत है, लेकिन अजय की जानकारी न मिलने से सभी परेशान हैं। माता-पिता और पत्नी गहरे सदमे में हैं। मोहल्ले में मातम पसरा है और पड़ोसी व रिश्तेदार भी इस घटना से बेहद दुखी हैं।

ईंधन जलने से तापमान बहुत अधिक होने के कारण किसी को बचाने की गुंजाइश ही नहीं थी : अमित शाह

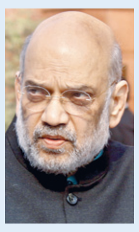

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान का तापमान ईंधन जलने के कारण इतना अधिक था कि किसी को बचा पाने की कोई गुंजाइश ही नहीं थी।शाह ने संवाददाताओं से कहा, "विमान के अंदर 1.25 लाख लीटर ईंधन था। विमान गर्म हो गया था, इसलिए किसी को भी बचाने की गुंजाइश नहीं थी।" उन्होंने कहा कि इस त्रासदी के बाद पूरा देश गहरे सदमे में है। शाह ने दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की।

हॉस्टल के बाहर बेटे की मौत, मां घायल, परिवार में मातम

अहमदाबाद (आईएएनएस)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में कई घरों के चिराग बुझ गए। विमान में सवार 242 में से 241 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। यात्रियों के अलावा एयरपोर्ट से कुछ दूरी पर हॉस्टल के बाहर चाय बेचने वाले मां-बेटे भी हादसे की चपेट में आ गए। इसमें 14 साल के बच्चे की जान चली गई।

अहमदाबाग विमान हादसे में मणिपुर की दो क्रू मेंबर्स की मौत

इंफाल (आईएएनएस)। अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त होने वाले एयर इंडिया विमान में मणिपुर की दो केबिन क्रू मेंबर शामिल थीं। दोनों की इस हादसे में मौत हो गई। उनकी पहचान 20 वर्षीय कोंगबरीलात्पम नगंथोई शर्मा और 26 वर्षीय लमनुंथेम सिंगसन के रूप में की गई।

पटना की एयर होस्टेस मनीषा थापा की भी हादसे में हुई मौत

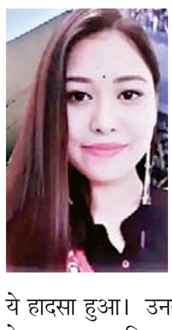

पटना/अहमदाबाद। भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को तबाह कर दिया है. इस हादसे में 265 लोगों की जान चली गई, जिसमें बिहार की राजधानी पटना के होनहार एयर होस्टेस मनीषा थापा भी शामिल हैं। मनीषा एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 में अपना कर्तव्य निभा रही थी, जब ये हादसा हुआ। उनकी असामयिक मृत्यु से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा जगदेव पथ के अशोभनीय शोक में डूब गया है।

रिक्शा चलाकर पढ़ाया, बेटी पहली बार जा रही थी लंदन

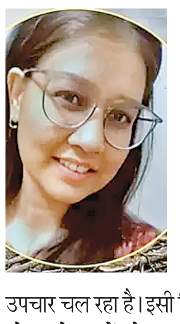

अहमदाबाद । गुरुवार को अहमदाबाद में एक बड़ा विमान हादसा हो गया। अहमदाबाद से टेकऑफ करने वाली एअर इंडिया की AI 171 फ्लाइट कुछ देर बाद ही क्रैश हो गई। इस हादसे में विमान में वार 241 लोगों की जान चली गई। हालांकि, एक यात्री इस हादसे में बच गया। जिसका उपचार चल रहा है। इसी विमान में एक भारत की बेटी जो अपने सपनों को उड़ान देने के लिए लंदन जा रही थी, उसकी भी इस हादसे में दुखद मौत हो गई।

कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार की गुलाम, सच्चाई पचाने का सामर्थ्य नहीं

भोपाल (आईएएनएस)

भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह के खिलाफ पार्टी की अनुशासनात्मक कार्रवाई पर तीखा हमला बोला है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस में अब न तो 'राम' बचेगा और न ही 'लक्ष्मण', क्योंकि पार्टी पूरी तरह से सोनिया गांधी के परिवार की गुलाम हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस में सत्य बोलने की हिम्मत अब किसी में नहीं बची, क्योंकि कड़वी सच्चाई को पचाने का सामर्थ्य पार्टी में नहीं है। रामेश्वर शर्मा ने मध्य प्रदेश कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में आंतरिक कलह चरम पर है। कांग्रेस नेता अपने बेटे-बेटियों को स्थापित करने में व्यस्त हैं, जिससे पार्टी में आपसी टकराव और बढ़ गया है। कांग्रेस में न तो एकता है और न ही कोई सिद्धांत। सभी अपने परिवार को आगे बढ़ाने की होड़ में लगे हुए हैं। बीजेपी के प्रशिक्षण कार्यक्रम पर कांग्रेस के बयानों का जवाब देते हुए रामेश्वर शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में कभी प्रशिक्षण होता ही नहीं है। प्रशिक्षण शिविर में हमें भारत की एकता, अखंडता, राष्ट्रवाद और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांतों के लिए काम करना सिखाया जाता है। हम सेना के यश और कीर्ति के लिए समर्पित हैं। कांग्रेस को भाजपा से कुछ सीख लेनी चाहिए।

रामेश्वर शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला के हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा कि अब तो कांग्रेस के गठबंधन सहयोगी भी प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ कर रहे हैं। फारूक अब्दुल्ला भी पीएम मोदी की तारीफ कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी का सपना पूरा नहीं होगा : मदन

पटना (आईएएनएस)

बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर इंडिया ब्लॉक की बैठक पर बिहार सरकार में मंत्री मदन सहनी ने कहा कि तेजस्वी यादव सीएम बनने का सपना देख रहे हैं और मुकेश सहनी डिप्टी सीएम बनने का। लेकिन, दुर्भाग्य की बात यह है कि दोनों का सपना कभी पूरा नहीं होगा। समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत के दौरान मदन सहनी ने कहा कि बिहार में अगली सरकार एनडीए की बनेगी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बनेंगे। ऐसे में सपने देखने वाले सिर्फ सपने देखेंगे और जब हमारी सरकार बनेगी तो उनके सपने टूटकर बिखर जाएंगे। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख और बिहार सरकार में पूर्व मंत्री रहे मुकेश सहनी ने सीएम के तौर पर तेजस्वी यादव को एकमात्र चेहरा बताया है। दूसरी ओर इंडिया ब्लॉक की लगातार हो रही बैठकों के बीच मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम बताए जाने की खबरों को लेकर बिहार सरकार में मंत्री मदन सहनी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब वह खुद को डिप्टी सीएम के तौर पर प्रोजेक्ट कर रहे हैं। अब तेजस्वी यादव इसे कैसे देखते हैं, यह देखना होगा।

बिहार सरकार की निविदा अनियमितता मामले में ईडी की कई राज्यों में छापेमारी

नई दिल्ली (हि.स)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार में राज्य सरकार की निविदा में अनियमितताओं की शिकायत पर धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में कई राज्यों में छापेमारी की। इस दौरान कई आपत्तिजनक साक्ष्य और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। ईडी के मुताबिक पटना के ठेकेदार रिशु श्री के मामले में 12 जून को पटना, मुजफ्फरपुर (बिहार), सूरत (गुजरात) और पानीपत (हरियाणा) स्थित 09 ठिकानों पर छापेमारी की गई। ईडी ने कहा कि छापेमारी के दौरान कई आपत्तिजनक साक्ष्य और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। धन शोधन का ये मामला बिहार सरकार की विशेष सतर्कता इकाई (सीवीयू) की ओर से रिशु श्री और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से संबद्ध है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि इस ठेकेदार की कंपनियां बिहार सरकार के कई विभागों जैसे जल संसाधन, स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी विकास, बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम, शिक्षा, भवन एवं निर्माण और ग्रामीण कार्य विभाग में अनुबंध और उप-अनुबंध हासिल करती हैं। ईडी ने मार्च में इस मामले में कुछ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ इसी तरह की छापेमारी करके 11.64 करोड़ रुपये जब्त किए थे।

आज का राशिफल

मेष : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ।

वृष : संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

मिथुन : मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

कर्क : स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

सिंह : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

कन्या : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

तुला : महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रुकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें।

धनु : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें।

मकर : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा।

कुंभ : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे।

मीन : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें।

संस्कृतिक धरोहर | योगी सरकार के प्रयासों से यूपी पर्यटन को नई दिशा और रोजगार के अवसर मिल रहे

योगी सरकार ने पर्यटन को दी नई उड़ान और पहचान

- **संभावनाओं को साकार करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की योजनाएं लागू**

लखनऊ (आईएएनएस)

योगी सरकार के प्रयासों से आने वाले समय में यूपी में पर्यटन को और पंख लगेंगे। द वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) ने राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन के परिदृश्य के बारे में जो पूर्वानुमान जताया है, उससे इस बात के पुख्ता संकेत मिल रहे हैं। इन संकेतों में छिपी संभावनाओं को सच में तब्दील करने को योगी सरकार पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से प्रतिबद्ध भी है। प्रदेश में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की आमद बढ़ने के साथ ही इनके द्वारा यात्रा, रहने, खाने और यादगार के रूप में स्थानीय उत्पादों के खरीदे जाने से अर्थव्यवस्था तो सुधरेगी ही, इससे जुड़े ट्रांसपोर्टेशन, होटल, होम स्टे, गाइड आदि सेक्टर्स में रोजी-रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। डब्ल्यूटीटीसी की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 के राष्ट्रीय पर्यटन संबंधी आंकड़े 2019 के सभी मानकों को पीछे छोड़ चुके हैं। संस्था ने 2030 तक के लिए जो पूर्वानुमान जताए हैं, वे बेहद संभावनाओं वाले हैं। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या, राधाकृष्ण की जन्मभूमि और कर्मस्थली ब्रजभूमि उत्तर प्रदेश में ही है। तीर्थराज प्रयाग, विश्व की सबसे पुरातन नगरी एवं तीनों लोकों से न्यारी शिव की काशी, दुनिया को शांति और अहिंसा के संदेश से प्रकाशित करने वाले भगवान बुद्ध से जुड़े सभी प्रमुख स्थल कुशीनगर, सारनाथ, कपिलवस्तु भी उत्तर प्रदेश में हैं। इन सब वजहों से देश में बढ़ते पर्यटन के कारण यूपी में पर्यटन की संभावना भी बढ़ जाती है। यह हो भी रहा है। सरकारी आंकड़े इसकी तस्दीक भी कर रहे हैं। ऐसा हो इसके लिए संभावना वाले टूरिज्म स्पॉट को केंद्र बनाकर योगी सरकार पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए वैश्विक स्तर की बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है। प्राथमिकता बनाकर चरणबद्ध तरीके से यह काम हो भी रहा है।

इसमें केंद्र सरकार का भी विभिन्न योजनाओं के जरिए भरपूर सहयोग मिल रहा है। डब्ल्यूटीटीसी के अनुसार देश के लिए पर्यटन के लिहाज से साल 2025 रिकॉर्ड ब्रेकिंग हो सकता है। इसकी वजह से देश की अर्थव्यवस्था में इस सेक्टर का योगदान 22 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

धार्मिक पर्यटन बना यूपी की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ

इस पूर्वानुमान के अनुसार टूरिज्म सेक्टर से जुड़े सेक्टर्स में रोजगार पाने वालों की संख्या 48 मिलियन से अधिक हो सकती है। संस्था की ओर से साल 2030 के लिए जताए गए पूर्वानुमान के अनुसार पर्यटन से अर्थव्यवस्था को मिलने वाला योगदान 42 लाख करोड़ और रोजगार बढ़कर 64 मिलियन हो जाएगा। इन आंकड़ों में ही उत्तर प्रदेश के टूरिज्म सेक्टर की भी संभावनाएं छिपी हैं। खासकर धार्मिक पर्यटन के लिहाज से। सरकार भी इसे जानती और स्वीकार करती है।

श्रद्धांजलि | विमान दुर्घटना पर इंग्लैंड टीम ने एक मिनट का मौन रखा

इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए मैच से पहले काली पट्टी बांधी और एक मिनट का मौन रखा

लंदन (आईएएनएस)

भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीमों ने इंग्लैंड के विभिन्न हिस्सों में काली पट्टी बांधी और अहमदाबाद में हुई दुखद एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखा। गुरुवार को, लंदन के गैटविक हवाई अड्डे की ओर जा रहे एयर इंडिया के एक विमान के अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 240 से अधिक लोगों की मौत हो गई। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान हवाई अड्डे के ठीक बाहर स्थित बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें केवल एक ही जीवित बचा। बेकेनहैम में, भारतीय टीम ने भी एक पल का मौन रखा और शुक्रवार दोपहर से शुरू होने वाले अपने इंट्रा-स्क्वाड गेम से पहले काली पट्टी बांधी। "बेकेनहैम में इंट्रा-स्क्वाड गेम में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य काली पट्टी बांधे हुए हैं।" बीसीसीआई ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर कहा, "अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज एक मिनट का मौन भी रखा गया, जो कि मारे गए लोगों के प्रति सम्मान और प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता का प्रतीक है।

इस बीच, लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन के प्रसारण दृश्यों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के खिलाड़ियों ने स्टेडियम में मौजूद अंपायरों और दर्शकों के साथ अहमदाबाद में विमान दुर्घटना से प्रभावित पीड़ितों और परिवारों के प्रति एकजुटता का संकेत दिया। दोनों टीमों ने काली बांह की पट्टियां पहन रखी थीं और तीसरे दिन के खेल में पहली गेंद फेंके जाने से ठीक पहले मैदान पर फील्डिंग पोजीशन में एक पल का मौन रखा और आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने लॉर्ड्स में प्रतिष्ठित घंटी बजाई। तीसरे दिन के खेल की शुरुआत में, ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र खिताबी मुकाबले में दूसरे दिन के अंत में 144/8 के स्कोर के बाद 218 रनों की बढ़त हासिल की थी।

- ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीमें मैच में भाग ले रही थीं।
- अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की गई।
- दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने काली बांह की पट्टियां पहन रखी थीं।
- पहली गेंद फेंके जाने से पहले खिलाड़ियों, अंपायरों और दर्शकों ने एक मिनट का मौन रखा।

एमएलसी 2025 : टी20 मैच में फिन एलन ने रचा इतिहास

2017 में रंगपुर राइडर्स की ओर से क्रिस गेल ने साल खेलते हुए ढाका डायनामाइट्स के खिलाफ नाबाद 146 रन की पारी खेली थी

19 छक्कों के दम पर जड़े 151 रन

तोड़ दिए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली (आईएएनएस)

मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) की शुरुआत 13 जून (भारतीय समय के अनुसार) से हो चुकी है। सीजन के पहले ही मैच में सैन फ्रांसिस्को की ओर से खेलते हुए फिन एलन ने इतिहास रच दिया है। न्यूजीलैंड के इस स्टार ओपनर ने एमएलसी-2025 के ओपनिंग मैच में 51 गेंदों में 151 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान फिन एलन ने 19 छक्के और पांच चौके जड़े। वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ इस तूफानी पारी के साथ फिन एलन ने एमएलसी इतिहास का सबसे तेज शतक भी अपने नाम कर लिया है। उन्होंने महज 34 गेंदों में शतक पूरा कर लिया। इसी के साथ एलन ने निकोलस पूरन को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 40 गेंदों में एमएलसी में अपना शतक पूरा किया था। इस पारी के साथ फिन एलन टी20 इतिहास में एक पारी के दौरान सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एलन ने इस मामले में क्रिस गेल और साहिल चौहान को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने टी20 पारी के दौरान 18-18 छक्के जड़े थे। क्रिस गेल ने साल 2017 में रंगपुर राइडर्स की ओर से खेलते हुए ढाका डायनामाइट्स के खिलाफ नाबाद 146 रन की पारी खेली थी, जबकि साल 2024 में इस्टोनिया के साहिल चौहान ने साइप्रस के खिलाफ नाबाद 144 रन की पारी के दौरान 18 छक्के जड़े थे। मुकाबले की बात करें, तो ऑकलैंड कोलेजियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी सैन फ्रांसिस्को ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 269 रन बना दिए। ये एमएलसी इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। 65 के स्कोर तक दो विकेट गंवाने के बाद फिन एलन और संजय कृष्णमूर्ति ने सैन फ्रांसिस्को को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी हुई, जिसने टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। फिन एलन ने 151 रन की पारी खेली, जबकि कृष्णमूर्ति ने टीम के खाते में 36 रन का योगदान दिया। इनके अलावा हसन खान ने 18 गेंदों में नाबाद 38 रन की पारी खेली।

पिता के विश्वास ने निकहत जरीन को बनाया दुनिया का दिग्गज मुक्केबाज

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत में हॉकी के बाद क्रिकेट सर्वाधिक लोकप्रिय खेल के रूप में उभरा है। बेशुमार पैसे की बदौलत आज भी क्रिकेट देश में युवाओं की पहली पसंद है। लेकिन, माहौल बदल रहा है। क्रिकेट को दूसरे खेलों से चुनौती मिल रही है। इसमें पुरुषों के अलावा कई महिलाओं ने भी अहम योगदान दिया है। इसी कड़ी में एक बड़ा नाम मुक्केबाज निकहत जरीन का है। मुक्केबाजी को देश में पुरुषों का खेल माना जाता रहा है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से हराया दर्ज की लगातार तीसरी जीत

एंटवर्प (आईएएनएस)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से शिकस्त देकर यूरोप दौरे में अपना लगातार तीसरा गेम जीत लिया है। हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए इस मुकाबले में भारत की ओर से सोनम (4'), लालथंतलुंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल दागे, जबकि बेल्जियम के लिए मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए। भारत ने खेल में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी।

आरसीबी के वरिष्ठ अधिकारी सोसाले को कर्नाटक उच्च न्यायालय से मिली जमानत

बेंगलुरु (आईएएनएस)। चार जून को टीम के विजय जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो जाने की घटना के मामले में गिरफ्तार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के वरिष्ठ अधिकारी निखिल सोसले को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत दे दी है। सोसाले के साथ आरसीबी से जुड़ी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए नेटवर्क के भी दो लोगों को विशिष्ट शर्तों पर जमानत मिली है। तीनों लोगों के पासपोर्ट को जब्त कर लिया गया है।

श्रेयस अय्यर की मुंबई फाल्कंस फाइनल में हारी, मराठा रॉयल्स बने चैंपियन

मुंबई (आईएएनएस)

श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कंस को गुरुवार को मुंबई टी20 लीग के फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा जहां पर उनकी टीम वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से पांच विकेट से हार गई। यह अय्यर की बतौर कप्तान टी20 लीग में 10 दिन के अंदर लगातार दूसरी फाइनल में हार है। इससे पहले तीन जून को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा था। सोबो ने 157 रन बनाए, जिसमें अय्यर ने 17 गेंद में 12 रनों की पारी खेली। सिद्धेश लाड की कप्तानी वाली मराठा रॉयल्स ने चार गेंद और 5 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। अय्यर ने पांच पारियों में 62 रन बनाए, जिसमें 25 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। अय्यर ने फाइनल में हार के बाद कहा, "मैं किसी एक घटना पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। कुल मिलाकर, लड़कों ने अपना प्रयास शानदार ढंग से किया। हमने फाइनल में पहुंचने के दौरान सिर्फ एक मैच हारा है। अगर आप किसी की आलोचना करते हैं तो यह मूल रूप से पीठ में छुरा घोंपने जैसा है और मुझे यह पसंद नहीं है।फाइनल में हार के बाद निराश होना आम बात है। इससे खिलाड़ियों को दुख होता होगा। लेकिन जब वे अगले साल वापस आएंगे, तो उनके पास अतिरिक्त प्रेरणा और आत्मविश्वास होगा। उन्हें अपने प्रयास पर गर्व होना चाहिए। अय्यर ने कप्तान के तौर पर बेहतरीन और बेहद सफल समय बिताया है।

टोटेनहम हॉटस्पर के नए हेड कोच बने थॉमस फ्रैंक

लंदन । टोटेनहम हॉटस्पर ने थॉमस फ्रैंक को टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। थॉमस फ्रैंक के साथ यह कॉन्ट्रैक्ट साल 2028 तक के लिए रहेगा। थॉमस फ्रैंक के साथ जस्टिन कोचरन (असिस्टेंट कोच), क्रिस हसलम (हेड ऑफ परफॉर्मेंस और फर्स्ट टीम असिस्टेंट कोच) और जो न्यूटन (कोच विश्लेषक) टीम में शामिल होंगे। 2024/25 में एंज पोस्टेकोग्लू के नेतृत्व में टोटेनहम हॉटस्पर का लीग में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम 38 में से 22 मैच गंवाकर 17वें स्थान पर रही थी। यह अब तक का उसका सबसे निचला स्थान है। हालांकि, टोटेनहम हॉटस्पर ने मई में मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूईएफए यूरोपा लीग जीती और अगले सीजन में चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की की। 51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ब्रेंटफोर्ड से आते हैं। उन्हें अप्रैल 2022 में प्रीमियर लीग मैनेजर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामित किया गया था।

फैमिली इमरजेंसी के चलते इंग्लैंड सीरीज छोड़कर अचानक भारत लौटे गौतम गंभीर

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है। इस सीरीज के लिए भारतीय खेमा इस वक्त इंग्लैंड में है, लेकिन हेड कोच गौतम गंभीर को फैमिली इमरजेंसी के चलते अचानक भारत वापस लौटना पड़ा है। गौतम गंभीर बेकेनहैम में भारतीय टीम के साथ मौजूद थे, जहां शुक्रवार से इंट्रा-स्क्वॉड प्रैक्टिस मैच खेला जाएगा। इसकी शुरुआत से पहले ही गौतम गंभीर को अपनी मां से संबंधित एक महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में भारत लौटने का फैसला लेना पड़ा। इस मामले में शुक्रवार को एक सूत्र ने 'आईएएनएस' से कहा, "हां, कल यह बात सामने आई कि गंभीर अपनी मां से संबंधित एक महत्वपूर्ण फैमिली इमरजेंसी के चलते घर वापस लौट रहे हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों के लिए एलआईसी दावों के निपटान में लाएगा तेजी

नई दिल्ली (आईएएनएस) । अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 की दुखद दुर्घटना के मद्देनजर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को पीड़ितों के परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए तत्काल उपायों की घोषणा की। एलआईसी ने दुर्घटना में मारे गए यात्रियों, क्रू मेंबर्स सहित घटना के समय जमीन पर मौजूद लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। "भारतीय जीवन बीमा निगम अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के कारण एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के यात्रियों और क्रू मेंबर्स और हादसे के समय जमीन पर मौजूद लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करता है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए से 25.5 अरब पाउंड का अतिरिक्त व्यापार संभव: ब्रिटिश राजनयिक

मुंबई (आईएएनएस)। दक्षिण एशिया के लिए ब्रिटेन के व्यापार आयुक्त हरजिंदर कांग ने कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से 25.5 बिलियन पाउंड का अतिरिक्त व्यापार मूल्य संभव होगा। एक पैनल चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा, "यह समझौता केवल एक व्यापार सौदा नहीं है; यह ब्रिटेन-भारत आर्थिक सहयोग के अगले अध्याय का ब्लूप्रिंट है। मौजूदा व्यापार में 43 बिलियन पाउंड और वृद्धिशील लाभ में 25.5 बिलियन पाउंड के साथ यह निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं दोनों के लिए वास्तविक लाभ के द्वार खोलता है। उन्होंने पुष्टि की कि सेवाओं का उदारीकरण, ऑटो टैरिफ (कोटा के साथ) और फ्यूचर-रेडी टेक सिक्योरिटी कॉरिडोर को समझौते में शामिल किया गया है।

अमेरिका में बिकने वाले 97% आईफोन भारत में बने

₹37 हजार करोड़ के फोन का निर्यात ट्रंप ने कहा था- अमेरिका में बनाओ आईफोन

ट्रंप ने एपल पर 25% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी

नई दिल्ली । एजेंसी

एपल को ट्रंप की धमकी के बावजूद अमेरिका में बिकने वाले लगभग सभी आईफोन भारत में बन रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक एपल ने मार्च से मई 2025 के बीच भारत से जितने भी आईफोन एक्सपोर्ट किए, उनमें से 97% अमेरिका भेजे गए हैं। इनकी कीमत 3.2 बिलियन डॉलर (27,000 करोड़ रुपए) रही। सिर्फ मई में ही करीब 1 बिलियन डॉलर यानी 8,600 करोड़ के आईफोन भारत से अमेरिका भेजे गए हैं। यानी एपल अब भारत में आईफोन एक्सक्लूसिव तौर पर अमेरिकी बाजार के लिए बना रहा है। जनवरी से मई 2025 तक भारत से अमेरिका को 4.4 बिलियन डॉलर(37 हजार करोड़) के आईफोन एक्सपोर्ट हो चुके हैं। ये आंकड़ा 2024 के 3.7 बिलियन एक्सपोर्ट से भी ज्यादा है। 2024 तक अमेरिका में बेचे जाने वाले 50% आईफोन भारत में बनते थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने 23 मई को कहा था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होनी चाहिए। उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25% का टैरिफ लगाया जाएगा। एपल सीईओ के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी देते हुए ट्रंप ने 15 मई को कहा था कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा। मुझे कल टिम कुक के साथ थोड़ी परेशानी हुई। मैंने उनसे कहा, टिम, तुम मेरे दोस्त हो, तुम 500 बिलियन डॉलर लेकर आ रहे हो, लेकिन अब मैं सुन रहा हूं कि तुम पूरे भारत में प्रोडक्शन कर रहे हो। मैं नहीं चाहता कि तुम भारत में प्रोडक्शन करो। उन्होंने आगे कहा कि अगर तुम भारत का ख्याल रखना चाहते हो तो तुम भारत में निर्माण कर सकते हो, क्योंकि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। भारत में बेचना बहुत मुश्किल है और उन्होंने हमें एक डील ऑफर की है। इसके तहत वे हमसे कोई टैरिफ नहीं वसूलने को तैयार हैं। मैंने टिम से कहा, देखो, हमने वर्षों तक चीन में तुम्हारे द्वारा बनाए गए सभी प्रोजेक्ट्स को सहन किया, अब तुम्हें अमेरिका में प्रोडक्शन करना होगा, हम नहीं चाहते कि तुम भारत में निर्माण करो। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है।

इजरायल-ईरान में संघर्ष से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

ईरान के परमाणु संयंत्रों और मिसाइल फैक्ट्रियों पर इजरायल के हमले के बाद मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 9 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 6 डॉलर से अधिक बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल के पांच महीने के उच्चतम स्तर को पार कर गई। कार्रवाई के बाद इजरायल ने ईरान से जवाबी कार्रवाई की आशंका के चलते इमरजेंसी घोषित कर दी है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि इससे बड़े पैमाने पर संघर्ष हो सकता है।

इजरायल-ईरान तनाव से सेंसेक्स 573 अंक लुढ़का

मुंबई (आईएएनएस)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 573.38 अंक या 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,118.60 और निफ्टी 169.60 अंक या 0.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,718.60 पर था। बाजार में गिरावट का नेतृत्व बैंकिंग शेयरों ने किया। निफ्टी बैंक 555.20 अंक या 0.99 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 55,527.35 पर था। इसके अलावा ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और एनर्जी इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। आईटी, रियल्टी और मीडिया इंडेक्स हरे निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 213 अंक या 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 58,227.45 पर था।

अदाणी सीमेंट और क्रेडाई ने की साझेदारी, सस्टेनेबल और हाई-क्वालिटी वाले शहरी निर्माण को बढ़ावा देंगे

अहमदाबाद (आईएएनएस)

अदाणी सीमेंट और कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने शुक्रवार को देश में सस्टेनेबल और हाई-क्वालिटी वाले निर्माण को आगे बढ़ाने के लिए हाथ मिलाया। यह रणनीतिक साझेदारी अदाणी सीमेंट और देश के निजी रियल एस्टेट डेवलपर्स के शीर्ष निकाय को एक साथ लाती है, जिसका उद्देश्य दोनों संगठनों और निर्माण उद्योग को लाभ पहुंचाना है। इस साझेदारी के तहत अदाणी सीमेंट अपने बी2बी आउटरीच को मजबूत करने के लिए क्रेडाई के 13,000 से अधिक डेवलपर्स के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क का लाभ उठाएगा, जबकि क्रेडाई के सदस्य अदाणी सीमेंट के उद्योग-अग्रणी समाधानों से लाभान्वित होंगे।

गोल्ड लोन नियमों में ढील से ग्रोथ को रफ्तार

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से गोल्ड लोन के लिए लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) बढ़ाने से नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) की ग्रोथ को बढ़ावा मिल सकता है। क्रिसिल की ओर से शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई थी। आरबीआई की ओर से गोल्ड लोन एलटीवी पर जारी फाइनल डारेक्शन में बताया गया कि 2.5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन के लिए एलटीवी अब 85 प्रतिशत होगा, जो कि पहले 75 प्रतिशत था। क्रिसिल रेटिंग्स ने रिपोर्ट में बताया कि एनबीएफसी कंपनियों के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में 70 प्रतिशत से अधिक लोन 5 लाख रुपए से कम की टिकट साइज के है। क्रिसिल रेटिंग्स की निदेशक मालविका भोटिका ने कहा, "कम-टिकट लोन के लिए एलटीवी स्टैंडर्ड में संशोधन से गोल्ड लोन-केंद्रित एनबीएफसी को दो तरह से लाभ होने की उम्मीद है। सबसे पहले यह बुलेट रीमेंट लोन में अर्जित ब्याज को ध्यान में रखने के बाद भी एलटीवी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अधिक कुशन प्रदान करेगा।

उपेक्षित पड़ा है आंगनबाड़ी भवन

- सरकारी राशि के दुरुपयोग का सबूत बना

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड मुख्यालय स्थित सिंचाई विभाग के परित्यक्त अस्पताल भवन परिसर में आंगनबाड़ी केंद्र का भवन बना। मगर बनने के बाद से आज तक लावारिस हालत में पड़ा भवन सरकारी राशि के दुरुपयोग का सबूत पेश कर रहा है। बताया गया कि 12-14 साल पहले यहां से करीब 700 मीटर दूर शिलापर गांव के आंगनबाड़ी केंद्र (कोड संख्या-324) के लिए इस भवन का निर्माण कराया गया था।

मगर, रेलवे क्रासिंग की वजह से बच्चों का इस भवन तक आना-जाना जोखिम भरा बताकर इसे लावारिस हालत में छोड़ दिया गया है। हालांकि अब रेलवे लाइन क्रॉस करने की जोखिम उठाने की समस्या नहीं रह गई है। रेल अंडरब्रिज बन जाने से संबंधित क्षेत्र के बच्चों के लिए इस आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुंचना आसान बन गया है। वैसे, देखरेख के अभाव में अब यह भवन जीर्णशीर्ण हो गया है। झाड़ियों में घिर गया है। जिसकी मरम्मत कराकर उपयोग में लाया जा सकता है। लोगों का कहना है कि प्रखंड मुख्यालय में कई और ऐसे भवन हैं, जिनका उपयोग नहीं किया जाता है। ऐसे में इनके निर्माण में लगी राशि के दुरुपयोग का सबूत जांच का विषय बताया जाता है।

न्यूज बॉक्स

ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र के हरिजन मिडिल स्कूल के समीप मोहम्दाबाद रोड के पास स्थित ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गया है। भीषण गर्मी में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। शहरवासियों ने बताया कि उक्त ट्रांसफार्मर से जिन उपभोक्ताओं को बिजली मिलती थी, उन्हें बिजली नहीं मिल पा रही है, ऐसी स्थिति कई दिनों से हो रही है। लोगों ने बिजली विभाग से उक्त ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग की है। साथ ही फिलहाल ट्रांसफॉर्मर की मरम्मती कराकर बिजली आपूर्ति बहाल करने की अपील की है।

समाजसेवी महिला की छठवीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

हुसैनाबाद। जपला धरहरा स्थित नहर मोड़ पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता की माता पार्वती साहू की छठवीं पुण्यतिथि मनाई गई। जिला परिषद सदस्य राजू कुमार मेहता उर्फ एसपी मेहता, निवर्तमान नगर अध्यक्ष शशि कुमार व श्रवण कुमार ने पार्वती साहु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि दिवंगत आत्मा को शांति और मोक्ष प्रदान करें। इस दुःख की घड़ी में हम सब आपके साथ हैं । दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि । मेरी प्रार्थना आपके और आपके परिवार के साथ है । वहीं भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता ने कहा कि मेरी पूजनीय मां की छठवीं पुण्यतिथि पर मैं उनको नमन और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। मेरी मां ने पग-पग पर मेरा साथ ही नहीं दिया, बल्कि जब जरूरत पड़ी तो मेरी ढाल बनकर मेरी रक्षा भी की है । मां ने तन से तो हमारा साथ छोड़ दिया ।

नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने की दिलाई गई शपथ

मोहम्मदगंज। प्रखंड सभागार में गुरुवार को सरकार के नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने को लेकर जेएसएलपीएस के कैडर के साथ बीडीओ रणवीर कुमार ने समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने नशा मुक्ति अभियान को लेकर शपथ दिलाई। साथ ही लोगों को इस संबंध में जागरूक करने को लेकर निर्देशित किया। उन्होंने इस अभियान को लेकर सरकार के गाइड लाइन का पालन सुनिश्चित कराने के लिए सकारात्मक कदम उठाने की नसीहत दी। सखी मंडल की दीदीयों ने नशा मुक्ति पर आधारित जागरूकता गीत प्रस्तुत किए। बीपीएम भूपेश कुमार ने नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने के लिए टोले-मोहल्ले में प्रभात फेरी निकाल गीत व नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक करने की बड़ी जवाबदेही सखी मंडल की दीदीयों को दी। इस मौके पर जेंडर सीआरपी बेबी देवी एवं पूजा देवी ने नशा मुक्ति जागरूकता गीत प्रस्तुत कर इसे टोले-मुहल्ले तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किए। कार्यक्रम में सीसी अनिल कुमार, सतीश कुमार, एलबीआरपी मनोज कुमार, आईपीआरपी मीना देवी और महेश कुमार भी शामिल रहे।

जन शिकायत निवारण में आए आवेदनों को गंभीरता से लें : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। शुक्रवारीय साप्ताहिक जन शिकायत निवारण में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उसके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियो का आवश्यक दिशा निर्देश दिया. उन्होने सभी शिकायतों की जांच करा कर शीघ्र ही समाधान करने का भरोसा दिया। जन शिकायत निवारण में जमीन विवाद, प्रधानमंत्री आवास, आंगनबाड़ी केंद्र में गलत तरीके से चयन से संबधित कुल आठ आवेदन प्राप्त हुए।

जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभागों को सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन कर उनका शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होने जन शिकायत निवारण में आने वाले समस्याओं को गंभीरता से लेने एवं उसका त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया. कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होने बेवजह ग्रामीणों को कार्यालय का चक्कर नहीं लगवाने की हिदायत दी. बता दें कि उपायुक्त के निर्देश पर आम लोगों की समस्याओं के समाधान और शिकायतों के निष्पादन के लिए जिला, अनुमंडल, एवं प्रखंड स्तर के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

एसीबी से शिकायत : बगोदर बीडीओ ने प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट लैंड पर दे दी अबुआ आवास की मंजूरी

गिरिडीह। जिले के बगोदर प्रखंड में एक गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। बगोदर की प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) निशा कुमारी पर अबुआ आवास योजना के तहत संरक्षित वन भूमि (प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट) पर अवैध स्वीकृति देने, सरकारी राशि का दुरुपयोग करने और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। सोशल एक्टिविस्ट और पर्यावरणविद संतोष कुमार दास ने इस मामले पर ग्रामीण विकास विभाग के सचिव को एक विस्तृत शिकायत पत्र सौंपा है, जिसमें बीडीओ निशा कुमारी के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की गयी है। बगोदर बीडीओ पर संरक्षित वन भूमि पर अबुआ आवास की मंजूरी देने का आरोप, जांच की मांग संतोष कुमार ने अपनी शिकायत में कहा है कि निशा कुमारी ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 में अबुआ आवास योजना के तहत तारा कुमारी पांडे, पति सन्नू कुमार पांडे, निवासी ग्राम खेतको, थाना बगोदर, जिला गिरिडीह, को आवास निर्माण के लिए स्वीकृति दी। इस स्वीकृति (रजिस्ट्रेशन आईडी 2870907) के तहत मौजा- खेतको, प्लॉट संख्या - 5979 पर मकान निर्माण के लिए राशि आवंटित की गई। लेकिन यहां चौंकाने वाली बात यह है कि उक्त प्लॉट अधिसूचित सुरक्षित वन भूमि (प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट) है, जैसा कि अधिसूचना संख्या सीपीएफ-10152/52-5801-R-D-27-12-1952, दिनांक 27/12/1952 द्वारा सत्यापित है। इसके बावजूद बीडीओ निशा कुमारी ने बिना स्थलीय निरीक्षण या भूमि की प्रकृति की जांच किए इस अवैध स्वीकृति को मंजूरी दी और सरकारी राशि का भुगतान भी कर दिया।

पलामू में क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट 2025 का शानदार समापन

- तकनीकी दक्षता, टीम भावना व आधुनिक पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू रेंज के लिए गौरव का विषय बना तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट 2025, जो 11 से 13 जून तक मेदिनीनगर में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने दीप प्रज्वलन कर संयुक्त रूप से किया। समापन अवसर पर चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस ड्यूटी मीट में पलामू, गढ़वा और लातेहार के चुनिंदा पुलिसकर्मियों ने क्राइम इन्वेस्टिगेशन, फॉरेंसिक साइंस, साइबर विश्लेषण, फिंगरप्रिंट, फोटोग्राफी, डॉग स्क्वॉड और कंप्यूटर अवेयरनेस जैसे तकनीकी विषयों पर केस आधारित प्रशिक्षण प्राप्त किया और प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया।

डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं पुलिस बल की व्यावसायिक कुशलता और तकनीकी योग्यता को नई दिशा देती हैं। एसपी रीष्मा रमेशन ने इसे पुलिस की बुनियादी मजबूती और आत्ममंथन का मंच बताया।

प्रतियोगिता में लातेहार के एसआई मोहम्मद याकीन अंसारी को ओवरऑल रेंज चैंपियन घोषित किया गया, जबकि इंस्पेक्टर ज्योति लाल राजवार (पलामू) उपविजेता रहे। अन्य श्रेणियों में संतोष कुमार, प्रमोद सिन्हा, भगीरथ पासवान, अशोक कुमार डे, उत्तम कुमार यादव, गोपाल शर्मा समेत कई पुलिसकर्मियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिलों का नाम रोशन किया। डॉग स्क्वॉड परीक्षण में पलामू की टीम ने "माचो" और "मारी" जैसे प्रशिक्षित डॉग्स के माध्यम से ट्रैकर और एक्सप्लोसिव डिटेक्शन कैटेगरी में प्रथम स्थान हासिल किया। पलामू पुलिस ने आयोजन में शामिल सभी प्रशिक्षकों, विशेषज्ञों, सहभागियों और संस्थाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सोशल ऑडिट कर लौट रही थी टीम, बोलेरो की चपेट में आकर 3 घायल

लतेहार। रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्चि पथ-75 पर लातेहार के डुड़ंगी गांव के पास शुक्रवार की दोपहर करीब दो बजे सड़क दुर्घटना में मनरेगा सोशल ऑडिट टीम के तीन सदस्य घायल हो गए। घायलों में रघुनाथ परहिया (मुर्गीडीह, बरवाडीह), कलारा टूटी (केड़, छिपादोहर) व दिनेश उरांव (तुलबुल, लातेहार) शामिल हैं। आनन-फानन में तीनों को सदर अस्प)ताल लाया गया. रघुनाथ परहिया और कलारा टूटी का पैर टूट गया है. जबकि नेश उरांव को हल्की चोटें आई हैं। घायल रघुनाथ परहिया ने बताया कि वे लोग एक बाइक पर सवार होकर तुलबुल गांव से मनरेगा योजना की ऑडिट कर वापस पंचायत सचिवालय लौट रहे थे. इसी दौरान दुड़ंगी गांव से पंचायत सचिवालय जाने वाले रास्ते की ओर जैसे ही मुड़े तेज गति से आ रही एक बोलोरो ने उनकी बाइक को चपेट में ले लिया. बाइक की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्क र के बाद बाइक के परखच्चे उड़ गए।

पेज एक के शेष

अपील खारिज, हाईकोर्ट...

लेकिन कोर्ट के आदेश के आलोक में एक पद पर रिजल्ट को रोक दिया था। बाद में कोर्ट ने मनोज कुमार कच्छप का रिजल्ट मंगाया था। जेपीएससी ने सीलबंद रूप में प्रार्थी का मार्क्स कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया था। इसमें कोर्ट को पता चला कि मनोज कुमार कच्छप उस पूरी परीक्षा में सबसे अधिकतम नंबर लाने वाला अभ्यर्थी है।

पूर्व सीएम कोड़ा...

आरोप है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए हैदराबाद की ब्लैक लिस्टेड कंपनी आईवीआरसीएल को काम दिया था। इस संबंध में कंपनी के डायरेक्टर डीके श्रीवास्तव से मुंबई में 11.40 करोड़ रुपए घूस लिया था। इसके अलावा, कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए लातेहार, गढ़वा और पलामू सहित छह जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण करने का टेंडर दे दिया। मामले की जांच सीबीआई कर रही है, इसमें मधु कोड़ा ढाई साल तक जेल में रहे थे। उन्हें 30 जुलाई, 2013 को जमानत मिली थी।

दिल दहला देने...

स्तर पर परिजनों के डीएनए सैंपल लिए गए। विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के अबतक 219 परिजनों के डीएनए टेस्टिंग और ब्लड सैंपल लिए गए हैं। बाकी परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है। एफएसएल की 10 टीमों के 36 विशेषज्ञ चौबीसों घंटे कार्यरत हैं। वहीं, गुजरात सरकार ने उन जिलों/शहरों के कलेक्टरों को परिजनों से संपर्क साधने और उन्हें जरूरी सहायता पहुंचाने का निर्देश दिया है, जहां विमान हादसे के शिकार होने वाले यात्री रहते थे। साथ ही, संचार योजना के तहत विशेष टीमों का गठन कर परिजनों की काउंसलिंग और मनोबल मजबूत करने को कहा है।

एयर इंडिया के सभी...

विमान नियामक ने ईंधन पैरामीटर निगरानी और संबंधित सिस्टम जांच का निरीक्षण और केबिन एयर कंप्रेसर और संबंधित सिस्टम का निरीक्षण अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण-प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित एक्चुएटर-संचालन परीक्षण और तेल प्रणाली जांच, हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवाक्षमता जांच, टेक-ऑफ मापदंडों की समीक्षा, अगली सूचना तक पारगमन निरीक्षण में 'उड़ान नियंत्रण निरीक्षण' शुरू किया जाएगा।

टीएसपीसी के एरिया...

मामले की जानकारी देते हुए हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि प्रशांत पर पहले से हत्या, फायरिंग, फिरौती और सीएलए एक्ट के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। विगत 01 जून 2025 को केरेडारी थाना क्षेत्र में बीजीआर माइनिंग कंपनी के दो वाहनों को जलाकर उड़ाने की घटना में भी इनकी संलिप्तता सामने आई है। उस घटना के बाद ही एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था। फिलहाल, सभी गिरफ्तार उग्रवादियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बड़कागांव अनुमंडल क्षेत्र में संभावित बड़ी उग्रवादी घटना टल गई।

कदमा थाने के...

भाजपा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता अंकित आनंद की पहल पर पीड़िता ने उच्च अधिकारियों से लिखित शिकायत की, जिसके बाद जांच शुरू हुई। सिटी एसपी की रिपोर्ट में पुलिस पदाधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई और उउन्हें सेवा नियमों के उल्लंघन का दोषी ठहराया गया। रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी ने तुरंत निलंबन की कार्रवाई की।

गुमला के रायडीह...

अपराधियों ने पहले व्यापारी के पास रखा पैसों से भरा झोला छीनने की कोशिश की, लेकिन जब व्यापारी ने प्रतिरोध किया तो एक अपराधी ने पिस्टल सटाकर दो गोलियां दाग दीं। एक गोली सीधे पेट में लगी, जबकि दूसरी गोली पेट को छूती हुई निकल गई। गंभीर रूप से घायल राजकुमार को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल गुमला सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, व्यापारी के पास रखे करीब 4 लाख रुपए नकद और एक मोबाइल फोन की लूट हुई है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी बांसडीह की दिशा में फरार हो गए। सूत्रों के अनुसार, इससे पहले भी अपराधियों द्वारा राजकुमार से रंगदारी की मांग की गई थी। एक वर्ष पूर्व उनसे लूट का प्रयास भी किया गया था। लेकिन, राजकुमार ने उस समय पुलिस को सूचना नहीं दी थी, जिससे अपराधियों के हौसले और बढ़ गए। व्यवसाय से जुड़े होने के कारण राजकुमार को अक्सर अलग-अलग ग्रामीण बाजारों में भारी रकम लेकर आना-जाना पड़ता था। यह बात अपराधियों को पहले से मालूम थी और वे घात लगाकर बैठे थे। घटना की सूचना मिलते ही रायडीह थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह, सदर थाना प्रभारी महेंद्र करमाली और एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव गुमला सदर अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस टीम घायल व्यापारी के साथ रांची रिम्स रवाना हुई। फिलहाल पुलिस अपराधियों की पहचान व गिरफ्तारी को लेकर जांच में जुट गई है। बाजार जैसी भीड़भाड़ वाली जगह पर दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। इस सनसनीखेज घटना के बाद स्थानीय व्यवसायियों और ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों ने बाजार में पुलिस गश्ती बढ़ाने और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

देवीधाम नहर घाट के चौड़ीकरण की मांग
छठ महापर्व पर लगती है भीड़

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। मुख्य नहर तटवर्ती स्थानीय देवीधाम के पास बने घाट के संकीर्ण होने की वजह से खासकर, छठ महापर्व के दौरान व्रतियों को स्नान करने में होने वाली परेशानी और जोखिम को देखते हुए इसके चौड़ीकरण की जरूरत बताई जाती है। बताया जाता है कि इस घाट के संकीर्ण होने से छठ पर्व के दौरान होने वाली परेशानी के कारण यह त्योहार काफी वर्षों बाद फिर से साप्ताहिक बाजार के समीप कोयल नदी में मनाया जाने लगा है। जो दूरी के लिहाज से दूरदराज के व्रतियों के लिए असुविधाजनक होता है। जबकि देवीधाम के पास नहर घाट पर अगल-बगल के साथ ही दूरदराज के व्रतियों को त्योहार मनाने का सुविधाजनक और सुरक्षित माहौल मिलता है। बाजार के नजदीक स्थित होने के कारण हर प्रकार की जरूरत पूरी होने के साथ ही पवित्र-पावन और इस सर्वदेव मंदिर प्रांगण में छठ महापर्व मनाने की अलग अनुभूति प्राप्त होती है। इसके आसपास ही शिवालय, महादेव विश्वकर्मा और काली मंदिर के अलावा बजरंगबली के निर्माणाधीन मंदिर स्थित होने से एक ही साथ कई देवी-देवताओं की स्तुति का अवसर प्राप्त होता है।

अहमदाबाद प्लेन हादसा

मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए अधिवक्ताओं ने रखा मौन, दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार जिला बार एसोसिएशन परिसर में आज अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रख कल अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में मृत लोगों के आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और नम आंखों से श्रद्धांजली दी। मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजमणि प्रसाद ने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। हम सभी प्रार्थना करते हैं की भगवान उन सभी मृतकों के आत्मा को शांति प्रदान करे। आपके ज्ञात हो कि अहमदाबाद में कल दोपहर अचानक टैक ऑफ के बाद ही एयर इंडिया का प्लेन हादसे का शिकार हो, जिसमें 241 लोगों का मौत हो गया, और एक व्यक्ति का इलाज चल रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजीव रंजन पाण्डेय, उज्जवल पाण्डेय, रमन कुमार महतो, कौशल पाण्डेय, प्रवीण सिंह, बासुदेव पाण्डेय, विवेक कुमार अनिल ठाकूर संजय कुमार गुप्ता, विकास कुमार गुप्ता, मो0 फैज, सहित दर्जनों अधिवक्ताओं ने श्रद्धांजली दी।

खेल | राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 35 खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व, उत्कृष्ट प्रदर्शन पर नेशनल खेलने का मौका

पलामू की सब-जूनियर एथलेटिक्स टीम जामताड़ा रवाना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य एथलेटिक्स संघ और जामताड़ा जिला एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में 14 और 15 जून को जामताड़ा स्थित आउटडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सब-जूनियर बालक/बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पलामू की टीम बुधवार को रवाना हो गई। इस प्रतियोगिता में अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग के बालक व बालिका भाग लेंगे।

पलामू टीम को कोच मोनू कुमार (बालक वर्ग) और कोच रेशमा पांडे (बालिका वर्ग) के नेतृत्व में रवाना किया गया। कुल 35 सदस्यीय दल को पलामू जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजात शत्रु प्रसाद सिन्हा, सचिव संजय कुमार त्रिपाठी, पलामू जिला ओलंपिक संघ के वरीय उपाध्यक्ष कमलानंद दुबे ने कोलकाता वीकली एक्सप्रेस ट्रेन से रवाना किया। पलामू जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सब-जूनियर नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

टीम को शुभकामनाएं देने वालों में पलामू जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष किशोर कुमार पांडे, वरीय उपाध्यक्ष कमलानंद दुबे, एथलेटिक्स कोच रेशमा पांडे, वूशु संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र प्रसाद, सचिव सुमित वर्मन, एथलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप मेहता, योगा एसोसिएशन के सचिव अनिल पांडेय, साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ कुमार, राइफल शूटिंग संघ के सचिव अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष अमरेंद्र पाठक, सुनील उपाध्याय, शशिकांत त्रिपाठी, शारीरिक शिक्षक द्वारिका प्रसाद, सोनी कुमारी, प्रीति कुमारी शामिल रहे।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी

बालक वर्ग में : अंकित कुमार सिंह, शुभम कुमार, प्रत्यय पांडेय, विद्यासागर, चिरंजीवी कुमार सिंह, प्रिंस कुमार सिंह, शिवम कुमार सिंह, अनमोल तिवारी, प्रतीक कुमार, आशुतोष कुमार ठाकुर, सुधाकर कुमार, हेमंत कुमार यादव, प्रिंस कुमार शर्मा, आनंद कुमार सिंह, आयुष कुमार, दीपक उरांव, तेज प्रताप, कनिष्क कुमार सिंह शामिल हैं।

बालिका वर्ग में : अर्पणा राज, अंशु प्रिया कुमारी, आराध्या कुमारी, मिस्टी कुमारी, फिजा प्रवीण, पीहू रानी, अंजली यादव, मानसी सिंह, सुहानी सिंह, रानी कुमारी, श्रुति गुप्ता, सुप्रीति कुमारी, प्रिंसी कुमारी, आराध्या कुमारी, अंजली कुजुर, रिया कुमार, संजना उरांव भाग लेंगी।

इजराइल का ईरान पर बड़ा हवाई हमला, परमाणु ठिकानों पर दागे बम

तेहरान । एजेंसी

इजराइल ने आज तड़के ईरान में कई स्थानों पर बम बरसाए। इस हमले से ईरान सकते में है। बम धमाकों से राजधानी तेहरान के बाशिंदे सहम गए। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, इजराइल की सरकार ने शुक्रवार सुबह ईरान के रिहायशी इलाकों पर हमला किया। ईरान की राजधानी तेहरान में कई जोरदार धमाके सुने गए। इसके कुछ ही देरबाद इजराइली सरकार ने घोषणा की कि उसने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है।

इजराइल में आपातकाल, तेल अवीव में बजे सायरन : इस बीच अमेरिका के 'एबीसी न्यूज' चैनल की खबर में इजराइल के रक्षामंत्री

इजराइल कैट्ज के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने शुक्रवार सुबह स्थानीय समयानुसार ईरान के विरुद्ध दर्जनों हमले किए। साथ ही इजराइल में आपातकाल की घोषणा की।

इजराइल और ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए दूतावासों ने जारी की सलाह

तेल अवीव/तेहरान । इजराइल और ईरान के बीच बढ़ रहे टकराव से दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। भारतीय नागरिकों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है।इजराइल में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर आज सुबह इजराइल में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है।

होसैन सलामी की मौत से ईरान में गुस्सा, इजरायल पर हमले की आशंका बढ़ी

अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इजराइल की सेना ने शुक्रवार सुबह ईरानी परमाणु सुविधा केंद्रों और शोध वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है। ईरानी राज्य टेलीविजन ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रमुख होसैन सलामी हमलों में मारे गए।

केवाईसी अपडेट अब किसी भी बैंक ब्रांच से किया जा सकेगा, चाहे होम ब्रांच हो या अन्य

खाताधारक अपने लंबे समय से बंद पड़े खातों व बिना क्लेम किए गए डिपॉजिट को फिर से चालू कर सकेंगे

ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केवाईसी नियमों को और भी आसान करने के लिए नये निर्देश जारी कर दिये। ऐसे में अब बैंक खाताधारक अपने लंबे समय से बंद खातों और बिना क्लेम किए गए डिपॉजिट को फिर से चालू कर सकेंगे। इन नए नियम के अनुसार अब ग्राहक को अपना खाता चालू कराने के लिए जहां खाता खोला गया था उसी ब्रांच में जाने की जरूरत नहीं है।क्योंकि अब केवाईसी अपडेट किसी भी बैंक ब्रांच से किया जा सकेगा चाहे वो होम ब्रांच हो या उसी बैंक का कोई अन्य ब्रांच। इसी के साथ ग्राहक अब वीडियो काल से भी केवाईसी कर सकते हैं।इसे वीडियो- कस्टमर आइडेंटिफिकेशन प्रोसेस कहते हैं। ये सुविधा विशेषकर बुजुर्गों, एनआरआई व ग्रामीण इलाकों के लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकते हैं।लेकिन इसमें फ्राड नहीं हो इसकी भी सावधानी बरतनी पड़ेगी। बारह जून को जारी अधिसूचना में रिजर्व बैंक ने कहा कि अब बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट को केवाईसी का अपडेशन या पीरियोडिक अपडेशन करने की अनुमति है। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि बैंकों को केवाईसी अपडेशन प्रक्रिया का अनुपालन करने के लिए ग्राहकों को कम से कम पत्र से एक बार सूचना देनी होगी और कम से कम तीन अग्रिम सूचनाएं देनी होंगी। रिजर्व बैंक ने बैंकों व एनबीएफसी को निर्देश दिया है कि वे तथाकथित कम जोखिम वाले ग्राहकों से सभी लेन-देन की अनुमति दें, भले ही उनका केवाईसी पेंडिंग हो। इन ग्राहकों के पास केवाईसी अपडेट के लिए 30 जून 2026 तक का समय है। केंद्रीय बैंक ने बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट को केवाईसी अपडेट का अधिकार दिया है। बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट गैर सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह, माइक्रो फाइनेंस संस्थान जैसे संगठन हैं, जिन्हें बैंक अपने एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए अनुबंधित करता है। आपका स्थानीय किराना दुकान मालिक भी बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट के रूप में पैनल में शामिल हो सकता है, यदि उसे बैंक से अनुमति मिल गई है।

ईरान ने टॉप कमांडरों की मौत के बाद नए सैन्य प्रमुख नियुक्त किए

तेहरान। तेहरान पर इजरायली हवाई हमलों में टॉप सैन्य कमांडरों की मौत के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शुक्रवार को नए सैन्य प्रमुखों की नियुक्ति की। हवाई हमलों में ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कमांडर हुसैन सलामी और खात्म अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स के प्रमुख गुलाम अली राशिद मारे गए।

राम मंदिर के आसपास नहीं बनेंगी ऊंची इमारतें

अयोध्या । राम मंदिर के आसपास ऊंची बिल्डिंगों के निर्माण पर रोक लगा दी गई है। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने मास्टर प्लान-2031 के तहत यह कदम उठाया है। इसके तहत अयोध्या में मौजूद राम मंदिर के आसपास कम ऊंचाई के मकान ही बनाए जा सकेंगे। एडीए ने राम मंदिर की सौंदर्य और आध्यात्मिक पवित्रता को बनाए रखने के प्रयास के तहत यह आदेश जारी किया है। बता दें कि 22 जनवरी 2024 को पीएम मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। इसके बाद से मंदिर निर्माण के विस्तार सहित अन्य योजनाओं पर काम चल रहा है। वहीं, राम मंदिर के आसपास के मकानों की ऊंचाई को लेकर एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि अयोध्या विकास प्राधिकरण ने मास्टर प्लान-2031 के तहत राम मंदिर के आसपास प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है। इसके तहत राम मंदिर के आसपास ऊंची इमारतों के निर्माण पर रोक लगा दी गई है।

भारत और चीन का आपस में संपर्क बढ़ाने का फैसला

ब्यूरो

- भारत की चीन से फिर से सब कुछ शुरू करने की कोशिश
- सीधी हवाई यात्रा को जल्दी शुरू करने पर बनी सहमति

नई दिल्ली। भारत व चीन, दोस्ती की गरज है तो दोनों को , लेकिन भारत को ज्यादा है। तमाम कारण हैं। रेसर अर्थ मेटल को ही ले लें , चीन ने अमेरिका सहित भारत को भी 4 अप्रैल से दुर्लभ मृदा तत्वों की सप्लाई रोक दिया है। भारत में कारों, ट्रकों , फ़ोन जैसे प्राडक्ट बनाने वाली कंपनियां त्राहिमाम करने लगी हैं। क्योंकि इनके पास चीन से आयात किये गये रेअर अर्थ मेटल का स्टाक लगभग खत्म होने के कगार पर है। इससे चुंबक,कम्प्यूटर चिप्स आदि बनते हैं जो गाड़ियों, कम्प्यूटर आदि में लगते हैं। सो भारत व इसकी कंपनियां चीन से अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश तेज कर दिये हैं। इसके लिए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दो दिन के लिए भारत आए चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग से दिल्ली में मुलाकात की। दोनों देशों ने यह फैसला किया है कि वे लोगों के बीच संपर्क बढ़ाएंगे। इसमें कोरोना के समय से बंद दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करना भी शामिल है। इस संबंध में पिछली बार दोनों देशों के बीच पांच माह पहले जनवरी में बीजिंग में बात हुई थी। इस बार की बातचीत में उस बैठक में हुई बात को ही और आगे बढ़ाया गया। विक्रम मिसरी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने में चीन के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारत के तीर्थयात्रियों के लिए बहुत अच्छी बात है। बीते वर्ष दोनों देशों ने इस बारे में 6 मामले में सहमति जताई थी। विदेश सचिव ने अप्रैल 2025 में हुई ट्रांस-बॉर्डर नदियों पर एक्सपर्ट लेवल मैकेनिज्म की बैठक का भी जिक्र किया। इस बैठक में दोनों देश हाइड्रोलॉजिकल डेटा व अन्य तरह के सहयोग को साझा करने पर राजी हुए थे। हाइड्रोलॉजिकल डेटा का मतलब है नदियों से जुड़ी जानकारी, जैसे पानी का स्तर व बहाव से जुड़े आंकड़े। बातचीत में सीधी हवाई यात्रा को जल्द से जल्द शुरू करने पर जोर दिया गया। दोनों देश एक नए एयर सर्विस एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने की उम्मीद कर रहे हैं।

दोनों पक्षों ने वीजा आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाने और मीडिया, विद्वानों और थिंक टैंक के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए भी कदम उठाने पर सहमति जताई। भारत और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दोनों देशों ने व्यापार और अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में बातचीत करने का भी फैसला किया है। इसका मकसद है कि अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा सके। भारत ने गुरुवार को कहा कि वह चीन के साथ संपर्क में है। दरअसल, चीन ने दुर्लभ मृदा तत्व से जुड़े सामानों के निर्यात पर कुछ नियंत्रण लगाए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'हम दिल्ली और बीजिंग दोनों जगह चीनी पक्ष के साथ संपर्क में हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार व्यापार के लिए सप्लाई चेन में स्थिरता लाई जा सके।' दुर्लभ मृदा तत्व ऐसे पदार्थ होते हैं जो इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उद्योगों के लिए बहुत जरूरी होते हैं। अप्रैल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने चीनी समकक्षों, शी जिनपिंग और ली कियांग से मुलाकात की थी। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हुई थी। विक्रम मिसरी ने चीनी राजदूत शू फेइहोंग की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया था। मिसरी ने कहा था कि यह कार्यक्रम तब और भी अच्छा होगा, यदि दोनों देशों की ओर से लिए गए संकल्पों को ठोस कार्यों में बदला जाए।

मेटा ने चुनौती से पार पाने के लिए अलेक्जेंडर वांग को किया नियुक्त

ब्यूरो

नई दिल्ली। एआई के क्षेत्र में मेटा को गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, ओपनएआई व परप्लेक्सिटी से बहुत चुनौती मिल रही है, उससे पार पाने के लिए मेटा ने अलेक्जेंडर वांग को नियुक्त किया है। व अलेक्जेंडर वांग जिनका जन्म न्यू मैक्सिको में एक चीनी अप्रवासी माता-पिता के यहां हुआ था। उनके माता-पिता वहां नेशनल लेबोरेटरी में परमाणु भौतिक विज्ञानी थे। अलेक्जेंडर वांग बचपन से ही टेक फ्रेंडली थे। कॉलेज जाने से पहले वह प्रसिद्ध वेबसाइट क्वोरा में काम करते थे। वांग ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) की पढ़ाई छोड़ कर ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के स्टार्टअप, वाई कॉम्बिनेटर में शामिल हो गए। वाई कॉम्बिनेटर में रहते हुए उन्होंने क्वोरा के अपने साथी लूसी गुओ के साथ मिलकर 2016 में स्केल एआई नामक एक नई कंपनी शुरू की। वांग फ़िलहाल अपनी कंपनी "स्केल एआई" के सीईओ व को-फाउंडर हैं। यह एक डेटा-लेबलिंग स्टार्टअप है। बड़े पैमाने पर डेटा को लेबल करता है और उन्हें एआई सिस्टम को ट्रेंड करने के लिए जरूरी डेटासेट में व्यवस्थित करता है। स्केल एआई ने कुछ ही साल में ट्रेंड डेटा मार्केट पर कब्जा कर लिया है। उदाहरण के लिए स्केल एआई जैसी कंपनियों की ट्रेनिंग और डेटा की बदौलत ही सेल्फ-ड्राइविंग कारें सड़क पर चीजों के बीच फर्क कर पाती हैं।मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व वाली मेटा आर्टिफिशियल सुपर इंटेलिजेंस सिस्टम बनाना चाहती है, जिसके लिए उसने अलेक्जेंडर वांग को चुना है। वांग ही मेटा की नई रिसर्च लैब को लीड करेंगे। इस रिसर्च लैब में 50 माहिर टेक एक्सपर्ट होंगे । इस प्रोजेक्ट पर मेटा 15 अरब डॉलर निवेश कर रही है। मेटा वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने तथा उनसे आगे कुछ करने के लिए अपने उत्पाद- स्मार्ट ग्लास, फेसबुक, इंस्टाग्राम व वॉट्सऐप में एआई का समेकीकरण या इंटीग्रेशन बढ़ा रही है।

वह अपने एआई मॉडल को विकसित करने पर तो काम कर ही रही है, वांग के सहयोग से एआई व आर्टिफिशियल सुपर इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी कुछ बड़ा करना चाहती है।क्योंकि यह भविष्य की बड़ी चीज है। क्योंकि आर्टिफिशियल सुपर इंटेलिजेंस (एएसआई) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक उन्नत रूप है जो समस्या-समाधान, निर्णय लेने, रचनात्मकता और भावनात्मक समझ सहित सभी पहलुओं में मानव बुद्धि से आगे निकल जाता है। यह एआई विकास के उच्चतम चरण का प्रतिनिधित्व करता है, जो वर्तमान क्षमताओं से आगे है।

सुपर माइंड वाला एलेक्जेंडर वांग हैं कौन जिसको मेटा ने इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी है?

ब्यूरो

नई दिल्ली। एलेक्जेंडर वांग स्केल एआई के सह-संस्थापक व सीईओ हैं । स्केल एआई एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एप्लिकेशन विकसित करने के लिए डेटा लेबलिंग व माडल मूल्यांकन सेवाएं देती है। एलेक्जेंडर वांग 2021 में 24 साल की उम्र में, विश्व के सबसे कम उम्र के स्व-निर्मित अरबपति बन गए। फोर्ब्स ने अप्रैल 2025 तक उनकी कुल संपत्ति 3.6 बिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाया है । एलेक्जेंडर वांग का जन्म न्यू मैक्सिको के लास एलामोस में हुआ था। अलेक्जेंडर वांग जिनका जन्म न्यू मैक्सिको के लास एलामोस में एक चीनी अप्रवासी माता-पिता के यहां हुआ था। उनके माता-पिता वहां नेशनल लेबोरेटरी में परमाणु भौतिक विज्ञानी थे। वांग को बचपन से ही गणित व कंप्यूटर प्रोग्रामिंग का शौक था। उन्होंने 2013 में मैथ ओलंपियाड प्रोग्राम , 2014 में यब एस फिजिक्स टीम के लिए अर्हता प्राप्त की और 2012 व 2013 में यूएसएसीओ के फाइनलिस्ट थे। वांग की शिक्षा लास एलामोस हाई स्कूल में हुई । उसके बाद वह वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी, अडेपर में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने के लिए सिलिकॉन वैली चले गए। वांग ने किशोरावस्था में क्वोरा में एक सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर के तौर पर काम किया । उन्होंने 2016 में मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी में एडमिशन लिया , लेकिन पढ़ाई पूरी नहीं कर, बीच में ही छोड़कर 2016 में स्केल एआई की सह-स्थापना की, जो एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एप्लिकेशन विकसित करने के लिए डेटा लेबलिंग व माडल मूल्यांकन सेवाएं प्रदान करती हैं। उस दौरान अमेजन के पूर्व कार्यकारी जेफ विल्के ने वांग के सलाहकार के रूप में काम किया। इस कंपनी की ग्रोथ की स्थिति यह रही कि 2021 में, कंपनी का मूल्यांकन 7.3 बिलियन डॉलर हो गया, जिससे वांग को 1 बिलियन डॉलर मिल गया, क्योंकि उनके पास कंपनी का 15% हिस्सा था। स्केल एआई को अमेरिका के रक्षा अनुबंध प्राप्त हुए । और इसे पेंटागन के मुख्य डिजिटल व कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यालय द्वारा सैन्य योजना व निर्णय लेने के लिए बड़े भाषा माडल की सुरक्षा व विश्वसनीयता का परीक्षण व मूल्यांकन करने के लिए चुना गया है। वांग को 2023 में एक्सपीडिया ग्रुप के बोर्ड का सदस्य बनाया गया। वांग ने जुलाई 2023 में, हाउस आर्म्ड सर्विसेज उपसमिति की सुनवाई में गवाही दिया, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाने में अमेरिकी सरकार के सामने आने वाली चुनौतियों और संभावित समाधानों पर बात की गई। जून 2024 में, वांग ने घोषणा की कि स्केल एआई ने योग्यता , उत्कृष्टता व बुद्धिमत्ता (एमईआई) भर्ती नीति को औपचारिक रूप दिया है, जिसमें कहा गया है- "हमारा मानना है कि लोगों को उनके चरित्र की सामग्री से आंका जाना चाहिए - और, सहकर्मियों के रूप में, उनकी प्रतिभा, कौशल व कार्य नैतिकता से भी आंका जाना चाहिए।" एमईआई विविधता , समानता व समावेश (डीईआई) के समान लेकिन विपरीत अभ्यास है। वांग 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे शपथ समारोह के समय तकनीक-आधारित संस्थापकों व मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के समूह में शामिल थे । उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प को सीधे संबोधित करते हुए एक पत्र भी लिखा, जिसमें घोषणा की गई कि "अमेरिका को एआई युद्ध जीतना चाहिए"। बाद में वांग ने विश्व आर्थिक मंच पर अमेरिका व चीन के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता में होड़ के बारे में बोलते हुए डीपसीक की क्षमताओं के बारे में बात की। वांग ने फरवरी 2025 में इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, भारत के पीएम मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जानसन से भी मुलाक़ात की। माइक जानसन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर हाउस बिपार्टिसन टास्क फ़ोर्स को भी देखते हैं , उनसे वांग ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक सहयोग के बारे में बात की।

अहमदाबाद विमान हादसा जांच में ज्यादा फोकस 'इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट अकाउंटेबिलिटी' पर

ब्यूरो

नई दिल्ली। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया के प्लेन क्रैश व उसमें 241 यात्रियों की मौत होने को डीजीसीए ने दुनिया का सबसे खराब विमान हादसा बताया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इस हादसे के मुख्य रूप से तीन कारणों – मैकेनिकल फेलीयर, ह्यूमन यानी मानवीय विफलता या फिर रखरखाव विफलता के कारणों – की जांच होगी। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा फोकस "इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट अकाउंटेबिलिटी" पर रहेगा। प्रत्येक कारण की बारीकी से जांच की जाएगी। हादसे की तस्वीरों से साफ़ पता चलता है की दुर्घटना एक कारण से नहीं हुई थी। कई गलतियां साफ दिखाई दे रही है, जैसे कि उड़ान कैसे ऊपर उठी और

- **लैंडिंग गियर नीचे रहने से पता चलता है कि पायलट किसी अन्य संकट से निपटने में व्यस्त थे**

कैसे यह जमीन पर गिर गई। उनके अनुसार, लैंडिंग गियर नीचे रहने से पता चलता है कि पायलट किसी अन्य संकट से निपटने में व्यस्त थे।एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने कहा है कि विमान ने उड़ान भरने के तुरंत बाद ही आपातकाल का संकेत देते हुए "मेडे कॉल" किया। एक पूर्व विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो अधिकारी का सुझाव है कि प्रारंभिक जांच से ऐसा लगता है कि यह एक इंजन के फेल होने और दूसरे सक्रिय इंजन द्वारा पर्याप्त शक्ति उत्पन्न नहीं करने का मामला हो सकता है। उनके अनुसार, एअर इंडिया के हाल ही में हुए विस्तार पर भी विशेष रूप से इस दृष्टिकोण से विचार किया जाएगा कि क्या रखरखाव बेड़े के व्यापक उपयोग के साथ तालमेल बनाए रखता है।मालूम हो कि डीजीसीए पिछले तीन वर्षों से एयरलाइन को कॉकपिट अनुशासन, उड़ान संचालन और विमानों के रखरखाव में गंभीर चिंताओं का हवाला देते हुए कई चेतावनियां जारी कर रहा है। रिसोर्स मैनेजमेंट (उड़ान संचालन में टीम प्रबंधन अवधारणाएं) और स्विस मॉडल (जटिल प्रणालियों के भीतर कैसे घटनाएं या त्रुटियां होती हैं और उन्हें कैसे रोका जा सकता है, यह समझने के लिए एक रूपरेखा) के मानकों की भी विमानन मंत्रालय द्वारा जांच की जा रही है। 2022 में निजीकरण के समय से ही एअर इंडिया लगातार डीजीसीए की जांच के दायरे में है। वर्तमान में एअर इंडिया विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 350 विमानों का संचालन कर रही है, जिनमें से 27 ड्रीमलाइनर हैं।इस दौरान गुजरात एटीएस ने दुर्घटनास्थल से डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर बरामद किया है और इसे फोरेंसिक जांच के लिए भेज रही है। प्रारंभिक जांच डेटा से पता चलता है कि सिग्नल बंद होने से पहले उड़ान को 625 फीट या 190 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर ट्रैक किया गया था। उस समय विमान 320 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से उड़ कर रहा था।

कहानी फिल्म जगत की

2025 की अपनी दोनों फिल्मों से आगे निकले अक्षय बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही हाउसफुल 5

अक्षय कुमार के लिए साल 2025 अब तक अच्छा रहा है। साल के पहले छह महीनों में खिलाड़ी कुमार की तीन फिल्में सिनेमाघरों में पहुंचीं। स्काई फोर्स से शुरुआत करते हुए, अक्षय कुमार की एक्शन ड्रामा जनवरी में रिलीज़ हुई।

यह अक्षय कुमार की कोर्ट रूम ड्रामा केसरी 2 की पहले हफ्ते की कमाई से लगभग तीन गुना है। अक्षय, आर माधवन और अनन्या पांडे अभिनीत इस फिल्म ने पहले 7 दिनों के थिएटर रन के दौरान केवल 46 करोड़ रुपये कमाए और दिलचस्प बात यह है कि हाउसफुल 5 ने भारत में अपने नेट कलेक्शन के मामले में पहले ही फिल्म को पीछे छोड़ दिया है। अक्षय कुमार के लिए साल 2025 अब तक अच्छा रहा है। साल के पहले छह महीनों में खिलाड़ी कुमार की तीन फिल्में सिनेमाघरों में पहुंचीं। स्काई फोर्स से शुरुआत करते हुए, अक्षय कुमार की एक्शन ड्रामा जनवरी में रिलीज़ हुई। बाद में, उनकी ऐतिहासिक ड्रामा केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ जलियाँवाला बाग सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई।

अब, यह उनकी कॉमिक कैपर हाउसफुल 5 है जो लोगों का मनोरंजन कर रही है। तीनों में से, हाउसफुल 5 ने बॉक्स ऑफिस पर भारी कमाई की है। अक्षय कुमार ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है क्योंकि उनकी फिल्म हाउसफुल 5 ने स्काई फोर्स के आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 ने पहले सात दिनों में लगभग 127.25 करोड़ रुपये कमाए हैं।